हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, बुधवार 25 मार्च, 2026, वर्ष : 35 अंक : 01, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

डीडीसी के ठिकानों पर निगरानी का छापा, कई ठिकानों पर एक साथ रेड

पटना : बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के बीच एक बड़ा मामला सामने आया है। विशेष निगरानी इकाई ने शिवहर के डीडीसी यानी उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी बृजेश कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया है। इस कार्रवाई के बाद पूरे प्रशासनिक तंत्र में हलचल मच गई है और अधिकारियों के बीच चर्चा तेज हो गई है। निगरानी विभाग ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) के तहत डीडीसी बृजेश कुमार पर कांड संख्या 11/2026 दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने अपने सेवा काल के दौरान अलग-अलग पदों पर रहते हुए अपनी आय से कहीं ज्यादा संपत्ति इकट्ठा की। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बृजेश कुमार के पास लगभग 1 करोड़ 84 लाख 32 हजार 900 रुपये की ऐसी संपत्ति है, जिसका कोई वैध स्रोत नहीं बताया जा सका है। यानी यह रकम उनकी घोषित आय से काफी ज्यादा है।

माओवादी कमांडर सुकरु और चार अन्य ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर : ओडिशा के मोस्ट वांटेड माओवादी सुकरु और चार अन्य ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, वांछित माओवादी कमांडर सुकरु उर्फ कोषा सोढ़ी के सिर पर 55 लाख रुपये का इनाम था। उसने अपने चार साथियों और एक एके-47 राइफल के साथ कंधमाल पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान) संजीव पांडा ने पुष्टि की कि पांचों माओवादी अब पुलिस हिरासत में हैं। वे कल एक सार्वजनिक कार्यक्रम में औपचारिक रूप से अपने आत्मसमर्पण की घोषणा करेंगे। सुकरु (49 वर्षीय) मलकानगिरी जिले के मूल निवासी हैं और प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के राज्य समिति के सदस्य थे। वह ओडिशा में सबसे वरिष्ठ सक्रिय माओवादी कमांडर माने जाते थे। उन्होंने करीब 13 विद्रोहियों का एक छोटा समूह भी बनाया, जो खासतौर पर कंधमाल जिले में सक्रिय था। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण की प्रक्रिया में सुकरू सबसे बड़ी बाधा बन गए थे। इस साल जनवरी में उन्होंने कथित तौर पर अपने कनिष्ठ (जूनियर) अन्वेष की हत्या की थी, जो हथियार छोड़ना चाहता था।

इंडेन गैस वितरक के आवास पर फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

खूंटी(ईएमएस)। खूंटी जिले के तोरपा स्थित दुर्गा ग्रामीण इंडेन वितरक तोरपा के नरेंद्र साव के हिल चौक, नगर भवन के पास स्थित आवास के पास अज्ञात अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। अपराध कर्मियों ने घर के बाहर खड़े कार पर भी फायरिंग की। फायरिंग से कार का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना सोमवार की रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे की बताई जाती हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधकर्मी ने घटना को अंजाम दिया है। तीनों अपराधकर्मी एक बाइक से नरेंद्र साहू के घर के सामने पहुंचे। एक अपराधी बाइक से उतरा तथा फायरिंग शुरू कर दी।बाकी के दो अपराधी बाइक पर ही,बाइक स्टार्ट कर बैठे रहे।बाइक से उतरे अपराधी ने फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली घर के सामने खड़े कार के शीशे को चिरते हुए निकल गयी। दो गोली मारुती सर्विस सेंटर के बोर्ड पर लगी। मंगलवार की सुबह घटना की सूचना तोरपा पुलिस को दी गयी। सूचना पाकर एसडीपीओ क्रिस्तोफर केरकेट्टा, थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर रोशन खाखा, संजीव करण आदि पुलिसकर्मी घटनास्थल पहुंचे तथा मामले की छानबीन की। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा तथा दो गोली बरामद किया है।

जनभागीदारी से टीबी उन्मूलन की दिशा में झारखंड के प्रयास तेज

राज्य की 455 पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

रांचीः हर वर्ष 24 मार्च को विश्व स्तर पर विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है. यह दिन जर्मन वैज्ञानिक रॉबर्ट कोच द्वारा टीबी के जीवाणु की खोज की याद में मनाया जाता है. इस वर्ष विश्व तपेदिक दिवस का थीम जी हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं – भारत के नेतृत्व में, जनभागीदारी के समर्थन से' रखा गया है. इसका उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से टीबी उन्मूलन को तेज करना है. टीबी उन्मूलन कार्यक्रम झारखंड के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ कमलेश कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि देशभर के साथ-साथ झारखंड सरकार द्वारा राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश से टीबी का उन्मूलन करना है. कार्यक्रम के तहत टीबी के मरीजों को समय पर जांच, मुफ्त इलाज और पोषण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है. डॉ कमलेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 में झारखंड में बड़ी संख्या में मरीजों की जांच हुई. स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में राज्य में 9,49,254 संदिग्ध मरीजों की जांच की गई, जिसमें 67,049 टीबी मरीजों की पहचान कर उनका उपचार शुरू किया गया. राज्य में टीबी उपचार की सफलता दर लगभग 90 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय लक्ष्य 85 प्रतिशत से अधिक है.

गुमला की पांच बेटियों ने तोड़ी समाज की बेड़ियां, मां की अर्थी को दिया कंधा

गुमला। समाज में आज भी अंतिम संस्कार की रस्मों को पुरुषों का एकाधिकार माना जाता है लेकिन गुमला की पांच बेटियों ने इस धारणा को तोड़कर एक नयी मिसाल पेश की है। बेटियों ने यह साबित किया कि संस्कार और कर्तव्य निभाने के लिये जेंडर की नहीं बस मजबूत इरादों की जरूरत होती है। शहर के डीएसपी रोड की रहने वाली 76 वर्षीय कौशल्या देवी का निधन 23 मार्च दिन सोमवार को लगभग 12 बजे अपराह्न हो गया था। निधन के बाद उनकी पांचों बेटियों ने बेटे का फर्ज निभाते हुए अपनी मां को न केवल कांधा दिया, बल्कि पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार भी संपन्न किया। कौशल्या देवी का कोई पुत्र नहीं है. लेकिन उन्होंने अपनी पांचों बेटियों को पढ़ा-लिखाकर समाज के प्रतिष्ठित पदों तक पहुंचाया। उनके निधन के बाद बेटियों ने तय किया कि वे किसी रिश्तेदार का इंतजार करने के बजाय स्वयं अपनी मां को अंतिम विदाई देंगी। कौशल्या देवी की बड़ी बेटी नीलिमा ओहदार राजकीय मध्य विद्यालय गुमला में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं।व हीं विद्या ओहदार हजारीबाग थाना में थाना प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।त ीसरी बेटी ज्योति ओहदार योग शिक्षिका के रूप में अपना योगदान दे रही हैं। चौथी बेटी अर्चना ओहदार रेलवे में नर्स के पद पर कार्यरत हैं। वहीं सबसे छोटी बेटी अल्पना ओहदार गोड्डा में शिक्षिका के पद पर कार्य कर रही हैं। आमतौर पर ऐसी स्थितियों में किसी पुरुष संबंधी को मुखाग्नि के लिए खोजा जाता है। लेकिन इन पांचों बहनों ने अपने मजबूत कांधों पर मां के पार्थिव शरीर को मरघट तक पहुंचाया।

झारखंड में बिजली उपभोक्ताओं के लिए आज का दिन अहम

राज्य विद्युत नियामक आयोग नए बिजली दरों का करेगा ऐलान

जेबीवीएनएल ने 50-60% बढ़ोतरी का दिया है प्रस्ताव

200 यूनिट तक मुफ्त बिजली योजना जारी रहेगी

रांची। झारखंड में बिजली उपभोक्ताओं के लिए बुधवार, 25 मार्च का दिन अहम है। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग आगामी वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए नए बिजली दरों का ऐलान करेगा। आयोग झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के उस प्रस्ताव पर विचार कर निर्णय करेगा, जिसमें बिजली दरों में 50 से 60 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की मांग की गई है। अगर प्रस्ताव मंजूर होता है तो राज्य में बिजली दरें अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच सकती हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं से लेकर किसान और उद्योग जगत तक सभी प्रभावित होंगे। प्रस्ताव के मुताबिक शहरी घरेलू बिजली दर को मौजूदा 6.85 प्रति यूनिट से बढ़ाकर 10.30 प्रति यूनिट करने की मांग की गई है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर 6.70 से बढ़कर 10.20 प्रति यूनिट तक पहुंच सकती है। इसके अलावा, फिक्स्ड चार्ज में भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। शहरी उपभोक्ताओं के लिए इसे 100 से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति माह और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए 75 से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति माह करने का सुझाव दिया गया है।

हालांकि, राहत के तौर पर 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त बिजली योजना जारी रहेगी।

किसान और उद्योग भी प्रभावित

निगम के प्रस्ताव पर अमल हुआ तो बिजली दरों में प्रस्तावित बढ़ोतरी का असर केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा। औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए दर 9.10 रुपये प्रति यूनिट तय करने का प्रस्ताव है, जबकि कृषि सिंचाई के लिए मौजूदा दर 5.30 प्रति यूनिट से बढ़ाकर नौ से 10 रुपये प्रति यूनिट करने की मांग की गई है।

बढ़ोतरी के प्रस्ताव के पीछे की दलीलें

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने अपनी टैरिफ याचिका में बढ़ोतरी को उचित ठहराते हुए कई कारण गिनाए हैं। इनमें बिजली खरीद की बढ़ती लागत, पुराने पावर परचेज एग्रीमेंट्स (पीपीए) से जुड़ी वित्तीय देनदारियां, वितरण में हो रहा घाटा और नेटवर्क को मजबूत करने के लिए आवश्यक पूंजीगत निवेश शामिल हैं। कंपनी का तर्क है कि मौजूदा दरों पर संचालन करना आर्थिक रूप से टिकाऊ नहीं है, इसलिए दरों में संशोधन जरूरी हो गया है। नई दरें एक अप्रैल से प्रभावी होंगी।

सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना जा सकती हैं राज्यसभा! राजनीतिक गलियारे में सुगबुगाहट

शिबू सोरेन के निधन से खाली सीट झामुमो के कोटे की, झारखंड में दो सीटों पर होना है चुनाव

रांची,(ईएमएस)। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन का अगला ठिकाना राज्यसभा हो सकता है। राजनीतिक गलियारे में सुगबुगाहट है कि कल्पना सोरेन उच्च सदन का सदस्य बनकर झारखंड के मुद्दों को दिल्ली में उठाएंगी। हालांकि इसकी अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। गांडेय विधायक कल्पना सोरेन का राज्यसभा में जाना एक व्यक्तिगत राजनीतिक उन्नयन नहीं होगा, बल्कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और राज्य की राजनीति पर इसके कई व्यापक प्रभाव पड़ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कल्पना सोरेन को राज्यसभा भेजना पार्टी के भीतर एक नई नेतृत्व पंक्ति को स्थापित करने का संकेत होगा। इससे दिल्ली में पार्टी मजबूत होगी। हेमंत सोरेन के साथ उनका उभरता राजनीतिक कद संगठनात्मक स्थिरता और भविष्य की रणनीति को मजबूती दे सकता है। यह कदम पार्टी में परिवार और संगठन के संतुलन को भी साधेगा। राज्यसभा के जरिए से राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण में सीधी भागीदारी मिलती है। कल्पना सोरेन यदि उच्च सदन में जाती हैं तो झारखंड से जुड़े आदिवासी, भूमि, खनिज और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। इसके अलावा उनका राज्यसभा पहुंचना महिला सशक्तिकरण और आदिवासी नेतृत्व दोनों दृष्टिकोण से एक मजबूत राजनीतिक संदेश होगा। इससे झामुमो को सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व की राजनीति में बढ़त मिल सकती है। पूर्व सीएम और झामुमो के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से खाली हुई सीट झामुमो के कोटे की है। वहीं बीजेपी के राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश का कार्यकाल भी इस साल जून में खत्म हो रहा है। इस तरह राज्य की दोनों सीटों पर चुनाव होगा। विधानसभा के मौजूदा गणित के मुताबिक सत्ताधारी महागठबंधन के पास कुल 56 विधायक हैं- झामुमो (34), कांग्रेस (16), राजद (4) और भाकपा (माले) (2)। एक सीट जीतने के लिए 28 वोट की जरूरत होती है। ऐसे में गठबंधन यदि एकजुट रहता है तो दोनों सीटें आसानी से जीत सकता है। झामुमो दोनों सीटों पर दावा करेगा, प्रबल संभावना है। झामुमो नेताओं का मानना है कि राज्यसभा में झारखंड की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए झामुमो के प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। हालांकि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के रुख पर भी नजर रहेगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि अतीत में कई बार उन्होंने राज्यसभा सीटों को लेकर त्याग किया है, इसलिए इस बार एक सीट पर उनका स्वाभाविक अधिकार बनता है। असम चुनाव में सीट शेयरिंग को तालमेल नहीं होने के कारण विवाद इसे जटिल बना सकती है।

झारखंड के मौसम पर तीन पश्चिमी विक्षोभ का असर, आंधी-बारिश का येलो अलर्ट

रांची : आंधी-बारिश का दौर समाप्त होने के बाद भी बादलों की आवाजाही जारी है। कई दिनों तक आंधी, गर्जन, बारिश और ओला वृष्टि के कारण तापमान में ठंडक बरकरार है। झारखंड के धनबाद, बोकारो, गिरीडीह और जामताड़ा समेत कई जिलों में अगले दो-तीन आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। 27 और 28 मार्च को गर्जन-वज्रपात के साथ आंधी और बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। 29 को भी बादल छाए रहने के आसार हैं। मौसम विभाग रांची के अनुसार, लगातार तीन पश्चिमी विक्षोभ के कारण इस सप्ताह मौसम रंग बदलता रहेगा। वर्तमान में जम्मू व आसपास पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती घेरे के रूप में सक्रिय है। इसके बाद 26 और 28 मार्च को दो और पश्चिमी विक्षोभ मौसम को प्रभावित करेंगे। दूसरी ओर, एक चक्रवाती घेरा असम व आसपास सक्रिय है। इन मौसम प्रणालियों से पूरे मार्च बादलों की आवाजाही जारी रहने और बीच-बीच में आंधी-बारिश का अनुमान है।

30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी

26 से सक्रिय होनेवाले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से धनबाद राज्य के सभी हिस्से में गर्जन और वज्रपात की स्थिति बन सकती है। बिजली गिरने का खतरा भी हो सकता है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की भी संभावना है। ओला वृष्टि भी हो सकती है। इसके बाद 28 की रात से सक्रिय होनेवाले पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में फिर बदलाव आ सकता है।

असम विधानसभा चुनाव में जेएमएम के अकेले चुनाव लड़ने से विपक्षी गठबंधन में उबाल

आदिवासी वोटों में बिखराव का डर

रांची (ईएमएस)। असम विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने बड़ा राजनीतिक कदम उठाया है। पार्टी ने घोषणा की है कि वह आगामी 126 सदस्यीय असम विधानसभा चुनाव में 21 सीटों पर स्वतंत्र रूप से उम्मीदवार उतारेगी। जेएमएम ने अपने 21 उम्मीदवारों के नाम 9 अप्रैल को घोषित किए। यह फैसला विपक्षी गठबंधन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इससे आदिवासी वोटों का विभाजन होने का खतरा बढ़ गया है। असम कांग्रेस के नेता राकेश रंजन ने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि जेएमएम गठबंधन के हिस्से के रूप में चुनाव लड़ेगा। गौरव गोगोई और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने झारखंड जाकर जेएमएम से बातचीत की थी, लेकिन पार्टी ने अलग से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि जेएमएम के इस कदम से भाजपा विरोधी मतों में बंटवारा होगा, जिससे विपक्षी ताकतें कमजोर पड़ सकती हैं। झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि कांग्रेस ने जेएमएम को 5 से 7 सीटें देने का प्रस्ताव रखा था। इसके साथ ही उन क्षेत्रों में संगठनात्मक समर्थन देने का भी प्रस्ताव था, जहां जेएमएम अपने उम्मीदवार उतारे। कांग्रेस का उद्देश्य था कि एकजुट प्रयास के जरिए असम विधानसभा में जेएमएम का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार जेएमएम का स्वतंत्र चुनाव लड़ना असम के राजनीतिक समीकरण को बदल सकता है।

विपक्षी गठबंधन की रणनीति प्रभावित होने की संभावना है और भाजपा विरोधी वोटों का विभाजन चुनावी परिणामों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है। अब असम में आदिवासी वोटों की स्थिति और गठबंधन की मजबूती चुनावी माहौल की बड़ी चुनौती बन गई है। इस फैसले के बाद असम विधानसभा चुनाव में राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधन के समीकरण पर नजरें बनी रहेंगी।

अस्ताचलगामी सूर्य को व्रतधारियों ने दिया अर्घ्य छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

रांची : लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन मंगलवार को क्षेत्र के व्रतधारियों ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान राज्य के कई ज़िलों के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। घाटों पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा वातावरण भक्तिमय और आस्थामय हो गया।शाम ढलते ही व्रतधारी पारंपरिक वेशभूषा में सूप, दौरा और प्रसाद लेकर घाटों पर पहुंचे। विधि-विधान के साथ सूर्य उपासना की गई और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। छठी मईया के जयकारों और लोकगीतों से घाटों का माहौल गुंजायमान रहा. महिलाएं छठी मईया के गीत गाते हुए पूजा-अर्चना में लीन नजर आईं। पतरातू डैम स्थित प्रमुख छठ घाट पर मानव सेवा संस्था द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। पूरे घाट को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है, जिससे घाट की खूबसूरती देखते ही बन रही है। यहां सात घोड़ों पर सवार भगवान सूर्य देव की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई, जो लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रही।

पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से की बात

होर्मुज पर जताई चिंता

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत और अमेरिका के बीच उच्च स्तर पर अहम बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात कर क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने की जरूरत पर दोनों नेताओं ने गंभीरता से विचार किया, क्योंकि यह वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है।

अमेरिकी राजदूत की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत में पश्चिम एशिया के हालात और समुद्री सुरक्षा पर फोकस रहा। दोनों नेताओं ने माना कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना जरूरी है ताकि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब इस्राइल-ईरान तनाव के कारण क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ रही है।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

बातचीत के दौरान भारत ने तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने की जरूरत पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला, सुरक्षित और सुगम बने रहना पूरी दुनिया के लिए बेहद जरूरी है। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में स्थिरता और शांति के प्रयासों को लेकर संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई।

ट्रंप ने बातचीत का किया था दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बातचीत के एक दिन पहले दावा किया था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत हो रही है और कई मुद्दों पर सहमति बनने की स्थिति है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष समझौता चाहते हैं और अगर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ी तो कुछ ही दिनों में समाधान निकल सकता है। ट्रंप का यह भी कहना है कि बातचीत की पहल ईरान की तरफ से हुई है और अमेरिका सिर्फ उसका जवाब दे रहा है।

ईरान ने किया था सभी दावों से इनकार

हालांकि ईरान ने ट्रंप के इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया था। ईरान के शीर्ष नेताओं ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फर्जी खबरें फैलाकर तेल बाजार और वैश्विक माहौल को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। ईरान का कहना है कि जब तक उसकी शर्तें पूरी नहीं होतीं, तब तक बातचीत का कोई सवाल ही नहीं है।

पश्चिम एशिया इस समय बेहद तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच सीधा टकराव बढ़ गया है। इसमें दोनों तरफ से हमले और जवाबी कार्रवाई हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो स्थापना दिवस की जोर शोर से चल रही तैयारी

झंडा मैदान में मनाया जाएगा स्थापना दिवस : संजय सिंह

गिरिडीह : झारखंड मुक्ति मोर्चा का 53 वाँ स्थापना दिवस गिरिडीह के झंडा मैदान में आगामी 30 मार्च को धूम-धाम से मनाया जाएगा। इसको लेकर जोर शोर से तैयारी चल रही है। उक्त जानकारी झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने मंगलवार को दी। उन्होंने कहा कि झंडा मैदान में मंच और भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। जगह जगह पर तोरणद्वार, होर्डिंग पोस्टर लगाया जा रहा है। हर प्रखंड में दिवाल लेखन किया जा रहा है। बैनर पोस्टर पर्चा बांटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कई मंत्री, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेतागण भाग लेंगे। कहा कि झामुमो के संस्थापक दिशोम गुरू शीबू सोरेन के निधन का एक वर्ष भी नहीं हुआ है इसलिए पार्टी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं करने का निर्णय लिया है। जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि हर प्रखंड में बैठक का आयोजन किया जा रहा है और गांव-गांव में लोगों को बताया जा रहा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा का 53 वाँ स्थापना दिवस होली के कारण इस बार 4 मार्च को नहीं मनाया गया। इसलिए 4 मार्च के जगह 30 मार्च को स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। 30 मार्च को गिरिडीह चलें, 30 मार्च को झंडा मैदान गिरिडीह चलें । स्थापना दिवस को सफल करें, शीबू सोरेन अमर रहे, विनोद बिहारी महतो अमर रहें, टेकलाल महतो अमर रहें, जगरनाथ महतो अमर रहें, दुर्गा सोरेन अमर रहें, सालखन सोरेन अमर रहें, धनेश्वर मंडल अमर रहें ।

विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टी०बी० फोरम की बैठक आयोजित

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को किया गया सम्मानित

गिरिडीह : सदर अस्पताल सभागार में विश्व यक्ष्मा दिवस 2026 के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा उत्सव कार्यक्रम एवं जिला टी०बी० फोरम की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने की, जिसमें जिले में टीबी उन्मूलन से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों एवं सहयोगी संस्थाओं को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि यक्ष्मा (टीबी) एक गंभीर लेकिन पूर्णतः इलाज योग्य बीमारी है। सरकार का लक्ष्य टीबी मुक्त भारत बनाना है, जिसके लिए जिला स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन अभियान को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है, ताकि लोग इस बीमारी के प्रति जागरूक हों और समय पर जांच एवं उपचार करवा सकें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि टीबी मरीजों की पहचान, जांच, दवा वितरण और फॉलोअप की प्रक्रिया को और सुदृढ़ किया जाए तथा किसी भी मरीज को उपचार से वंचित न रखा जाए। उपायुक्त ने कहा कि टीबी से लड़ाई केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता जरूरी है। पंचायत प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाएं, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविका, सहिया, एएनएम और स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी से ही टीबी उन्मूलन का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने जिला टीबी फोरम की बैठक में सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को टीबी के लक्षण, जांच और उपचार के बारे में जानकारी दें।

बैठक के दौरान सिविल सर्जन द्वारा जिले में चल रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जिले में टीबी मरीजों की पहचान, निःशुल्क जांच, दवा उपलब्धता और पोषण सहायता योजना के तहत मरीजों को सहायता दी जा रही है। साथ ही, निक्षय पोषण योजना के माध्यम से मरीजों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उनके उपचार में कोई बाधा न आए। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों, सहिया, एएनएम, लैब टेक्नीशियन तथा सहयोगी संस्थाओं को सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने सभी सम्मानित कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर उनके कार्यों की सराहना की और कहा कि ऐसे कर्मियों के प्रयास से ही जिले में टीबी उन्मूलन अभियान को गति मिल रही है। उन्होंने अन्य कर्मियों को भी प्रेरित किया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें, ताकि जिले को टीबी मुक्त बनाया जा सके।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि टीबी मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और इलाज के दौरान दवा छोड़ने वाले मरीजों पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, हाई-रिस्क क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाकर संभावित मरीजों की पहचान सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जागरूकता रैली, स्वास्थ्य शिविर और ग्राम सभा के माध्यम से टीबी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए। इस अवसर पर सिविल सर्जन, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, सदर अस्पताल उपाधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, जिला टीबी फोरम के सदस्य, चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कुत्ते के काटने से छात्रा की मौत झाड़ फूंक बनी वजह

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत जारी थाना क्षेत्र के किताम गांव के शंकर साय कि इकलौती बेटी 15 वर्षीय छात्रा दीपिका कुमारी की मंगलवार को कुत्ते के काटने से मौत हो गयी। इस घटना ने पूरे इलाके में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, करीब दो माह पूर्व दीपिका स्कूल से घर लौट रही थी। तभी रास्ते में एक आवारा कुत्ते ने उसे काट लिया था। घटना के बाद परिजनों ने उसे अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक का सहारा लिया और चिकित्सीय इलाज नहीं कराया। समय के साथ उसकी तबीयत बिगड़ती गयी लेकिन फिर भी उसे उचित इलाज नहीं मिला।मंगलवार को हालत गंभीर होने पर परिजन उसे गुमला सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक डॉ असीम विक्रांत मिंज ने बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया। परिजन उसे रांची ले जा रहे थे लेकिन सदर अस्पताल गुमला के गेट के पास ही उसकी स्थिति और बिगड़ गयी और रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। मृतका की फुआ कुंती देवी ने बताया कि दीपिका के पिता मुंबई में काम करते हैं और उसकी मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। दीपिका परिवार की इकलौती बेटी थी और गांव की सातवीं कक्षा की मेधावी छात्रा थी। यह घटना एक गंभीर चेतावनी है कि कुत्ते के काटने जैसी घटनाओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

उपायुक्त ने जनता दरबार लगाकर आमजनों की समस्याएं सुनीं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

गिरिडीह : जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी शिकायतों और समस्याओं को लेकर पहुंचे। जनता दरबार में भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, बिजली, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जनहित से जुड़ी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही जांच कर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन मामलों का तुरंत समाधान संभव है, उन्हें तत्काल निपटाया जाए तथा जिन मामलों में जांच की आवश्यकता है, उनमें शीघ्र जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और बिना किसी परेशानी के मिलना चाहिए। इस अवसर पर उपायुक्त ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी सरकारी योजना से संबंधित कोई समस्या या शिकायत हो, तो वे बिना संकोच प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखें। जिला प्रशासन हमेशा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम है, जिससे समस्याओं के समाधान में पारदर्शिता और तेजी आती है। जनता दरबार में उपस्थित कई लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

धनबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले कोचों डिपो में रेलवे के आकार के अनुसार या आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार के स्टिकर और फ्लेक्स की आपूर्ति ।

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वितीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदकों "सिंगल पैकेट बिड" पर ई–निविदायें आमंत्रित है ।

i) निविदा संख्या एवं दिनांक: e-tender Notice No. MC-13-OPEN-2025-26, दिनांक 19.03.2026, **ii) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि:** धनबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले कोचों डिपो में रेलवे के आकार के अनुसार या आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार के स्टिकर और फ्लेक्स की आपूर्ति दो वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी। कार्य समापन अवधि– 02 वर्ष।, **iii) कार्य की अनुमानित लागत :** रू. 46,18,620.52 (छियालीस लाख अठारह हजार छः सौ बीस रूपये और बावन पैसे) मात्र ।, **iv) बयाना राशि:** रू. 92,400.00 (बानवे हजार चार सौ रूपये) मात्र ।, **v) ई–निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** तारीख 09.04.2026 को 17:00 बजे, ई–निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 09.04.2026 को 17.30 बजे, **vi) वेबसाईट विवरण:** https://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेल प्रबंधक
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1969/डीएचएन/सीएण्डडब्ल्यू/टी/25–26/40

रांची को मिलेगी जीरो कट बिजली

रांची। गेतलसूद डैम में सेकी के द्वारा 800 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहे 100 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगभग तैयार है। 172 एकड़ के जल क्षेत्र में फैले इस प्लांट के शुरू होने से रांची के करीब एक लाख घरों को बिना कटौती के निर्बाध बिजली मिलेगी। रांची के सांसद व केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर परियोजना की समीक्षा की। सेठ के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री ने जल्द ही इस पावर प्लांट के लोकार्पण के लिए अपनी सहमति दे दी है। सांसद संजय सेठ ने बताया कि रांची को बिजली कटौती से मुक्त करना उनका मुख्य लक्ष्य था, जो अब इस प्लांट से आपूर्ति शुरू होने के साथ ही पूरा होने जा रहा है।

होमगार्ड बहाली की नई तिथि जारी

चतरा। जिले में होमगार्ड जवानों की बहाली को लेकर शारीरिक जांच परीक्षा एवं लिखित परीक्षा की तिथि में बदलाव किया गया है। अब भर्ती प्रक्रिया 1 अप्रैल से 23 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी।पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में संशोधन करते हुए जिला प्रशासन ने नई तिथि जारी की है।इसके तहत सभी अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता जांच एवं लिखित परीक्षा शहर के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ही आयोजित की जाएगी।

उपायुक्त ने की समाज कल्याण विभाग की समीक्षा

आंगनबाड़ी निर्माण कार्यों को लेकर दिए जरूरी दिशा-निर्देश

गिरिडीह : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों, उनकी प्रगति, गुणवत्ता एवं समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि बच्चों एवं माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उपायुक्त ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र समाज के सबसे महत्वपूर्ण आधारभूत संस्थानों में से एक हैं, जहां बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और गर्भवती एवं धात्री माताओं की देखभाल की व्यवस्था की जाती है। ऐसे में इन केंद्रों का निर्माण मजबूत, सुरक्षित और सुविधाजनक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रखंडवार आंगनबाड़ी भवन निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और जिन प्रखंडों में कार्य धीमी गति से चल रहा है, वहां के संबंधित पदाधिकारियों से कड़े शब्दों में निर्देशित किया जल्द से जल्द निर्माण कार्य को पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य लंबित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और हर सप्ताह प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि सभी आंगनबाड़ी भवनों में शौचालय, पेयजल, रसोईघर, बच्चों के बैठने की व्यवस्था, खेल सामग्री और स्वच्छ परिसर सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा भवन निर्माण में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया। उन्होंने संबंधित अभियंताओं और एजेंसियों को निर्देश दिया कि निर्माण स्थल पर नियमित निरीक्षण करें और कार्य की गुणवत्ता बनाए रखें। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्य में पारदर्शिता बनाए रखते हुए समय-समय पर फील्ड विजिट कर स्थिति का जायजा लिया जाए। बैठक में पोषण ट्रैकर, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण, गर्भवती महिलाओं की देखभाल और अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
CIN – U40108JH2013-SGC001702)
Office Of The Electrical Superintending Engineer
Electric Supply Circle, 33/11 KV P/S/S, Daridih, Giridih, Pin- 815302
GSTIN No.- 20AADCJ3148ADZ1, E-mail ID- ese.escgiridih@gmail.com

Corrigendum
Under NIT No.- 430/PR/JBVNL/2025-26

With reference to this Office Short Tender Notice No. – 430/PR/JBVNL/2025-26 (R/M of interior surface and its painting works of Electric Supply Sub-division office building Tisri under Electric Supply Circle, Giridih) for Civil Works under ESC, Giridih duly published in news paper on 18.03.2026, the Date & Time for opening of Tender (Part-1) may be read as **01.04.2026** in place of 31.03.2026.

Other terms and conditions will remain the same.

PR No. 375334

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
Electrical Superintending Engineer
ESC, Giridih

PR 375952 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26).D

कार्यालय,
धनबाद नगर निगम, धनबाद
टोल फ्री नं० :-18008904160 ई-मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

पत्रांक – 864 दिनांक – 20.03.2026

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि धनबाद नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत स्थित सैरातों / पार्किंग स्थलों का बन्दोबस्ती दिनांक 30.03.2026 समय अपराहन् 12.00 बजे से अपराहन् 04.00 बजे तक (Auto Extension 8 minutes का) MSTC Ltd. के पोर्टल के माध्यम से Online Bidding किया जाना है। MSTC Ltd. से पंजीकृत एवं EMD जमा किये प्रतिभागी Online Bidding में भाग ले सकते है।

वित्तिय वर्श 2026–2027 के लिए कुल 08 सैरातों का बन्दोबस्ती Online Bidding के माध्यम से किया जाना है। इच्छुक प्रतिभागी नीचे दिये गये लींक पर https://www.mstcecommerce.com या मो0 नं0–7411651015 पर संर्पक कर अधिक जानकारी ले सकते है।

अपर नगर आयुक्त,
धनबाद नगर निगम

PR 375939 Urban Development and Housing (25-26)_D

झारखण्ड सरकार
अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धनबाद
दूरभाष : 0326-2230352(O), 9431120164(M) Email: superintendentsnmmch@gmail.com

पत्रांक :– 474/SNMMCH दिनांक :– 24.03.2026

ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से हड्डी रोग विभाग में Ortho Reamer Set के क्रय आपूर्ति यथावाश्यक अधिष्ठापन हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत ONLINE निविदा आमंत्रित किया गया है जिसका Gem Bid No,.- Gem/2026/B/7305685 है। ई–निविदा को www.Gem.gov.in पर देखी तथा इच्छुक संवेदक द्वारा भाग ली जा सकती है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 08.04.2026 को संध्या : 01:00 बजे अपराह्न तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल,धनबाद

PR 375932 Health Med Edu and Family Welfare(25-26).D

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं० : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांक :– 305 धनबाद / दिनांक– 24.03.2026

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0– निविदा सूचना संख्या – **34/2025-26/RDSD/EE/Dhanbad/2nd Call**

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:–

क्र0 सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	बाघमारा प्रखण्ड के महुदा पंचायत अन्तर्गत मुरलीडीह 20/21 में ढक्कन सहित नाली निर्माण।	9.05100	परिमाण विपत्र की राशि 2%	1250.00	2 महीना
2.	बाघमारा प्रखण्ड के पदुगोडा पंचायत अन्तर्गत मुख्य सड़क से रान दास के घर तक नाली निर्माण।	9.05100	परिमाण विपत्र की राशि 2%	1250.00	2 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –01.04.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 01.04.2026 से दिनांक 08.04.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 10.04.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 बेनीलाल मंराडी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7061981397 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. Office Help Line No. 9835146652
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. जिस संवेदक का इस प्रमंडल में पूर्व से आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोषजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR 375946 REO (25-26)_D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं0 : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांक:– 307 धनबाद / दिनांक– 24.03.2026

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0– निविदा सूचना संख्या – **36/2025-26/RDSD/EE/Dhanbad/3rd Call**

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:–

क्र0 सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	Construction of "E.G.S./I.C.D.S. Centre (Anganwadi) Building at Chouhan Tola Godhur (प्राथमिक विद्यालय, गन्साडीह) Under Dhanbad Sadar Block, Dist. : Dhanbad.	19.73700	परिमाण विपत्र की राशि 2%	5000.00	4 महीना
2.	Construction of "E.G.S./I.C.D.S. Centre (Anganwadi) Building at Mainachapri, Under Baghmara Block, Dist. : Dhanbad.	19.73700	परिमाण विपत्र की राशि 2%	5000.00	4 महीना
3.	Construction of "E.G.S./I.C.D.S. Centre (Anganwadi) Building at Hariharpur Under Baghmara Block, Dist. : Dhanbad.	27.54400	परिमाण विपत्र की राशि 2%	5000.00	6 महीना
4.	Construction of "E.G.S./I.C.D.S. Centre (Anganwadi) Building at Lathatad Under Baghmara Block, Dist. : Dhanbad.	27.54400	परिमाण विपत्र की राशि 2%	5000.00	6 महीना
5.	Construction of "E.G.S./I.C.D.S. Centre (Anganwadi) Building at Bokapahari Under Jharia, Dist. : Dhanbad.	27.54400	परिमाण विपत्र की राशि 2%	5000.00	6 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –01.04.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 01.04.2026 से दिनांक 08.04.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 10.04.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 बेनीलाल मंराडी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7061981397 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. Office Help Line No. 9835146652
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. जिस संवेदक का इस प्रमंडल में पूर्व से आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोषजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR 375948 REO(25-26)#D

शक्ति मन्दिर में चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर छठे दिन मातारानी ने भक्तों को कात्यानी मां के रुप में दर्शन दिए

धनबाद। आज शक्ति मन्दिर में चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर छठे दिन मातारानी ने भक्तों को कात्यानी मां के रुप में दर्शन दिए। शक्ति मन्दिर में मातारानी का लाल वस्त्रों से भव्यश्रृंगार एवं फूलों से दरबार सजाया गया था। मातारानी को आज कमिटी एवं सेवादार दल के सदस्यों ने भोग प्रसाद लगाया। चैत्र नवरात्र के यजमान अशोक अरोड़ा एवं धर्मपत्नी पूजा अरोड़ा हैं पूजन पण्डित मुकेश पाण्डेय द्वारा करवाया जा रहा है। भक्तों के लिए आरती की विशेष व्यवस्था मन्दिर के पिछे प्रांगण में की गई है जहां "हाथों में ले के दीया करें मां की आरती" में आज भक्तों की अच्छी भीड़ उमड़ी। आरती के लिए दीया की व्यवस्था मन्दिर कमिटी द्वारा की गई है साथ ही एक बडी एल ई डी स्क्रीन लगाई गई है

जिसमें भक्त आरती का आनन्द उठा रहे ,यह व्यवस्था नवमी तक है। मन्दिर कमिटि, प्रबन्धन समिति, महिला, पुरुष सेवादार भक्तों की सेवा में लगे हुए है। कल नौ भक्त परिवारों के द्वारा भोग प्रसाद लगाया जाएगा। पूरी पूजन व्यवस्था में सर्वश्री पण्डित राधेश्याम पाण्डे, सन्तोष पाण्डे, जमुना पाण्डे भक्तों की सुविधा के लिए सचिव अरूण भण्डारी,उपाध्यक्ष राजीव सचदेवा, साकेत साहनी, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र अरोड़ा,सह कोषाध्यक्ष दिनेश पुरी, राहुल भण्डारी, रूप किशोर टंडन, सोमनाथ पृथी, राकेश आनन्द, कानव बाली, दीपक चोपड़ा, जितेन मेनन, निरंजन चौटाली या, अशोक भसीन, कार्यालय व्यवस्था प्रबंधक ब्रजेश मिश्रा, गौरव अरोड़ा, जीतेन्द्र मालाकार। विशेष व्यवस्था - "हाथों में लेके दीया करें मां की आरती" पुष्पांजलि के साथ। मंदिर कमिटी द्वारा सभी भक्तों के लिए दीपक बाती एवं पुष्पों की व्यवस्था की गई ये व्यवस्था नवमी तक ही है।

डैफोडिल्स स्कूल ,करकेंद में गुलाब देकर छात्र-छात्राओ को किया स्वागत

धनबाद : मंगलवार को डैफोडिल्स एकेडमी स्कूल , करकेंद में वग षष्ठम से वर्ग नवम तक के लगभग 110 छात्र-छात्राओं को नए सत्र ,सत्र-2026-27 के प्रथम दिन अत्यंत हर्षोलास के साथ विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। सर्वप्रथम विद्यालय शिक्षिका सुमन सिंह एवं मिताली चटर्जी द्वारा माता वागेश्वरी की वंदना तथा स्वागत -गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के संस्थापक महान शिक्षाविद स्वर्गीय चंडी बनर्जी , गणित शिक्षक पुटकी उच्च विद्यालय, पुटकी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया गया । विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी ने सभी विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की मंगल कामना की। इस हर्षमय मौके पर उपस्थित छात्र- छात्राओं को गुलाब का फूल चॉकलेट तथा अल्पाहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। उपस्थित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बारी -बारी से छात्र-छात्राओं को आशीर्वचनों के माध्यम से उज्जवल एवं सुखद भविष्य की मंगलकामना की।विद्यालय के प्राचार्य , तापस बनर्जी ने अपने सारगर्भित एवं ओजस्वी संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियो को अनुशासन, विनम्रता एवं अध्ययनशीलता का संदेश प्रेषित किया । कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया ।

चौकीदार ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी योगदान के साथ किया रक्तदान

पाकुड़ः अंचल कार्यालय, पाकुड़ में एक नव-नियुक्त चौकीदार ने अपने कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही सामाजिक सरोकार का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। यह प्रेरणादायक पहल डीसी मनीष कुमार के प्रोजेक्ट जागृति अभियान से प्रेरित होकर की गई, जिसके तहत जिले में नियमित रूप से रक्तदान को बढ़ावा दिया जा रहा है।योगदान के उपरांत संबंधित चौकीदार ने रक्त अधिकोष में रक्तदान कर मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। इस सराहनीय कार्य पर डीसी ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक प्रेरक पहल है, जो समाज के अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करेगी। डीसी ने कहा, "जब कोई व्यक्ति अपने जीवन की नई शुरुआत के साथ समाज कल्याण के लिए रक्तदान करता है, तो यह कार्य जीवनभर यादगार बन जाता है। रक्तदान के माध्यम से हम किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।"इस अवसर पर डीसी द्वारा रक्तदान करने वाले चौकीदार को प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।वही अंचलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस पहल की सराहना की।

ओडिशा स्टेट प्रोडक्टिविटी काउंसिल प्रतियोगिता-2026 में बोकारो इस्पात संयंत्र का शानदार प्रदर्शनः पांच पुरस्कारों पर किया कब्जा

बोकारो। इस्पात संयंत्र की विभिन्न टीमों ने 'ओडिशा स्टेट प्रोडक्टिविटी काउंसिल (OSPC) प्रतियोगिता-2026' में पांच प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर संयंत्र का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के पश्चात आज दिनांक 24 मार्च 2026 को विजेता टीम के सदस्यों ने निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन से भेंट कर इस प्रतियोगिता से संबंधित अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) श्री प्रदीप कुमार वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) श्री गुलशन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम–III) श्री राजेश कुमार झा, महाप्रबंधक (आईईडी) श्री धीरज कुमार चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे।गौरतलब है कि "क्लस्टर्स ऐज़ ग्रोथ इंजनः मैक्सिमाइजिंग प्रोडक्टिविटी" विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में बीएसएल की टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ओएसपीसी द्वारा आयोजित इस स्पर्धा में सीआरएम-III की टीम (वरीय प्रबंधक श्री प्रशांत कुमार सिंह एवं उप प्रबंधक श्री कुणाल अमेता) तथा ब्लास्ट फर्नेस की टीम (वरीय प्रबंधक श्री सचिन शर्मा एवं वरीय प्रबंधक श्री सुनील बंदूनी) ने सर्वोच्च "5-स्टार" रेटिंग प्राप्त की। इसके अतिरिक्त, हॉट स्ट्रिप मिल की प्रथम टीम (उप प्रबंधक श्री विशाल सोलंकी) एवं ईएमडी विभाग की टीम (वरीय प्रबंधक श्री अमितेश राज एवं प्रबंधक श्री हरेंद्र प्रताप सिंह यादव) को "4-स्टार" रेटिंग तथा हॉट स्ट्रिप मिल की दूसरी टीम (वरीय प्रबंधक श्री अंजनी कुमार सिन्हा एवं उप प्रबंधक श्री तरुण अग्रवाल) को "3-स्टार" रेटिंग से सम्मानित किया गया।निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके नवाचार और परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मंचों पर ऐसी उपलब्धियां संयंत्र की तकनीकी श्रेष्ठता को सिद्ध करती हैं। अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त ने भी टीम के प्रयासों को प्रोत्साहित करते हुए विजेताओं को बधाई दी। इस आयोजन का समन्वय इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया। यह उपलब्धि बोकारो इस्पात संयंत्र की उत्पादकता बढ़ाने और वैश्विक मानकों के अनुरूप औद्योगिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है। विजेताओं का यह सम्मान न केवल अन्य कार्मिकों को प्रेरित करेगा, बल्कि यह निरंतर सुधार और गुणवत्ता के प्रति संयंत्र की अटूट प्रतिबद्धता को भी और अधिक सशक्त बनाएगा।

"विश्व युवा सांसद" कार्यक्रम में झारखंड की कला एवं संस्कृति पर नृत्य को किया आकर्षित

धनबाद । विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने "विश्व युवा सांसद" 2026" के प्रथम दिन के कार्यक्रम झारखंडी में झारखंड की कला एवं संस्कृति पर नृत्य एवं संवाद प्रस्तुत कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है । यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय बेंगलुरु में दिनांक 24 मार्च से 26 मार्च तक आयोजित है । इस कार्यक्रम में 300 से भी अधिक देश भर के स्वयं सेवकों ने भाग लिया है ।पूरे झारखंड से 4 स्वयंसेवकों का चयन बीबीएमकेयू एवं 02 स्वयं सेवकों का चयन चतरा कॉलेज विनोबा भावे से किया गया है . इस पूरे टीम के द्वारा बेहतरीन प्रस्तुति के लिए कुलपति डॉ.रामकुमार सिंह एवं छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ पुष्पा कुमारी ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी है । बेरमो के प्राध्यापक डॉ प्रभाकर कुमार के नेतृत्व में स्वयं सेवक बेहतरीन प्राफोमन्स कर रहे है । डॉ शर्मिला रानी प्राचार्य एसएसएलएनटी, डॉ रंजना दास प्राचार्या गुरुनानक कॉलेज ने भी शुभकामनाएं दी है । उत्कर्षा चौधरी एसएसएलएनटी कॉलेज, गौरी चमारीया गुरुनानक कॉलेज,संदीप रविदास एवं देवशरण महतो दोनों स्नातकोत्तर विभाग ,अनिशा खलको ,सुजीत कुमार दोनों चतरा कॉलेज से है । यह सूचना समन्वयक डॉ . मुकुंद रविदास ने दी है ।

रामनवमी पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

दुमकाःरामनवमी पर्व के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने हेतु इंडोर स्टेडियम में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, अखाड़ा समिति के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के सभी थानों में शांति समिति की बैठकें संपन्न कर ली गई हैं जिसमें जिला स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया हैं। प्रशासन द्वारा विधि-व्यवस्था संधारण एवं पर्व के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जिले में आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द की परंपरा निरंतर बनी रहे, इसके लिए हम सभी का सहयोग और सजग सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में तैनात दंडाधिकारी जुलूसों पर सतत निगरानी रखेंगे। सभी जुलूसों की निगरानी ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाएगी ।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि डीजे के उपयोग एवं झंडों के आकार को लेकर सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अखाड़ा समितियां अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने सभी से अपील किया कि रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।उन्होंने कहा कि सभी जुलूसों में दंडाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी। अखाड़ा समितियों से प्रशासन को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया। जुलूस मार्गों का पूर्व सत्यापन करते हुए निर्धारित मार्ग पर ही जुलूस निकालने का निर्देश दिया गया।बैठक में विभिन्न विभागों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को जुलूस मार्गों पर सभी बिजली तारों की जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर परिषद को पेयजल की समुचित व्यवस्था, साफ-सफाई बनाए रखने तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने एवं अलर्ट मोड में रहने को कहा गया। अग्निशमन विभाग को भी अपने वाहनों को एक्टिव मोड में रखने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई। आम नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या सूचना कंट्रोल रूम के माध्यम से जिला प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं।पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि 27 मार्च को तथा कुछ स्थानों पर 28 मार्च को भी जुलूस निकाले जाने की सूचना है। उन्होंने सभी लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से जुलूस निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार सभी लोग मिल-जुलकर पर्व मनाएं तथा जुलुस के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखें।

बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता हेतु विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण

बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त के मार्गदर्शन में दिनांक 24 मार्च 2026 को संयंत्र परिसर में सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशाल मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। यह श्रृंखला प्लांट प्लाजा रोड पर सीआरएम–III विभाग से आरंभ होकर प्लांट प्लाजा गोलचक्कर तक बनाई गई, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुरक्षा के प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के बीच सुरक्षा के प्रति सजगता बढ़ाना और 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य को प्राप्त करना था।

इस व्यापक सुरक्षा अभियान में संयंत्र के विभिन्न उत्पादन एवं सेवा विभागों के साथ-साथ प्रोजेक्ट्स विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान संयंत्र के विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ सभी विभागीय सुरक्षा अधिकारी (डीएसओ) तथा सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला में शामिल होकर सड़क सुरक्षा और कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुपालन की शपथ ली। प्रतिभागियों ने इस सामूहिक गतिविधि के माध्यम से यह संदेश दिया कि सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे प्रत्येक कार्मिक को अपनी दैनिक कार्यशैली में आत्मसात करना चाहिए।

यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने और कार्मिकों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सामूहिक सहभागिता के माध्यम से दिया गया यह सुरक्षा संदेश न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने में सहायक होगा, बल्कि यह सुरक्षित उत्पादन और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति बीएसएल की निरंतर प्रतिबद्धता को भी सशक्त रूप से रेखांकित करता है।

बीजीएच में स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं द्वारा 'स्वच्छता जागरूकता' पर नुक्कड़ नाटक का मंचन

बोकारो ।इस्पात संयंत्र के बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) परिसर में स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं द्वारा स्वच्छता जागरूकता पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल के कर्मचारियों को सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए जागरूक करना था।छात्राओं ने अपनी जीवंत प्रस्तुति और कलात्मक अभिनय के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण के घातक प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया।

नाटक के जरिए यह संदेश दिया गया कि कैसे छोटे-छोटे सार्थक प्रयास, जैसे प्लास्टिक का त्याग और कूड़े का सही प्रबंधन, व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छात्राओं के इस रचनात्मक प्रयास को वहाँ उपस्थित दर्शकों और अस्पताल कर्मियों द्वारा काफी सराहा गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बी.बी. करुणामय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिंदा मंडल एवं डॉ. इंद्रनील चौधरी तथा सहायक महाप्रबंधक (अस्पताल प्रशासन) श्रीमती कैरोल शर्मा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या, संकाय सदस्य और अस्पताल के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

एसबीआई आरसेटी के राजमिस्त्री प्रशिक्षण का डीसी ने किया निरीक्षण

पाकुड़ः मंगलवार को सदर प्रखंड के सोनाजोड़ी स्थित भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), पाकुड़ द्वारा संचालित ग्रामीण राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण डीसी मनीष कुमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं एवं युवाओं से संवाद कर उनके अनुभवों की जानकारी ली तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता का अवलोकन किया। इस अवसर पर डीसी ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण न केवल रोजगार के अवसर सृजित करता है, बल्कि समाज के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का व्यवहारिक जीवन में उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रेरित किया कि वे अपने अनुभवों एवं सीख को अन्य लोगों के साथ साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो सकें। डीसी ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। यदि प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को समर्पण एवं मेहनत के साथ अपनाया जाए, तो यह न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा देगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएगा। उन्होंने आरसेटी, पाकुड़ को अपने वार्षिक लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया।इस दौरान आरसेटी, पाकुड़ के निदेशक राजेश कुमार मिश्रा ने डीसी द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

आयुष हर्बल गार्डन का उद्घाटन, जागरूकता रथ को दिखाई गई हरी झंडी

औषधीय पौधों के संरक्षण एवं आयुष पद्धति के प्रसार की दिशा में महत्वपूर्ण पहलः- उपायुक्त

पाकुड़ः समाहरणालय परिसर में मंगलवार आयुष विभाग की पहल पर स्थापित आयुष हर्बल गार्डन का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर हर्बल गार्डन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक द्वारा आयुष जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ जिलेभर में भ्रमण कर आमजन को आयुष चिकित्सा पद्धतियों, योग एवं औषधीय पौधों के महत्व के प्रति जागरूक करेगा।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आयुष हर्बल गार्डन की स्थापना एक सराहनीय पहल है, जो लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा एवं औषधीय पौधों के प्रति जागरूक करेगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व बढ़ रहा है और आयुष प्रणाली इसके लिए एक सशक्त माध्यम है। उपायुक्त ने कहा कि हर्बल गार्डन के माध्यम से लोगों को औषधीय पौधों की उपयोगिता, उनके संरक्षण एवं उनके दैनिक जीवन में उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगा। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग एवं आयुष पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि वे इस जागरूकता अभियान से जुड़कर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

जिला आयुष पदाधिकारी डॉ विपिन चंद्र गुप्ता ने कहा कि हर्बल गार्डन के माध्यम से आमजन को औषधीय पौधों की पहचान, उपयोगिता एवं उनके संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुष विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सुजीत कुमार चौहान, डॉ. सौरभ विश्वास, डॉ. कुलेश कुमार, योग प्रशिक्षक, जगरनाथ दास, मिथुन, गणपत एवं अन्य आयुष कर्मी उपस्थित रहे।

रामनवमी पर्व को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग सख्त, दुकानों का औचक निरीक्षण

अखाद्य सामग्री मिलने पर नोटिस, नमूने जांच हेतु भेजे गए

पाकुड़ः रामनवमी पर्व के मद्देनजर आमजनों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार व पणन सचिव संजय कच्छप द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किराना दुकानों, मिठाई दुकानों एवं जलेबी दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सभी दुकानदारों को उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, मिठाई एवं मसालों की ही बिक्री सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया गया। जांच के क्रम में भगतपाड़ा स्थित एक राजस्थानी जलेबी दुकान में अखाद्य रंग का उपयोग पाया गया, जिस पर संबंधित दुकानदार को कड़ी चेतावनी देते हुए नोटिस जारी किया गया। वहीं, हाटपाड़ा एवं हरिणडांगा बाजार स्थित किराना दुकानों से सरसों तेल के कुल चार नमूने लिए गए, जबकि दीदी कैफे से भी एक नमूना संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया।हरिणडांगा बाजार स्थित जाय बंगला मिठाई दुकान की साफ- सफाई संतोषजनक पाई गई, वहीं कृष्ण स्वीट्स में पनीर प्रथम दृष्टया गुणवत्ता के अनुरूप पाया गया। इसके अतिरिक्त दीदी कैफे का साफ -सफाई स्तर भी संतोषजनक पाया गया। रेल फाटक न्यू मार्केट स्थित एक किराना दुकान में एक्सपायर्ड नीमकी पाए जाने पर उसे मौके पर ही नष्ट कराते हुए दुकानदार को कड़ी चेतावनी दी गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध FSS Act 2006 की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह जांच अभियान आमजनों को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा त्योहार के दौरान मिलावटखोरी पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

जिलेभर में गैस उपलब्धता को लेकर बैठक

पाकुड़ः डीसी द्वारा जिले में गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्तमान में गैस की आपूर्ति निर्बाध एवं सुचारू रूप से की जा रही है तथा कहीं से किसी प्रकार की कमी या व्यवधान की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

डीसी ने कहा कि आम उपभोक्ताओं को गैस वितरण प्रणाली में पारदर्शिता एवं सुविधा सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन माध्यम का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील किया कि गैस बुकिंग तथा डिलीवरी के समय निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए डिलीवरी एक्सेप्टेंस कोड (DAC) के माध्यम से ही गैस प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि गैस वितरण की पूरी प्रक्रिया नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है और इसमें किसी प्रकार की अवैध हस्तक्षेप या बाधा स्वीकार्य नहीं होगी। डीसी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति कानून को अपने हाथ में लेकर गैस वितरण में अवरोध उत्पन्न करता है या जबरन हस्तक्षेप करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गैस आपूर्ति व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करें।

खिलाड़ियों के बीच खेल किट का वितरण

पाकुड़ः समाहरणालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान खेलो इंडिया सेंटर के 15 बालक एवं 15 बालिकाओं के बीच खेल किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि त्रिवेदी उपस्थित रहीं।इस अवसर पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा खिलाड़ियों को ट्रैकसूट, जूता, डबल टी-शर्ट, रनिंग टी-शर्ट, बैग, टोपी एवं मोजा सहित खेल किट प्रदान किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि वे अपनी प्रतिभा के बल पर जिले एवं राज्य का नाम रोशन करें।

पुलिस अधीक्षक निधि त्रिवेदी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल से आत्मविश्वास, अनुशासन एवं मानसिक मजबूती का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया।कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला खेल समन्वयक विवेक रजक, खेलो इंडिया के प्रशिक्षक अक्षय बावड़ी सहित अन्य पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सीएम नीतीश के चौथी बार जदयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर प्रदेश अध्यक्ष ने दी बधाई

पटना, (ईएमएस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चौथी बार जद(यू) का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बयान जारी कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल के लिए अनंत शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जदयू के सर्वमान्य नेता हैं। उन्होंने अपने खून-पसीने से पार्टी को सींचने का कार्य किया है और उनके नेतृत्व में ही पार्टी ने शून्य से शिखर तक का ऐतिहासिक सफर तय किया है। सुशासन, विकास और सामाजिक न्याय की जिस मजबूत धारा को उन्होंने स्थापित किया है, वह आज पूरे देश के लिए एक मिसाल बन चुकी है। उनके मार्गदर्शन में कार्य करना प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। उमेश सिंह कुशवाहा ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व और कुशल मार्गदर्शन में जद(यू) बिहार सहित पूरे देश में सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा। साथ ही 'न्याय के साथ विकास' के संकल्प को और अधिक मजबूती एवं गति प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार का विशाल राजनीतिक अनुभव, जनहित के प्रति समर्पण और सेवा-आधारित सार्वजनिक जीवन लाखों कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मुख्यमंत्री का नया कार्यकाल संगठन को नई ऊर्जा, नई दिशा और नए अवसर प्रदान करेगा तथा पार्टी को सफलता की नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

वंदे भारत की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल युवक की मौत

पटना, (ईएमएस)। मंगलवार सुबह बिहार के पटना जिले के बाढ़ रेलवे स्टेशन पर हुई एक दर्दनाक रेल हादसा में एक युवक की मौत हो गई। बताया गया है कि पटना से हावड़ा जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन तेज गति से प्लेटफार्म संख्या 2 के पश्चिमी छोर से गुजर रही थी और इस ट्रेन का बाढ़ स्टेशन पर ठहराव नहीं है, इसलिए यह बिना रुके ही वहां से निकल रही थी। इसी दौरान एक युवक किसी कारणवश रेलवे ट्रैक के पास चला गया। बताया जा रहा है कि वह खैनी मुंह से बाहर फेंकने के लिए ट्रैक की ओर झुका था। उसी समय अचानक तेज रफ्तार में आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में वह आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद लोगों ने रेल पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची रेल थाना बाढ़ की पुलिस टीम ने घायल युवक को बाढ़ अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। उस समय उसकी हालत बेहद नाजुक थी और डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज शुरू किया। लेकिन डॉक्टरों ने युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल) रेफर करने की तैयारी शुरू कर दी थी। मगर इसी दौरान उसकी हालत और बिगड़ गई और इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई। फ़िलहाल युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस शव की पहचान करने की कोशिश कर रही है और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

बिजली विभाग की लापरवाही से गई लाइनमैन की जान,जेई की ग्रामीणों के कर दी पिटाई

सीतामढ़ी,(ईएमएस)। बिहार के सीतामढ़ी जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बिजली विभाग की घोर लापरवाही ने एक लाइनमैन की जान ले ली। विभाग में कार्यरत लाइनमैन बिंदेश्वर शाह की करंट लगने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल मृतक शाह बिजली के तार और ट्रांसफार्मर की मरम्मत करने के लिए खंभे पर चढ़े थे। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने काम शुरू करने से पहले नियमानुसार शटडाउन लिया था। इसके बावजूद, मरम्मत कार्य के दौरान ही अचानक बिजली सप्लाई शुरू कर दी गई। करंट की चपेट में आते ही युवक खंभे से झुलस कर नीचे गिर गया और उसकी मृत्यु हो गई। इस हादसे की खबर फैलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। जब विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) घटनास्थल पर पहुंचे, तब भीड़ बेकाबू हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में भीड़ ने जेई को पकड़कर जमकर पिटाई लगा दी पुलिस जेई को बचाने की कोशिश करती रही, लेकिन उग्र ग्रामीणों ने उन्हें पुलिस की गिरफ्त से छीन लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराने की कोशिश की है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि शटडाउन के बावजूद लाइन चालू होने के कारणों की गहन जांच की जाएगी और जो भी कर्मचारी या अधिकारी इस लापरवाही का दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जंगली हाथियों द्वारा फसल एवं संपत्ति नुकसान पर पीड़ितों के बीच वन विभाग की ओर से मुआवजे का वितरण

गिरिडीह : पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर वन क्षेत्र पदाधिकारी गिरिडीह द्वारा करहरबारी एवं जीतपुर पंचायत के प्रभावित ग्रामीणों को हाथी द्वारा फसल एवं संपत्ति क्षति के एवज में मुआवजा राशि वितरित की गई। इस दौरान वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से संवाद कर वन्यजीव संरक्षण

के प्रति जागरूक किया तथा हाथियों से सुरक्षित रहने के उपाय बताए। अधिकारियों ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना विभाग की प्राथमिकता है और भविष्य में भी पीड़ितों को समय पर सहायता दी जाएगी। ग्रामीणों ने मुआवजा प्राप्त कर संतोष जताया और वन विभाग के प्रयास की सराहना की। जीतपुर पंचायत के कार्यक्रम में मुखिया बीरबल मंडल, प्रभारी वनपाल रोहित कुमार एवं उप परिसर पदाधिकारी सिकंदर पास उपस्थित रहे। वहीं करहरबारी पंचायत में मुखिया सहारा खातून एवं प्रभारी वनपाल रोहित कुमार ने पीड़ितों को मुआवजा ड्राफ्ट सौंपे गए।

गाण्डेय फायरिंग मामले का हुआ खुलासा, एक गिरफ्तार, हथियार बरामद

गिरिडीह : गिरिडीह पुलिस ने गांडेय थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से देसी पिस्टल, मैगजीन और जिंदा गोली सहित अन्य सामान भी बरामद किया है। इसकी जानकारी गिरिडीह एसपी डॉक्टर बिमल कुमार ने प्रेस वार्ता करके दी। गौरतलब है कि, 23 मार्च 2026 की शाम करीब 5:30 बजे गांडेय थाना क्षेत्र के एक गांव में गोली चलने की घटना हुई थी। इस दौरान टिकम मरांडी नाम के व्यक्ति के पेट में गोली लग गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद पुलिस ने गांडेय थाना कांड संख्या 12/26 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया और टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर आरोपी जवाहर मरांडी उर्फ छोटका (पिता-स्व. नारायण मरांडी, ग्राम- जामबाद, थाना- मुफस्सिल) को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस को तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन, 7.65 एमएम की एक जिंदा गोली तथा एक खोखा बरामद किया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में गांडेय थाना कांड संख्या 13/26 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं में भी प्राथमिकी दर्ज की है। इस कार्रवाई में एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक सहित गांडेय, मुफस्सिल और अन्य थाना प्रभारियों की अहम भूमिका रही।

चैती छठ में दिखी लोगों की आस्था

अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पण

गिरिडीह : लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा के तीसरे दिन मंगलवार को अरगाघाट समेत विभिन्न छठ घाटों पर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पण किया गया।इस मौके पर सभी घाटों पर आस्था का जनसैलाब देखने को मिला। इसके साथ ही शहरी क्षेत्र के अरगाघाट छठ घाट, दीनदयाल छठ घाट, सिहोडीह छठ घाट, शिव शक्ति घाट, बरगंडा स्थित आमघाट, शास्त्री नगर स्थित अमित बरदियार छठ घाट प्रोफेसर कॉलोनी छठ घाट पर श्रद्धालुओं द्वारा भगवान सूर्य देव को दूध और जल का अर्घ्य अर्पण किया गया। इस दौरान छठ को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। बता दे कि यह पर्व रविवार को नहाय खाय के साथ शुरू हुआ था। सोमवार को पूरी निष्ठा के साथ खरना विधान संपन्न हुआ। खरना का महा प्रसादी ग्रहण करने के बाद छठ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास भी शुरू हो गया था। आज पूरे विधि विधान के साथ डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया। बुधवार की सुबह उदयीमान भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पर्व का समापन होगा। इस दौरान छठ घाटों पर साफ-सफाई भी पूरी तरह से देखने को मिली। वहीं व्रतियों के कपड़ा बदलने के लिए व्यस्था किया गया था। वहीं जगह जगह सजावट भी देखने को मिला। कुल मिलाकर छठ महापर्व में लोग भक्ति में पूरी तरह से लीन नज़र आए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में भव्य रूप से मनाई जाएगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

- बाबा साहेब की जयंती की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने की बैठक

- बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में भाजपा के कई दिग्गज नेता भी करेंगे शिरकत

पटना, (ईएमएस)। बिहार भाजपा आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाएगी। इस मौके पर प्रदेश कार्यालय में एक भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा।

बाबा साहेब की जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय पटना में एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने की। इस बैठक में बिहार के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री सह एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लखेन्द्र पासवान और भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसनिया भी उपस्थित रहे। इस बैठक में संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। बैठक में 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती को भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रणनीति पर चर्चा की गई और बैठक में कार्यक्रम को लेकर कार्ययोजना भी बनाई गई।

इस समारोह को सफल बनाने के लिए एससी मोर्चा के कई पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इस जयंती समारोह में भाजपा के कई दिग्गज नेता भी शामिल होंगे। बैठक में कहा गया कि डॉ आंबेडकर के विचार समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार व सम्मान दिलाने की प्रेरणा देते हैं। इसलिए उनकी जयंती को व्यापक रूप से मनाना आवश्यक है। उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

प्रखंडों में मॉडल स्कूल से होगी शिक्षा में क्रांतिः हिमराज राम

पटना, (ईएमएस)। जद (यू0) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल की जा रही है। राज्य के सभी 534 प्रखंडों में मॉडल स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे अब उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की मजबूत तैयारी का मार्ग गाँव-गाँव और प्रखंड-प्रखंड तक पहुंचेगा। यह कदम केवल स्कूल खोलने भर की योजना नहीं है, बल्कि बिहार के विद्यार्थियों के सपनों को दिशा देने और उन्हें अवसरों से जोड़ने का एक सशक्त संकल्प है। इन मॉडल स्कूलों के माध्यम से लगभग 25 हजार विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन विद्यालयों में 9वीं कक्षा से ही छात्रों को जेईई, नीट तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण तैयारी कराई जाएगी। अब बिहार के बच्चों को बड़े शहरों या महंगे कोचिंग संस्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें अपने ही प्रखंड स्तर पर बेहतर शैक्षणिक वातावरण और प्रतिस्पर्धी तैयारी की सुविधा उपलब्ध होगी। यह योजना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उस सोच का परिणाम है, जिसमें शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण का सबसे सशक्त साधन माना गया है। दाखिले के समय ही छात्रों से उनकी पसंद और रुचि पूछी जाएगी, ताकि उन्हें उनकी अभिरुचि और लक्ष्य के अनुरूप मार्गदर्शन तथा शैक्षणिक तैयारी उपलब्ध कराई जा सके। इससे छात्रों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे प्रारंभिक स्तर से ही अपने करियर की दिशा स्पष्ट कर सकेंगे। यह पहल बिहार के शैक्षणिक ढांचे में गुणात्मक बदलाव लाने वाली है। इससे न केवल ग्रामीण और पिछड़े इलाकों के विद्यार्थियों को समान अवसर मिलेगा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में आगे बढ़ने का वास्तविक अवसर प्राप्त होगा। यह शिक्षा में समानता, अवसर और गुणवत्ता-तीनों को एक साथ सुनिश्चित करने वाला कदम है।

जद (यू) को मिला फिर अनुभवी नेतृत्व, नीतीश कुमार चौथी बार बने राष्ट्रीय अध्यक्षः राजीव रंजन प्रसाद

पटना, (ईएमएस)। जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर चौथी बार निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना जाना केवल एक संगठनात्मक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों के अटूट विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत संगठनात्मक क्षमता और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण की स्वाभाविक स्वीकृति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में जद (यू) संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगा तथा देश और समाज के प्रति अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक अवसर पर गौरवान्वित है और उनके नेतृत्व में जद (यू) आने वाले समय में राजनीतिक शिखर को छुएगा। यह उपलब्धि इस बात को स्पष्ट करती है कि पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता, नेता और समर्थक का उन पर अटूट भरोसा है। उनके नेतृत्व में जेडीयू ने हमेशा सिद्धांत आधारित राजनीति, समावेशी विकास और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के संकल्प को प्राथमिकता दी है। आज जब देश की राजनीति एक नए दौर से गुजर रही है, ऐसे समय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना पार्टी के लिए नई ऊर्जा, नई दिशा और नए संकल्प का अवसर है। जद (यू) का प्रत्येक कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक क्षण पर गौरवान्वित है और संकल्प लेता है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में पार्टी की विचारधारा, नीतियों और जनसेवा के संकल्प को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य और अधिक मजबूती से किया जाएगा।

रेल हादसे में तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

पटना,। पटना-दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड पर एक रेल हादसे में तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत होने की खबर है। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों मजदूर उत्तर प्रदेश से बिहार लौट रहे थे और रेलवे ट्रैक के रास्ते घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान इंदौर-पटना एक्सप्रेस की चपेट में आने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा गहमर और बारा कलां हाल्ट के बीच पोल संख्या 678/28 के पास हुआ। मृतकों में मुजफ्फरपुर जिले के केरमा-डीह निवासी 32 वर्षीय जयनाथ साहनी, 35 वर्षीय गुलशन राम और वैशाली जिले के 35 वर्षीय पप्पू सिंह शामिल हैं। सभी तीनों मजदूर चौसा पावर प्लांट की एक कंपनी में कार्यरत थे। घटना के समय ये निजी काम से उत्तर प्रदेश गए हुए थे और वापस लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पटना-दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड की राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया और मृतकों की पहचान आधार कार्ड के माध्यम से की गई।

एक्सिस बैंक शाखा में दिनदहाड़े लूटपाट

बेगूसराय, (ईएमएस)। बिहार के बेगूसराय जिले के तेघड़ा थाना क्षेत्र के नगर परिषद अंतर्गत हसनपुर गांव स्थित एक्सिस बैंक शाखा में नकाबपोश बदमाशों ने मंगलवार को दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान बदमाशों द्वारा बैंक के कर्मचारियों को बंधक बनाया और गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मी को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, 6 नकाबपोश बदमाश तीन बाइक पर सवार होकर बैंक पहुंचे। बैंक के गेट पर मौजूद गार्ड को निशाना बनाते हुए उन्होंने पहले फायरिंग की। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी, लेकिन उन्होंने पिस्तौल की बट से गार्ड को मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली की आवाज सुनते ही आसपास के लोग और बैंक कर्मचारी दहशत में आ गए। इसके बाद हथियार लहराते हुए बदमाश बैंक के अंदर घुस गए और कर्मचारियों को बंधक बनाकर काउंटर से नकदी लूटने लगे। जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने करीब 3 से 4 लाख रुपये की नकदी लूटकर महज कुछ ही मिनटों में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष, तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार, थाना अध्यक्ष अमित कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बैंक परिसर को घेरकर जांच शुरू कर दी और कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही बैंक के अंदर और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

साइकिल से स्वाभिमान तक, नीतीश कुमार की नीतियों ने बिहार की बेटियों को बनाया बदलाव की पहचानः परिमल कुमार

पटना, (ईएमएस)। जद (यू0) के प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने सोशल मीडिया संवाद करते हुए कहा कि बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए वर्षों से चलाए जा रहे अभियान का प्रभाव अब व्यापक सामाजिक बदलाव के रूप में सामने आ रहा है। बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा के समग्र परिणाम में छात्राओं की सफलता दर 86.23 प्रतिशत रही है, जबकि छात्रों की सफलता दर 84.09 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, विज्ञान, वाणिज्य और कला-तीनों संकायों के टॉप फाइव सफल विद्यार्थियों को सम्मिलित करने पर कुल 26 टॉपर्स में 20 छात्राएं शामिल हैं। यह केवल परीक्षा परिणाम नहीं है, बल्कि यह बिहार में सामाजिक चेतना, महिला शिक्षा और आधी आबादी के आत्मविश्वास के उभार का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ''समृद्धि यात्रा'' कोई सामान्य प्रशासनिक दौरा नहीं है और न ही यह मात्र राजनीतिक यात्रा है। यह बिहार के समग्र, संतुलित और सहभागी विकास के मॉडल की जमीनी समीक्षा, प्रभावी क्रियान्वयन करने की एक गंभीर एवं ऐतिहासिक पहल है। जहानाबाद और अरवल जैसे जिले कभी देश के तथाकथित ''रेड कॉरिडोर'' के संवेदनशील क्षेत्रों में गिने जाते थे। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस चुनौती का समाधान केवल पुलिस या प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं, बल्कि

सामाजिक न्याय, राजनीतिक भागीदारी, महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, सड़क, सिंचाई, जीविका, रोजगार, खेल, स्वास्थ्य और सामुदायिक भागीदारी पर आधारित विकास मॉडल के माध्यम से किया। समृद्धि यात्रा के दौरान जहानाबाद और अरवल में जिन योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया, वे इन जिलों के विकास की दिशा और दशा दोनों बदलने वाले साबित होंगे। अरवल में लगभग 153 करोड़ रुपये की लागत से 272 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया, जबकि जहानाबाद में लगभग 252 करोड़ रुपये की लागत से 161 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ। ये योजनाएँ केवल भौतिक आधारभूत संरचना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, ग्रामीण सड़क, प्रशासनिक अवसंरचना, खेल, सामुदायिक केंद्र, कृषि सुविधा, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, दिव्यांगजन कल्याण और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने वाले बहुआयामी कार्यक्रम शामिल हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह सिद्ध किया है कि विकास केवल पुल, पुलिया, सड़क और भवन निर्माण तक सीमित नहीं है। वास्तविक विकास वह है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्गकृविशेषकर गरीब, महिला, किसान, युवा, दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक, दिव्यांग और बुजुर्गकृको सम्मान, अवसर, सुरक्षा और भागीदारी मिले। समृद्धि यात्रा इसी दर्शन का विस्तार है। यह यात्रा ''गुड गवर्नेंस'' से आगे बढ़कर ''प्रॉस्पेरिटी इन सोसाइटी'' अर्थात समाज में वास्तविक समृद्धि और सहभागितापूर्ण विकास की अवधारणा को मूर्त रूप देती है।

संक्षिप्त खबरें

जोमैटो के बाद अब स्विगी से खाना मंगाना हुआ मंहगा, प्लेटफॉर्म फीस बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने खाना ऑर्डर करने पर लगने वाली प्लेटफॉर्म फीस को 17 प्रतिशत बढ़कर 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर किया है, जो पहले 14.99 रुपए थी। स्विगी एप के बिल के अनुसार, प्लेटफॉर्म फीस में करीब 17 प्रतिशत या 2.59 रुपए का इजाफा हुआ है। कंपनी का कहना है कि यह वृद्धि प्लेटफॉर्म के संचालन और रखरखाव में मदद करने के उद्देश्य से की गई है। इसके पहले स्विगी ने अगस्त 2025 में प्लेटफॉर्म फीस में करीब 2 रुपए की वृद्धि की थी, जो कि पहले 12 रुपए थी। इससे पहले अन्य फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोत्तरी की थी। जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में 19.2 प्रतिशत या 2.40 रुपए प्रति ऑर्डर का इजाफा किया था। बढ़ोतरी के बाद नई प्लेटफॉर्म फीस 14.90 रुपए प्रति ऑर्डर (जीएसटी से पहले) हो गई है, जो कि पहले 12.5 रुपए थी। जीएसटी सहित अब फीस 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर हो गई है। प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी तब हुई है, जब हाल ही में एलपीजी की कीमतों में इजाफा हुआ है, जिससे रेस्तरां की लागत में बढ़ोतरी देखी गई है। इससे पहले जोमैटो ने आखिरी बार सितंबर 2025 में प्लेटफॉर्म शुल्क में बदलाव किया था। इससे पहले, फरवरी 2025 में, जोमैटो ने त्यौहारी सीजन के दौरान प्लेटफॉर्म शुल्क को 6 रुपए प्रति ऑर्डर से बढ़ाकर 10 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया था।

सेना में महिला अधिकारियों को दिया गया परमानेंट कमीशन बरकरार रहेगा

स्थायी सेवा के अधिकार में अब कोई दखल नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा फैसला हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन (पीसी) देने के अपने पिछले निर्णयों को सही माना है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना में महिलाओं के स्थायी सेवा के अधिकार में अब कोई दखल नहीं दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि महिला अधिकारियों को पहले से दिया गया परमानेंट कमीशन बरकरार रहेगा, और यह साफ कर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में कोई दखल नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि महिला अधिकारी खास तौर पर शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी (एसएससीओएस) और वे लोग जिन्होंने मामले में दखल दिया था जिन्हें कानूनी कार्रवाई के दौरान किसी भी चरण में सेवा से मुक्त किया गया था, उन्हें 20 साल की सेवा पूरी कर चुका माना जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, वे पेंशन से जुड़े फायदों की हकदार होंगी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पेंशन के फायदे तब दिए जाएंगे, लेकिन ये अधिकारी वेतन के किसी भी बकाया के हकदार नहीं रहने वाले है। इस फैसले को सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है, जो भारतीय सेना में महिला अधिकारियों के अधिकारों और सेवा शर्तों को और मज़बूत करता है।

नवरात्रि पर वैष्णो देवी मंदिर में लग रही श्रद्धालुओं की भीड़, प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम

जम्मू,(ईएमएस)। नवरात्रि के पावन अवसर पर वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। भक्तगण माता के दर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक तीर्थयात्रियों की संख्या में इस बार वृद्धि देखी जा रही है। इसके बावजूद यात्रा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। कटरा स्थित बेस कैंप से लेकर भवन तक जाने वाला पूरा मार्ग श्रद्धालुओं से भरा है। प्रशासन ने बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आवागमन और ठहरने की व्यवस्था को मजबूत किया गया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। भीड़ को देखते हुए 21 मार्च की शाम को यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को रोकना पड़ा था। हालांकि स्थिति सामान्य होते ही 22 मार्च की सुबह से रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ सकती है, जिसे ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त प्रबंध किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान तय दिशा-निर्देशों का पालन करें और सहयोग करें, ताकि सभी को सुरक्षित और सुगम दर्शन का लाभ मिल सके।

बिजली विभाग की लापरवाही से गई लाइनमैन की जान, जेई की ग्रामीणों ने कर दी पिटाई

सीतामढ़ी,(ईएमएस)। बिहार के सीतामढ़ी जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बिजली विभाग की घोर लापरवाही ने एक लाइनमैन की जान ले ली। विभाग में कार्यरत लाइनमैन बिंदेश्वर शाह की करंट लगने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल मृतक शाह बिजली के तार और ट्रांसफार्मर की मरम्मत करने के लिए खंभे पर चढ़े थे। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने काम शुरू करने से पहले नियमानुसार शटडाउन लिया था। इसके बावजूद, मरम्मत कार्य के दौरान ही अचानक बिजली सप्लाई शुरू कर दी गई। करंट की चपेट में आते ही युवक खंभे से झुलस कर नीचे गिर गया और उसकी मृत्यु हो गई। इस हादसे की खबर फैलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। जब विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) घटनास्थल पर पहुंचे, तब भीड़ बेकाबू हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में भीड़ ने जेई को पकड़कर जमकर पिटाई लगा दी पुलिस जेई को बचाने की कोशिश करती रही, लेकिन उग्र ग्रामीणों ने उन्हें पुलिस की गिरफ्त से छीन लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराने की कोशिश की है।

फर्जी बाबा खरात पर 2024 में मेहरबान हुई लक्ष्मी, कहां से आया इतना पैसा, जांच जारी

नासिक,(ईएमएस)। नासिक के फर्जी बाबा अशोक खरात प्रकरण में बड़ा खुलासा हुआ है। नासिक के मिरगांव स्थित श्री शिवनिका संस्थान (जो बाबा का ट्रस्ट है) आर्थिक लेन-देन को लेकर ऑडिट रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य उजागर हुए हैं। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 से 2022 के बीच संस्थान की आय बेहद सीमित रही। इस दौरान कुल आय करीब 4.90 लाख रुपये के आसपास दर्ज की गई, जबकि 1.60 से 1.64 लाख रुपये तक का घाटा भी सामने आया। हालांकि, वर्ष 2024 संस्थान के लिए 'गेम चेंजर' साबित हुआ। इस साल संस्थान को 76 लाख 91 हजार 416 रुपये की भारी-भरकम दान प्राप्त हुआ। खर्च निकालने के बाद संस्थान के पास करीब 70.66 लाख रुपये की रिकॉर्ड शेष राशि बची, जिससे इसकी आर्थिक स्थिति अचानक मजबूत हो गई। संपत्ति के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022 में संस्थान की कुल संपत्ति करीब 96 लाख थी, जो 2025 तक बढ़कर 1 करोड़ 81 लाख तक पहुंच गई। इसके अलावा, बैंक में 23 लाख 35 हजार की फिक्स्ड डिपॉजिट भी दर्ज है। अब जांच एजेंसियों के रडार पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि संस्थान को मिली यह भारी दानराशि आखिर कहां से आई? दान के इस सुनामी के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी गई है। गौरतलब है कि भोंदू बाबा अशोक खरात की पुलिस रिमांड खत्म हो रही है। एसआईटी पूरे मामले की जांच कर रही है।

एलपीजी सिलिंडर डिलीवर पर एक्स्ट्रा पैसे की मांग तो यूजर्स करें अधिकारों का इस्तेमाल

उपभोक्ता हेल्पलाइन पर करें शिकायत, यूजर्स वही कीमत दें जो आधिकारिक रूप से तय हो

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे युद्ध और बढ़ते तनाव की वजह से तेल और गैस सप्लाई पर असर पड़ा है। इसका सीधा असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर नजर आने लगा है। कई जगहों पर गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिल पा रहे हैं और डिलीवरी में देरी आम बात है। इसी बीच एक और समस्या सामने आ रही है, जो लोगों की परेशानी को और बढ़ा रही है। कुछ यूजर्स शिकायत कर रहे हैं कि सिलेंडर लेने के समय उनसे अतिरिक्त पैसे मांगे जा रहे हैं या बिना डिलीवरी के ही सिस्टम में सिलेंडर डिलीवर दिखाया जाता है यानी जहां एक तरफ एलपीजी की कमी है, वहीं दूसरी तरफ कुछ जगहों पर इसका गलत फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसी स्थिति में अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि क्या करें और कहां शिकायत करें। सिलिंडर देने पर एक्स्ट्रा पैसे मांगने या डिलीवरी में देरी होने पर आप शिकायत कर सकते हैं और कैसे अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। गैस सिलेंडर की कीमत सरकार और ऑयल कंपनियों द्वारा तय की जाती है। इसमें डिलीवरी चार्ज भी शामिल होता है। अगर डिलीवरी बॉय या एजेंसी आपसे तय कीमत से ज्यादा पैसे मांगती है, तो यह पूरी तरह गलत है। यूजर्स को सिर्फ वही कीमत देनी चाहिए, जो आधिकारिक रूप से तय हो। अगर आपसे एक्स्ट्रा पैसे मांगे जा रहे हैं या डिलीवरी में देरी हो रही है, तो आप अपनी गैस एजेंसी से सीधे संपर्क करें। कई बार समस्या वहीं हल हो जाती है। अगर वहां से समाधान नहीं होता है, तो आप संबंधित गैस कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा आप राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर भी शिकायत कर सकते हैं, जहां आपकी समस्या दर्ज कर कार्रवाई की जाती है। आप ऑनलाइन पोर्टल के जरिए भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं, जो आसान और तेज तरीका है। ऑनलाइन शिकायत करना सबसे आसान है। आप गैस एजेंसियों की वेबसाइट पर जाकर कस्टमर केयर सेक्शन में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा उपभोक्ता हेल्पलाइन की वेबसाइट या ऐप के जरिए भी आप अपनी समस्या लिखकर सबमिट कर सकते हैं। अगर ऑनलाइन शिकायत करना संभव नहीं है तो आप गैस कंपनियों के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करके भी अपनी समस्या बता सकते हैं। इंडेन हेल्पलाइनः 1800-233-3555, भारत गैस हेल्पलाइनः 1800-22-4344, एचपी हेल्पलाइनः 1800-233-3555 इन नंबरों पर कॉल कर आप अपनी बुकिंग नंबर और समस्या की जानकारी दे सकते हैं। जब भी आप शिकायत करें, तो अपनी कंज्यूमर आईडी, बुकिंग नंबर और समस्या की पूरी जानकारी जरूर दें। इसके साथ अगर आपके पास कोई मैसेज, बिल या स्क्रीनशॉट है, तो उसे भी सुरक्षित रखें। इससे आपकी शिकायत जल्दी और सही तरीके से सुलझाई जा सकती है।

राहुल गांधी एक अबोध बालक, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं

गिरिराज ने विपक्ष के नेता पर कसा तंज, बोले- मोदी के नेतृत्व पर सबको भरोसा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अबोध बालक बताया और उन पर कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी एक अबोध बालक हैं, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं। मैंने जिक्र किया था कि कोविड काल में भी उनकी गतिविधियां देश में भ्रम फैलाने और लोगों को भड़काने से जुड़ी थीं। आज भारत के नेतृत्व और जनता को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरिराज सिंह ने कहा कि हमने कोविड-19 के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी। इस देश में अभी तक ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। मैंने देखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब राहुल गांधी की आवाज कहां है? वे दूसरी जगहों पर इस बारे में शोर मचाते रहते हैं, वे यह क्यों नहीं पूछते कि वहां कीमतें क्यों बढ़ाई गईं? भले ही देश के पीएम मोदी ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, जबकि अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने बढ़ा दी हैं, प्रबंधन का मतलब ही यही है। इसीलिए मैं कह सकता हूं कि भारत को किसी भी चीज से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि भारत की जनता में अपार आत्मविश्वास है। हम किसी भी आपदा को अवसर में बदल सकते हैं और चुनौतियों का डटकर सामना कर सकते हैं। इस देश की एकमात्र समस्या विपक्ष का नेता (एलओपी) है।

गिरिराज यह टिप्पणी विपक्षी नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति के संबंध में पीएम मोदी के लोकसभा भाषण की आलोचना के बाद आई है, जिसमें राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अमेरिका का नाम न लेने का आरोप लगाया और कहा कि वह ट्रम्प के 100फीसदी नियंत्रण में हैं। राहुल ने कहा कि मैंने सुना है कि पीएम मोदी ने 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि वे संसद में किसी बहस में भाग नहीं ले सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं। मोदी ने 25 मिनट तक भाषण दिया लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पीएम मोदी ने व्यापार समझौते के जरिए भारत के कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दिया है और चेतावनी देते हुए कहा कि यहां हमारे पास छोटे खेत हैं, जबकि अमेरिका में हजारों एकड़ में फैले बड़े-बड़े खेत हैं। यहां लोग हाथों से काम करते हैं, और वहां बड़े-बड़े मशीनों से काम होता है। अगर अमेरिकी सामान भारत आने लगे, तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। ये टिप्पणियां पीएम मोदी के लोकसभा में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष पर दिए गए भाषण के बाद आईं।

सीएम मान का रंधावा सुसाइड मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से इंकार

मामले की जांच के लिए चीफ सेक्रेटरी स्तर की कमेटी गठित

डॉक्टरों का एक बोर्ड शव पोस्टमॉर्टम कर रहा

अमृतसर,(ईएमएस)। पंजाब के अमृतसर में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (डीएम) गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड मामले ने राज्य की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इंकार कर दिया है। चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही सख्त कदम उठा चुकी है और कानून के अनुसार कार्रवाई जारी है। सीएम मान ने बताया कि आरोपी पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर से इस्तीफा लेकर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए चीफ सेक्रेटरी स्तर की कमेटी गठित की गई है, जो पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करेगी। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार में "मंत्री और संतरी सभी के लिए कानून एक समान है" और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। इस बीच, पुलिस ने भुल्लर को गुपचुप तरीके से अदालत में पेश किया। जानकारी के अनुसार, उन्हें सुबह-सुबह जज के सामने पेश कर पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई को मीडिया से दूर रखा गया, जिससे किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। डीसीपी रविंदरपाल सिंह ने बताया कि कोर्ट ने रिमांड मंजूर कर लिया है, हालांकि रिमांड की अवधि अभी स्पष्ट नहीं की गई है। दूसरी ओर, रंधावा के शव का सुसाइड के चौथे दिन पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। यह प्रक्रिया सिविल अस्पताल में एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की निगरानी में की जा रही है और पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी हो रही है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। डॉक्टरों का एक बोर्ड पोस्टमॉर्टम कर रहा है। बताया जा रहा है कि रंधावा ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया था, जिसमें उन्होंने इस कदम के लिए लालजीत सिंह भुल्लर को जिम्मेदार ठहराया था। यही वीडियो इस केस का अहम सबूत माना जा रहा है और पुलिस इसी आधार पर आगे की जांच कर रही है। वहीं सीएम मान ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने अमित शाह, राजा वड़िंग और अमरिंदर सिंह जैसे नेताओं के संदर्भ में सवाल उठाया कि पहले इसतरह मामलों में सीबीआई जांच क्यों नहीं कराई गई और किसने इस्तीफा दिया।

डीएमके गठबंधन में 28 सीटों पर कांग्रेस तो सीपीआई (एम) पांच सीटों पर लड़ेंगी चुनाव

एनडीए गठबंधन में एआईएडीएमके 178 तो बीजेपी मिली 27 सीटों पर उम्मीदवारी

चेन्नई,(ईएमएस)। द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया। डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन की घटक पार्टी सीपीआई (एम) पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, कांग्रेस डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत 28 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टियों द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के अध्यक्ष, सीएम एम के स्टालिन और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) सीपीआई(एम) की तमिलनाडु राज्य समिति के सचिव पी शनमुगम के बीच आगामी 2026 विधानसभा आम चुनाव के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था के संबंध में हुई चर्चा में यह निर्णय लिया गया कि धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन की घटक पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) तमिलनाडु की 5 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनडीए ने 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के लिए अपनी सीट-बंटवारे की व्यवस्था को भी अंतिम रूप दे दिया है। समझौते के तहत, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) 178 सीटों पर, बीजेपी 27 सीटों पर, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) 18 सीटों पर और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बा दें तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा और वोटो की गिनती 4 मई को होगी। विधानसभा का कार्यकाल 10 मई को समाप्त हो रहा है। सत्ताधारी डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन और एनडीए के अलावा, अभिनेता से राजनेता बने विजय की तमिलगा वेट्री कज़गम भी चुनाव मैदान में है।

दिल्ली विधानसभा, मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षाकर्मियों ने ली तलाशी

स्पीकर और दिल्ली सीएम को मिले ई-मेल, धमकियों के बावजूद दिल्ली का बजट पेश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और विधानसभा मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सुबह 7:49 बजे स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को ईमेल आया और 7:28 बजे विधानसभा को ईमेल आया। ईमेल में एलजी तरनजीत संधू, पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मिनिस्टर जयशंकर और साथ में दिल्ली के सीएम रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का भी नाम लिखा। धमकी मिलने के बाद सुरक्षाकर्मी विधानसभा स्पीकर के रूम में जांच करने पहुंचे।

मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता को भी धमकी से भरा ईमेल आया था। दिल्ली असेंबली में बम की धमकी वाले मेल के बाद स्निफर डॉग स्क्वाड वहां पहुंचा और जांच की। बम की धमकी वाला मेल मिलने पर बीजेपी विधायक अनिल गोयल ने कहा कि यह एक धोखा था। सब कुछ सुरक्षित है, हम बैठक के लिए जा रहे हैं। धमकियों के बावजूद दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में बजट पेश किया। इस बार दिल्ली का बजट तकरीबन 1 लाख 10 हजार करोड़ का है। रेखा गुप्ता ने दूसरी बार दिल्ली का बजट पेश किया। बजट पेश करने के दौरान कई बड़े ऐलान भी किए गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए पीडब्ल्यूडी को 5921 करोड़, शहरी विकास के लिए 7887 करोड़, युमनापार के लिए 300 करोड़, झुग्गी के विकास लिए 800 करोड़, ग्रामीण विकास के लिए 787 करोड़, डेवलपमेन्ट डिपार्टमेंट के लिए 914 करोड़ का आवंटन किया गया है। चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 475 करोड़ का बजट रखा गया। दिल्ली में वाटर लॉगिंग के समाधान के लिए नया ड्रेनेज मास्टर प्लान लाया गया है। 610 करोड़ का बजट वाटर लॉगिंग से निपटारा पाने के लिए इरिगेशन डिपार्टमेंट को दिया गया। इसके अलावा 50 करोड़ की लागत से फ्लड प्रोटेक्शन वाल बनाने का फैसला लिया गया। स्वास्थ्य विभाग को 12746 करोड़ का बजट आवंटित किया है।

आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सामान्य श्रेणी की सीटों के लिए हो सकते हैं पात्र?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से महाराष्ट्र के टीईटी उम्मीदवारों को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में साफ किया है कि यदि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी किसी पात्रता परीक्षा में दी गई छूट का लाभ लेते हैं, तब भी वे अंतिम चयन में मेरिट हासिल करने पर सामान्य श्रेणी की सीटों के लिए पात्र हो सकते हैं। बशर्ते संबंधित भर्ती नियम इसकी अनुमति देते हों। स्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि छूट का लाभ लेने वाले उम्मीदवार सामान्य श्रेणी में माइग्रेट नहीं हो सकते। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से महाराष्ट्र के टीईटी उम्मीदवारों को बड़ी राहत मिली है।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद महाराष्ट्र में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत होने वाली शिक्षक भर्ती से जुड़ा है। इसमें उम्मीदवारों को पहले शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करनी थी और उसके बाद शिक्षक अभिक्षमता एवं बुद्धिमापन परीक्षण देना था, जिसके आधार पर अंतिम मेरिट तय होनी थी। टीईटी पास करने के लिए सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों को 60फीसदी अंक चाहिए थे, जबकि आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को 5फीसदी की छूट देते हुए 55फीसदी पर पास माना गया था। वाद तब शुरू हुआ जब आरक्षित वर्ग के कई उम्मीदवारों ने मुख्य परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया और सामान्य श्रेणी के अंतिम चयनित उम्मीदवार से भी अधिक अंक हासिल किए। मेधावी होने के बावजूद उन्हें ओपन/जनरल कैटेगरी की मेरिट लिस्ट में शामिल करने से मना कर दिया। हाईकोर्ट ने भी इन उम्मीदवारों की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

कोच्चि में हाई-सिक्योरिटी जोन के ऊपर उड़ाया ड्रोन, दो अमेरिकी हिरासत में

कोच्चि,(ईएमएस)। केरल के कोच्चि में हाई-सिक्योरिटी जोन के ऊपर ड्रोन उड़ाने के आरोप में दो अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में बिना अनुमति ड्रोन का उपयोग करना एक गंभीर उल्लंघन माना गया है। कैलिफोर्निया (अमेरिका) निवासी केटी मिशेल फेल्प्स (32) और क्रिस्टोफर रॉस हार्वे (35) को फोर्ट कोच्चि में ड्रोन उड़ाते हुए देखा गया। ये दोनों पर्यटक के तौर पर कोच्चि आए थे। पर्यटन पुलिस ने उन्हें कोस्ट गार्ड (तटरक्षक बल) मुख्यालय के पास ड्रोन से वीडियो बनाते हुए पाया, इसके बाद उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया। फोर्ट कोच्चि का यह क्षेत्र रेड जोन के अंतर्गत आता है, जहाँ किसी भी प्रकार का ड्रोन ऑपरेशन सख्त वर्जित है। एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने चिल्ड्रन्स पार्क और चैरियट जंक्शन के पास ड्रोन उड़ाया। इस क्षेत्र की संवेदनशीलता के मुख्य कारण हैं भारतीय नौसेना का एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान मौजूद है। यहां कोस्ट गार्ड का हेडक्वार्टर है। पुलिस ने पुष्टि की है कि ड्रोन के माध्यम से इन संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों के विजुअल भी रिकॉर्ड किए गए थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), एयरक्राफ्ट एक्ट और ड्रोन रूल्स की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने उनके पास से एक ड्रोन और एक लैपटॉप जब्त कर लिया है ताकि डेटा की जांच की जा सके। हालांकि यह मामला गंभीर है, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ के बाद दोनों को जांच में सहयोग करने और पुलिस के सामने पेश होने का नोटिस देकर रिहा किया गया है। फोर्ट कोच्चि लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, लेकिन सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण यहाँ सुरक्षा एजेंसियां हमेशा सतर्क रहती हैं। इस प्रकार की घटनाएं जासूसी या सुरक्षा में सेंध लगाने का जोखिम पैदा करती हैं।

संपादकीय

बंगाल में अघोषित राष्ट्रपति शासन? चुनाव आयोग और भाजपा जिम्मेदार ?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा भाजपा के ऊपर तीखा हमला किया है। ममता बनर्जी ने कहा,अघोषित रूप से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर रखा गया है। एसआईआर के माध्यम से 63 लाख लाख मतदाताओं को मतदान से वंचित किया जा रहा है। मतदाता सूची अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची मे नहीं थे। उन मामलों की सुनवाई अभी चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश चुनाव आयोग को दिए थे। चुनाव आयोग ने उनका पालन नहीं किया। इसके बाद भी पश्चिम बंगाल में चुनाव कराए जा रहे हैं।यह स्थिति आपातकाल की तरह है। चुनाव आयोग राज्य सरकार से विचार विमर्श किए बिना एक तरफा निर्णय ले रहा है। ममता बनर्जी ने तीखा हमला करते हुए कहा, अब जो भी अच्छा बुरा पश्चिम बंगाल में होगा। उसके लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। जिस तरह से अधिकारियों को हटाया गया है। उसके कारण पश्चिम बंगाल की सारी प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है ।चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद सारे निर्णय चुनाव आयोग द्वारा लिए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था से लेकर हर स्थिति के लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। ममता बनर्जी जिस तरह से आक्रामक हुई हैं। उससे लगता है,उन्होंने दिल्ली में जो कुछ केजरीवाल सरकार के साथ हुआ था। उसको ध्यान में रखकर सबक लिया है। केजरीवाल सरकार भी कोई निर्णय नहीं ले पा रही थी।उप राज्यपाल और चुनाव आयोग के माध्यम से सारे निर्णय लिए जा रहे थे। सारा ठीकरा केजरीवाल के सिर पर फोड़ा गया। जिस तरह से महाभारत में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर कर मारा गया था। इसी तरह से केजरीवाल को चक्रव्यूह में फंसाकर, वोट काटकर चुनाव आयोग द्वारा पक्षपात कार्यवाही करके सुंयोजित तरीके से आम आदमी पार्टी को हराया गया था। वर्तमान स्थिति को देखते हुए ममता बनर्जी अपनी बलि नहीं देना चाहती हैं। ऐसा लगता है ममता दीदी काली माई के रोद्र रूप को धारण करके, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और ज्ञानेश कुमार से लड़ने के लिए चुनाव मैदान में अस्त्र-शास्त्र के साथ आ गई हैं। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया कह दिया है। इससे उनके आक्रामक तेवर का पता लगता है। ममता बनर्जी पिछले 6 महीनो से एसआईआर की लड़ाई जमीन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई न्याय नहीं मिला। जिन मतदाताओं के नाम कटे हैं, उनकी सुनवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची फाइनल हुए बिना चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसी तरह से चुनाव भी करा दिए जाएंगे। बिहार में भी ऐसा ही किया गया था। मनमाने तरीके से पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को भाजपा के इशारे पर बदला जा रहा है। चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव आयोग और गृह मंत्रालय द्वारा धमकाया जा रहा है। इस तरह का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी सड़क पर आकर लड़ाई लड़कर चुनाव मैदान में उतर रही हैं।जनता हमेशा आक्रामक तेवर के नेताओं को स्वीकार करती है। यह बात ममता बनर्जी अच्छी तरह से जानती हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह से भाजपा, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है। उसके बाद केंद्र सरकार, भाजपा और चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के लिए ममता का मुकाबला करना आसान नहीं होगा। चुनाव में धांधली और मनमानी कर पाना आसान नहीं होगा।इस चुनाव में सत्ता तक पहुंचाने के लिए ममता बनर्जी कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार दिख रही हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के लिए चक्रव्यूह ममता बनर्जी ने तैयार किया है। उसके बाद केंद्र सरकार, न्यायपालिका और चुनाव आयोग चक्रब्यहू में रहते हुए साख को बचाए रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन गई है। चुनाव मे क्या होगा, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।बांग्लादेश में चुनाव आयोग ने शेख हसीना के पक्ष में विपक्ष को दबाने और शेख हसीना को जिताने का काम किया था। उसके परिणाम कुछ समय बाद ही बांग्लादेश में देखने को मिले। शेख हसीना को भारत की शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश का असर पश्चिम बंगाल में चुनाव में देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में संवेदनशीलता के साथ निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराना आयोग के लिए बड़ी चुनौती है।

गैस की किल्लत या सिस्टम की सुस्ती? वैश्विक संकट में पिसती जनता

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया के मानचित्र पर जब भी किसी देश की सीमाएं सुलगती हैं, तो उसकी लपटें हजारों मील दूर बैठे एक भारतीय परिवार की रसोई तक पहुँचने में देर नहीं लगातीं। आज की वैश्वीकृत दुनिया में सरहदों पर गिरा हर बम हमारी जेब में एक अदृश्य छेद कर देता है। एक अजीब सा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। एक तरफ सरकारी प्रेस रिलीज और दावे सब कुछ सामान्य होने की बात कह रहे हैं, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि मोहल्लों की दुकानों और गैस एजेंसियों के बाहर स्टॉक खत्म होने की तख्तियां लटक रही हैं। सत्ता के गलियारों से जब यह बयान आता है कि देश में गैस की कोई कमी नहीं है, तो यह सुनकर उस कतार में खड़े आम आदमी को सुकून कम और खीझ ज्यादा होती है, जो पिछले कई दिनों से अपने गैस कनेक्शन के रिफिल होने का इंतजार कर रहा है। सवाल यह है कि अगर गैस की कमी नहीं है, तो फिर वह आम आदमी के चूल्हे तक पहुँच क्यों नहीं रही? राजनीति और कूटनीति की वह बारीक परत है जिसे समझना जरूरी है। सरकार का यह तर्क तकनीकी रूप से सही हो सकता है कि हमारे पास पर्याप्त भंडारण है, लेकिन उपलब्धता और पहुँच के बीच की कड़ी बुरी तरह चरमरा गई है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव ने रसद और परिवहन की कमर तोड़ दी है। जो जहाज पंद्रह दिन में भारत पहुँचते थे, वे अब रास्ता बदलकर आ रहे हैं, जिससे न केवल समय बढ़ गया है बल्कि माल ढुलाई का खर्च भी चालीस प्रतिशत तक ऊपर चला गया है। लेकिन क्या सारा दोष केवल भूगोल और युद्ध पर मढ़ा जा सकता है? हकीकत यह है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें अस्थिर होती हैं, तो सरकारी तेल कंपनियां अपने घाटे को कम करने के लिए आपूर्ति की गति धीमी कर देती हैं। यह एक अलिखित राशनिंग है, जहाँ ऊपर से तो कहा जाता है कि सप्लाई जारी है, लेकिन नीचे वितरकों तक कोटा कम पहुँच रहा है। सरकारी दावों और जमीनी किल्लत के बीच का यही वह धुंधला क्षेत्र है जहाँ आम आदमी पिस रहा है। यहाँ सबसे बड़ा सवाल सिस्टम की पारदर्शिता पर खड़ा होता है। यदि सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, तो वितरण के स्तर पर यह अचानक गायब कैसे हो जाता है? क्या यह आपूर्ति की बाधा है या फिर संकट की आड़ में छिपी हुई कालाबाजारी का पुराना खेल? जब आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता आती है, तो बिचौलियों और मुनाफाखोरों की चांदी हो जाती है, जो कृत्रिम कमी पैदा करके आम आदमी की लाचारी का फायदा उठाते हैं। सरकार को केवल पोर्टल्स पर डेटा अपडेट करने के बजाय उन जमीनी लीकेज को बंद करना होगा, जहाँ से जनता का राशन और हक रिसकर अवैध गोदामों तक पहुँच जाता है। किसी भी आपदा की पहली मार गरीब और मध्यम वर्ग पर ही क्यों पड़ती है, जबकि बड़े कारोबारी इसी संकट को अवसर में तब्दील कर लेते हैं? सरकारी तंत्र की सुस्ती और निगरानी की कमी ने ही आज एक साधारण गैस सिलेंडर को दुर्लभ वस्तु बना दिया है। सरकार आज बड़े आर्थिक सुधारों के जरिए अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने की बात कर रही है। लेकिन क्या कोई देश तब तक विकसित कहला सकता है जब उसकी आधी आबादी को आज भी इस बात की चिंता सताए कि कल सुबह चाय बनाने के लिए सिलेंडर में गैस बचेगी या नहीं? यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है; यह उस माँ की जद्दोजहद है जिसे गैस के दाम बढ़ने पर बच्चों के स्कूल की फीस या फल-सब्जियों के बीच चुनाव करना पड़ता है। सरकार अक्सर वैश्विक हालात हाथ में न होने का तर्क देकर पल्ला झाड़ लेती है, लेकिन आपदा प्रबंधन और भविष्य की योजनाएं केवल कागजों पर क्यों मजबूत दिखती हैं? अगर हम जानते थे कि वैश्विक तनाव बढ़ रहा है, तो देश के भीतर आपूर्ति तंत्र को इतना लचीला क्यों नहीं बनाया गया कि वह इन झटकों को सह सके? आज देश को स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने के कई लक्ष्यों की चर्चा हो रही है, लेकिन पोषण और स्वास्थ्य का सीधा संबंध रसोई से है।

तकनीक का लोकतंत्रीकरण और सृजन का नया युग

विनोद कुमार सिंह

- एआई कौशल,नागरिक भागीदारी और सुलभ प्रसारण से बदलता भारत का डिजिटल भविष्य वैश्विक क्षितिज पर भारत का डिजिटल परिदृश्य आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है,वह केवल तकनीकी प्रगति का शुभ संकेत दी नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का परिचायक भी है। इस क्रान्तिकारी परिवर्तन के केंद्र में वह सोच है,जो तकनीक को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित न रखकर उसे आम जन तक पहुँचाने की वकालत करती है। इसी दृष्टि को साकार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आरंभ की गई तीन नई पहलें एक नए भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को आकार देती दिखाई देती हैं। आज के कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीक को सुलभ,सस्ता और सर्वसुलभ बनाना है,ताकि देश का हर नागरिक डिजिटल क्रांति का भागीदार बन सके। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को दोहराया,जिसमें तकनीक को लोकतांत्रिक बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उनके अनुसार,इन पहलों के माध्यम से न केवल तकनीक की पहुँच बढ़ेगी,बल्कि यह आम लोगों के जीवन को सरल और सशक्त भी बनाएगी। मंत्री ने एमवाईडब्लूएवीईएस प्लेटफॉर्म को एक ऐसे सशक्त मंच के रूप में रेखांकित किया,जहाँ देश का हर नागरिक अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। उन्होंने अपने उदगार में उल्लेख किया कि आज का भारत केवल कंटेंट का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता,बल्कि वह कंटेंट निर्माण में भी वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रचनाकारों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र, संस्कृति और परंपराओं की कहानियों को इन मँचों के माध्यम से दुनिया तक पहुँचाएँ,जिससे भारत की विविधता और समृद्धि को एक नई पहचान मिल सके। राष्ट्रीय ए आई स्किलिंग पहल पर बोलते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम आनेवाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज लगभग 15 हजार युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जाएगा। उनके शब्दों में, "यह पहल युवाओं को केवल कौशल ही नहीं देगी,बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी। " यह कथन इस बात का संकेत है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीक नहीं,बल्कि एक अवसर के रूप में देख रही है। आज के इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने भी इन पहलों की व्यापकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह तीनों पहलें एक साझा नीति दिशा को प्रतिबिंबित करती हैं। उन्होंने अपने उद्गार में स्पष्ट किया कि पहली पहल लोगों को सक्षम बनाएगी,दूसरी उन्हें नए अवसर प्रदान करेगी और तीसरी यह सुनिश्चित करेगी कि कंटेंट की पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उनके अनुसार,यह केवल योजनाएँ नहीं हैं,बल्कि एक मजबूत और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम हैं। यदि इन उद्गारों को व्यापक संदर्भ में देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि सरकार की सोच बहुस्तरीय है। एक ओर जहाँ कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अभिव्यक्ति और अवसर के मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही,तकनीकी अवरोधों को कम करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। इंडियन इंस्चूयूट क्रियेटेवी ट्रेकनालाँजी के माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गूगल और यूट्यूब के सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि रचनात्मक उद्योगों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल भी विकसित करेगा। इससे भारत के युवा वैश्विक डिजिटल कंटेंट बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, एमवाईडब्लुएवीईएस प्लेटफॉर्म उस बदलते भारत का प्रतीक है,जहाँ हर व्यक्ति अपनी आवाज़ को पहचान दिलाना चाहता है। यह मंच केवल कंटेंट निर्माण का माध्यम नहीं,बल्कि एक सामाजिक-सांस्कृतिक संवाद का सेतु भी है। इसके माध्यम से देश के कोने-कोने से उभरती कहानियाँ, विचार और रचनात्मक अभि व्यक्तियाँ एक साझा मंच पर आ सकेंगी। तीसरी पहल,डीडी फ्री डिश के लिए इन-बिल्ट सैटेलाइट ट्यूनर और उन्नत प्रोग्राम गाइड की सुविधा, सीधे तौर पर आम नागरिक के जीवन को सरल बनाने का प्रयास है। अब बिना सेट-टॉप बॉक्स के टेलीविजन देख पाना न केवल लागत को कम करेगा,बल्कि तकनीक के उपयोग को भी सहज बनाएगा। यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है, जहाँ संसाधनों की कमी के कारण लोग अब तक बेहतर प्रसारण सुविधाओं से वंचित थे। इन सभी प्रयासों के केंद्र में प्रसार भारती की भूमिका भी उल्लेखनीय है,जो सार्वजनिक प्रसारण को आधुनिक और सुलभ बनाने में निरंतर प्रयासरत है। यह स्पष्ट है कि सरकार केवल नई योजनाएँ लागू करने तक सीमित नहीं है,बल्कि वह एक ऐसे डिजिटल भविष्य का निर्माण कर रही है,जहाँ अवसर, अभिव्यक्ति और सूचना - तीनों का संतुलित विकास संभव हो। अंततः यह कहा जा सकता है कि आज व्यक्त किए गए केन्द्रीय सुचना प्रसारण मंत्री और सचिव के उद्गार केवल औपचारिक वक्तव्य नहीं हैं,बल्कि वे उस दिशा का संकेत हैं,जिसमें भारत आगे बढ़ रहा है। यह दिशा है-सशक्त नागरिक,सुलभ तकनीक और समावेशी विकास की। यदि इन पहलों को प्रभावी रूप से लागू किया गया,तो वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल डिजिटल दुनिया का उपभोक्ता होगा,बल्कि उसका नेतृत्व भी करेगा।

"मिथक" बनाने वाले नहीं, बल्कि तोड़ने वाले "मुख्यमंत्री"

राजीव खंडेलवाल

25 मार्च को "जन्म दिवस" के अवसर पर विशेष

''डॉ. मोहन यादवः परस्पर शिक्षा और विकास के ''संगम'' का नेतृत्व''।

भूमिका

मध्यप्रदेश के यशस्वी लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं देना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनके कार्यो में उस पक्ष को भी समझना आवश्यक है, जिसने उन्हें मध्यप्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण सबसे विशिष्ट स्थान दिलाया है। इस अवसर पर उनके नेतृत्व और मध्यप्रदेश की राजनीति में उसके संभावित प्रभावों पर विचार करना प्रासंगिक है।

'' व्यक्तित्व ।''

मध्यप्रदेश की राजनीति पिछले दो दशकों में कई महत्वपूर्ण मोड़ों से गुजरी है। इन वर्षों में राज्य ने स्थिरता, विकास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तीनों का अनुभव किया है। ऐसे परिदृश्य में डॉ. मोहन यादव का एक ''गुबार-ए-कारवां से अमीर-ए-कारवां'' की नजीर बन कर मुख्यमंत्री के रूप में उदय केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि नेतृत्व की नई पीढ़ी के उभार का भी संकेत माना जा सकता है।

डॉ. मोहन यादव का व्यक्तित्व शिक्षा, संस्कृति और जनसेवा के समन्वय का प्रतीक है। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक शिक्षाविद और विचारशील व्यक्तित्व के रूप में भी जाने जाते हैं। राजनीति में उनका प्रवेश सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राज्य के विकास का एक साधन रहा है। मोहन की कार्यप्रणाली व कर्मणता व सीधे कार्यकर्ताओं तक पहुंच से एक जुमला बन गया। ''दरबार तक पहुंच हो तो दरबारी की क्या बिसात''।

'' नेतृत्व परिवर्तन का राजनीतिक संदर्भ।' '

लंबे समय तक शिवराज सिंह चौहान ''मामा'' मध्य प्रदेश की राजनीति के केंद्र बिंदु रहे। उनके कार्यकाल में कई जनकल्याणकारी योजनाएँ और विकास परियोजनाएँ प्रारंभ हुईं, जिन्होंने राज्य की राजनीति को एक स्थिर व विकास की दिशा दी। ऐसी परिस्थिति में स्थापित नेता शिवराज सिंह की जगह डॉ. मोहन यादव की केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा स्थापना एक दूरदर्शी निर्णय था, जो खतरे से खाली नहीं था। परन्तु जैसे कि ''एक तिनके से हवा का रुख पता चल जाता है'', मोहन ने उन ख़तरे के बादल की आशंकाओं को शीघ्र ही अभी तक की अपनी कार्यप्रणाली से निर्मूल कर दिया।

लोकतंत्र में नेतृत्व परिवर्तन केवल ''व्यक्तियों का परिवर्तन'' नहीं होता, बल्कि वह राजनीति की दिशा, प्राथमिकताओं और कार्यशैली में संभावित बदलाव का संकेत भी होता है। ऐसी स्थिति में जब किसी लंबे समय तक प्रभावशाली नेता के बाद नया नेतृत्व सामने आता है, तो स्वाभाविक रूप से तुलना और अपेक्षाएँ दोनों बढ़ जाती हैं। डॉ. मोहन यादव के सामने भी यही परिस्थिति है। उन्हें ''अच्छा बोओ अच्छा काटो'' की नीति पर चलते हुए और एक स्थापित राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अपनी अलग पहचान भी बनानी है। इसमें वे सफल होते दिख भी रहे हैं।

' 'संगठनात्मक राजनीति से प्रशासनिक नेतृत्व तक।''

''संघे शक्तिः कलौ युगे'' के सूत्र वाक्य को अपने जीवन में उतारने वाले डॉ. मोहन यादव की राजनीतिक पृष्ठभूमि मूलतः संगठनात्मक राजनीति से जुड़ी रही है। वे जानते हैं कि ''एक फूल से माला नहीं बनती''। भाजपा के संगठनात्मक ढाँचे में कार्य करते हुए उन्होंने छात्र राजनीति से लेकर राज्य स्तर तक अपनी सक्रियता बनाए रखी। संगठनात्मक राजनीति की यह पृष्ठभूमि प्रशासनिक नेतृत्व में भी सहायक हो सकती है, क्योंकि इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में सामूहिकता और संगठनात्मक संतुलन बनाए रखने की क्षमता विकसित होती है।

'' संस्कृति, पहचान और विकास की राजनीति ''।

डॉ. मोहन यादव का जुड़ाव महाकाल की नगरी ''उज्जयनी'' से रहा है, जो भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। यह सांस्कृतिक पृष्ठभूमि उनके राजनीतिक विचारों और प्राथमिकताओं में ''चोली दामन के साथ'' की तरह दिखाई देती है।

'' नेतृत्व की कसौटी ''।

लोकतंत्र में किसी भी नेता का अंतिम मूल्यांकन समय के साथ ही होता है। बगैर ''जमीन आसमान के कुलाबे मिलाए'', नीतियों की सफलता, विकास की गति और जनता के जीवन में होने वाले वास्तविक परिवर्तन ही यह तय करते हैं कि किसी नेता का योगदान कितना प्रभावशाली रहा। डॉ. मोहन यादव के सामने भी यही कसौटी होगी। यदि वे विकास, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक संतुलन के बीच सही तालमेल स्थापित कर पाते हैं, जिसका वे प्रयास कर रहे है तो उनका कार्यकाल मध्यप्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज हो सकता है।

''मध्यप्रदेशः चुनौतियां और अवसर।''

भारत का ''हृदय प्रदेश'' कहलाने वाला विशाल राज्य, ''मध्यप्रदेश'' देश के उन राज्यों में से है, जहाँ विकास की संभावनाएँ अत्यंत व्यापक हैं, किंतु चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं, इन संभावनाओं को जमीन पर उतारना ''हथेली पर सरसों जमाने जैसा'' नहीं है। राज्य की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, जबकि उद्योग, पर्यटन और सेवा क्षेत्र में अभी भी विस्तार की पर्याप्त संभावनाएँ मौजूद हैं।

कृषि उत्पादन बढ़ाना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, औद्योगिक निवेश आकर्षित करना और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना ये सभी ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर राज्य सरकार की नीतियाँ निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं।

'' मुख्यमंत्री मोहन यादव की प्रमुख उपलब्धियां (2023-2026) ।''

औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर विकासः इंदौर की वर्षों से लंबित हुकुमचंद मिल का मामला सुलझाया और सागर में खाद कारखाना चालू किया।

सिंहस्थः वर्ष 2028 में क्षिप्रा जल से स्नान 2028 होगा।

जल संरक्षण और कृषिः ''जल पुरुष'' के रूप में, उन्होंने हर खेत तक पानी पहुँचाने का संकल्प लिया है, जिसमें उज्जैन संभाग ने श्हर घर जलश् का लक्ष्य हासिल किया। 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया।

स्वालम्बीः गौ-शाला नीति 2025 स्वीकृति की।

' प्रशासनिक सुधा रः ''संकल्प से समाधान'' अभियान के माध्यम से लंबित शिकायतों का त्वरित निवारण, और कलेक्टर्स को परफॉर्मेंस आधारित कार्य करने के कड़े निर्देश दिए। ''साइबर तहसील'' लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बना।

धार्मिक और सांस्कृतिक विकासः ''महाकाल लोक'' के बाद उज्जैन और अन्य धार्मिक स्थलों का विकास।

पर्यटनः रातापानी व माधव नेशनल पार्क की स्थापना की। पीएम ''श्री हेली पर्यटन'' एवं ''वायु सेवा'' की शुरूवात की।

नक्सलवाद से मुक्तिः नक्सलवाद पुरी तरह से समाप्त कर दिया गया।

मोहन यादव की अनुल्लंघनीय सदाचार की कार्यशैली ''धन बल जन बल बुद्धि अपार, सदाचार बिन सब बेकार'' से पूर्णतः सफल होता हुआ सही दिख रही है और ''चुनने'' की ''पर्ची प्रक्रिया'' पर आक्षेप लगाते हुए ''उल्टी माला फेरने वालों'' के ''मुंह में दही जम गया'' सा लगता हैं।

'' मिथक को तोड़ा ' '।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिसंबर 2023 में इस लंबे समय से चली आ रही मान्यता या भ्रम (मिथक) को तोड़ा था। उज्जैन, जो महाकाल की नगरी है, को लेकर सदियों पुरानी (कुछ रिपोर्टों में 211 साल पुरानी बताई जाती है) यह धारणा प्रचलित थी कि कोई भी राजा, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या समकक्ष उच्च पदाधिकारी यहां रात्रि विश्राम (रात गुजारना) नहीं करता। ऐसा माना जाता था कि उज्जैन का असली राजा बाबा महाकाल (महाकालेश्वर) ही हैं, इसलिए कोई अन्य ''राजा'' यहां रात नहीं रुक सकता-वरना अशुभ या कुर्सी/सत्ता पर खतरा हो सकता है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव, जो खुद उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं, उज्जैन के निवासी हैं, ने मुख्यमंत्री बनने के बाद (13 दिसंबर 2023 को शपथ के कुछ दिन बाद) 16-17 दिसंबर 2023 की रात अपने उज्जैन स्थित घर में रात्रि विश्राम किया। इससे उन्होंने इस मिथक को स्पष्ट रूप से तोड़ा, और साबित किया कि ''अंधविश्वास कमजोर व्यक्ति का धर्म है''। उनका कहना है ''राजा तो महाकाल हैं, हम तो उनके बेटे हैं''।

और अंत में ......। ''सार्वजनिक व्यक्ति'' के ''जन्म दिवस'' केवल ''व्यक्तिगत उत्सव'' नहीं होते हैं, बल्कि वे नए संकल्पों और जिम्मेदारियों को पुनः स्मरण करने का अवसर भी होते हैं।

डॉ. मोहन यादव के जन्मदिन पर यही अपेक्षा की जा सकती है कि उनका नेतृत्व ''परोपकाराय सतां विभूतयरू'' की नीति पर चलते हुए मध्य प्रदेश को विकास, सुशासन और सामाजिक समरसता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने में सफल होगा।

हिंदी पत्रकारिता के निर्भीक स्तंभ गणेश शंकर विद्यार्थी

डॉ.अशोक कुमार भार्गव

प्रसंग वश- 25 मार्च बलिदान दिवस गणेश शंकर विद्यार्थी पर विशेष आलेख

है नहीं शमशीर मेरे हाथ में तो क्या हुआ,
मैं अपनी कलम से ही करूंगा,
दुश्मनों के सर कलम । निसंदेह हिंदी पत्रकारिता जगत के निर्भीक,क्रांतिकारी पत्रकार, स्वाधीनता सेनानी, समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेश शंकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई में अपनी कलम को ही अपना अस्त्र बना लिया। उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया। 26 अक्टूबर1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बीता। प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज में हुई।पढ़ाई के दौरान ही उनका विवाह हो गया। कानपुर कर्म स्थली रही। कानपुर के सूती मिल के मजदूरों की दुर्दशा देख उनके हितों के संघर्ष हेतु उन्हें संगठित किया।1908 में कानपुर करंसी में नौकरी की बाद में हाई स्कूल में शिक्षक बने किंतु दोनों ही स्थान पर देश प्रेम को समर्पित अभ्युदय पत्रिका पढ़ने से मना करने पर स्वाभिमानी विद्यार्थी ने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। 1913 में महाराणा प्रताप के पराक्रम से प्रेरित होकर प्रताप नामक साप्ताहिक पत्र प्रारंभ किया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आशीष स्वरुप प्रताप के लिए यह पंक्तियां प्रेषित की जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं नर पशु निरा है और मृतक समान है विद्यार्थी ने इसे आरंभ से अंत तक प्रताप का मूल मंत्र बना पत्रकारिता को सामाजिक कर्म का प्रतीक निरूपित किया। प्रताप का समग्र सृजन नैतिक मूल्यों, आदर्शों, जन आंदोलनों और आजादी की लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध था। स्वाधीनता संग्राम के उच्चतम प्रतिमानों से प्रेरित होकर विद्यार्थी ने प्रताप के पहले अंक में प्रताप की नीति लेख लिखा जो आज भी पत्रकारिता के आदर्श घोषणा पत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। वे लिखते हैं आज अपने हृदय में नई-नई आशाओं को धारण करके और अपनी उद्देश्यों पर पूर्ण विश्वास रखकर प्रताप कर्म क्षेत्र में आता है। समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य हैऔर इसकी प्राप्ति का एक बहुत बड़ा जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं। वे प्रताप के माध्यम से अपनी ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए लिखते हैं हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों को उनके कर्त्तव्य और अधिकार समझाने का यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे। राजा और प्रजा में,एक जाति और दूसरी जाति में, एक संस्था और दूसरी संस्था में बैर और विरोध, अशांति और असंतोष ना होने देना हम अपना परम कर्तव्य समझेंगे। इसी लेख में वे पत्रकारिता के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की घुड़की या धमकी हमें अपने सुमार्ग से विचलित न कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ प्रदर्शक होंगे। सांप्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से प्रताप सदा अलग रहने की कोशिश करेगा। उसका जन्म किसी विशेष सभा, संस्था, व्यक्ति या मत के पालन पोषण,रक्षण या विरोध के लिए नहीं हुआ है किंतु उसका मत स्वातंत्र्य विचार और उसका धर्म सत्य होगा। हम जानते हैं कि हमें इस काम में बड़ी-बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा और इसके लिए बड़े भारी साहस और आत्म बल की आवश्यकता है। हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि हमारा जन्म निर्बलता, पराधीनता और अल्प सत्ता के वायुमंडल में हुआ है तो भी हमारे हृदय में सत्य की सेवा करने के लिए आगे बढ़ने की इच्छा है। हम न्याय में राजा और प्रजा दोनों का साथ देंगे परंतु अन्याय में दोनों में से किसी का भी नहीं। हमारी यह हार्दिक अभिलाषा है कि देश की विविध जातियों,संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े।

विद्यार्थी का अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पण अद्भुत था। अपने उद्देश्यों से भटकना वे मृत्यु के समान मानते थे। इसीलिए वह स्पष्ट करते हैं कि जिस दिन हमारी आत्मा ऐसी हो जाए कि हम अपने प्यारे आदर्श से डिग जावें, जानबूझकर असत्य के पक्षपाती बनने की बेशर्मी करें और उदारता, स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को छोड़ देने की भीरुता दिखाए,वह दिन हमारे जीवन का सबसे अभागा दिन होगा और हम चाहते हैं कि हमारी उस नैतिक मृत्यु के साथ ही हमारे जीवन का भी अंत हो जाए। विद्यार्थी की पत्रकारिता का यह कालजयी दर्शन आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ है। अपने क्रांतिकारी लेखों और भाषणों के कारण कई बार प्रताप पर उन्हें जुर्माना, सजा, दंड, कुर्की और पांच बार जेल यात्रा की सौगातें प्राप्त हुई। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक आंदोलन के समर्थन के साथ ही भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई। यद्यपि विद्यार्थी ने स्वराज अखबार से उर्दू में लिखना प्रारंभ किया था किंतु हिंदी के प्रति उनके ममत्व ने उन्हें हिंदी में लिखने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के हर संभव प्रयासों में अप्रतिम योगदान दिया। वह भाषा की महत्ता को गंभीरता से समझते थे इसीलिए एक बार बड़ी गहराई में उतर कर उन्होंने लिखा था मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा। देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है लेकिन अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता। क्योंकि भाषा हमारे जातीय जीवन और संस्कृति की रक्षिका, शील का दर्पण और विकास का वैभव है। पराई भाषा चरित्र की दृढ़ता का अपहरण कर लेती है,मौलिकता का विनाश कर देती है और नकल करने का स्वभाव बना कर उत्कृष्ट गुणोंऔर प्रतिभा से नमस्कार करा देती है। उन्होंने हिंदी को साहित्यिक जटिलता से मुक्त कर भारत के स्वाधीनता संग्राम, जन जागरण, सांप्रदायिक सद्भाव,मजदूरों, किसानों और आम आदमी की भाषा बनाया। उनके लेखों में हिंदी सरल बोधगम्य सशक्त विद्रोही भाषा के रूप में विकसित हुई। उन्होंने विक्टर ह्यूगो के प्रसिद्ध उपन्यास नाइंटी थ्री का हिंदी में बलिदान नाम से अनुवाद किया। हिंदी में शेखचिल्ली की कहानियां लिखी। हिंदी साहित्य सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की और सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हित वार्ता में उनके क्रांतिकारी लेख प्रकाशित होते रहे। विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर कांग्रेस अधिवेश में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है। अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च 1925 को शहीद ऐ आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत की आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुस्लिम दंगों की धधकती ज्वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी। दो दिन बाद लाशों के ढेर में उनके शव की पहचान की गई। हैवानियत के उस नर्क में आजादी का स्वप्न देखने वाली आंखें सदा के लिए बंद हो गई। जिस धार्मिक कट्टरता और उन्माद को शांत करने के लिए वे जीवन भर संघर्ष करते रहे उसी ने प्रताप को जीवन देने वाली लेखनी के साहसी योद्धा की जीवन यात्रा का ही जघन्य अवसान कर दिया।आजादी के लिए बलिदानों के महाकाव्य लिखने वाले असंख्य हुतात्माओं में गणेश शंकर विद्यार्थी का नाम सांप्रदायिक सद्भाव, मानवीय कल्याण, देश प्रेम देशभक्ति के निर्भीक इतिहास की वंदनीय शहादत बन गई। उनका विश्वास था कि धर्म ने ज्ञान प्रचार का आदेश दिया, धार्मिक आडंबर ने घोर अज्ञान फैलाया।धर्म ने मनुष्य के सामने धर्म का सर्वश्रेष्ठ आदर्श रखा किंतु धार्मिक आडंबरों ने उसे पग पग पर पीछे धकेला है।

आज का राशिफल

मेष राशिः व्यावसायिक सफलता और नौकरी में सुधार होगा। स्वास्थ्य बेहतर है, लेकिन प्रेम में दूरियां संभव हैं

वृषभ राशिः भाग्य साथ देगा और काम बनेंगे, लेकिन स्वास्थ्य और संतान की सेहत का ध्यान रखें

मिथुन राशिः रुका हुआ धन मिल सकता है और निवेश से फायदा होगा।

कर्क राशिः जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में तरक्की होगी।

सिंह राशिः नौकरी में तरक्की मिलेगी और रुके काम पूरे होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा

कन्या राशिः भावनाओं पर नियंत्रण रखें और समझदारी से फैसले लें।

तुला राशिः घर में तनाव हो सकता है। स्वास्थ्य प्रभावित रह सकता है, इसलिए सतर्क रहें।

वृश्चिक राशिः आय के स्रोत बढ़ेंगे और रोजगार में सफलता मिलेगी

धनु राशिः धनहानि के संकेत हैं, इसलिए निवेश करने से बचें।

मकर राशिः सकारात्मक ऊर्जा रहेगी और रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है

कुंभ राशिः व्यापार में उपलब्धियां मिलेंगी। नए प्रोजेक्ट मिलने की संभावना है

बच्चे का डर इस प्रकार कम होगा

आम तौर पर देखा जाये तो नवजात शिशु किसी वजह से डर जाते हैं या घबरा कर उठ जाते हैं। हालाँकि, यह समस्या न केवल नवजात में बल्कि एक साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों में भी देखने को मिलती है। क्योंकि, कुछ चीज़ें ऐसी हैं जिससे कि उन्हें डर लगता है। ऐसे में अभिभावकों को उन्हें डर से बचाने यह करना होगा।

नवजात शिशु कई बार अचानक से उठ जाते हैं। इतना ही नहीं वह रोना भी शुरू कर देते हैं। वहीं जो बच्चे थोड़े बड़े होते हैं उनमें भी यह समस्या देखने को मिलती है, क्योंकि वह अपनी कल्पना को नींद के जरिए ही देखते हैं, जिसमें कुछ अच्छे सपने भी होते हैं और कुछ बुरे सपने भी होते हैं। बच्चे को सबसे ज्यादा डर अंधेरे से लगता है। कुछ अभिभावक ऐसे भी होते हैं जो अपने बच्चे को शांत करवाने के लिए या अपनी बातों को मनवाने के लिए अँधेरे का सहारा लेते हैं, जो कि बहुत गलत है। क्योंकि, इससे बच्चे काफी डर जाते हैं, जिसका असर बच्चे पर बहुत बुरा होता है। ऐसे में, अपने बच्चे में इस डर को दूर करने की कोशिश करें।

जब बारिस का मौसम होता है, और खासकर जब बिजली कड़कने की आवाज आती है तो बच्चे डर कर उठ जाते हैं। कुछ बच्चे तो ऐसे होते हैं कि इसके आवाज को सुनकर रोने लगते हैं। ऐसे में, आप अपने बच्चे को इसके बारे में बताएं कि इसमें घबराने की कोई बात नहीं है, और उन्हें शांत रखने की कोशिश करें।

हालाँकि, यह सच है कि बच्चे उन लोगों के पास ज्यादा खुशी से रहते हैं, जिन्हें वह जानते हैं पर जैसे ही आप उन्हें अपने किसी दोस्त या रिश्तेदार से मिलाते हैं तो वह बहुत असहज महसूस करते हैं, और कभी-कभी उन्हें देख कर रोने लगते हैं। ऐसे में, आप अपने बच्चे को थोड़ा जानने का समय दें ताकि वह उनके साथ घुल-मिल सके।

बच्चे सबसे ज्यादा सुरक्षित अपने अभिभावकों के साथ महसूस करते हैं क्योंकि, वह बचपन से ही उनके साथ रहते हैं, इसलिए जब भी आप अपने बच्चे से थोड़ी देर के लिए दूर होते हैं तो वह रोने लगते हैं। हालाँकि, यह गलत बात है, क्योंकि बच्चे को सिर्फ अपनी आदत न लगने दें, इसके लिए आप उन्हें अपने दादा-दादी या फिर घर के अन्य लोगों के साथ छोड़ें। ताकि वह आपके अलावा, घर के अन्य लोगों के साथ घुल-मिल सकें।

लॉफिंग ज़ोन

मरीज (डॉक्टर से)- मुझे अजीब सी बीमारी हो गयी है.. जब मेरी बीवी बोलती है तो मुझे कुछ सुनाई नही देता..
डॉक्टर- ये बीमारी नही खुदा की नियामत है।

□ □ □

एक रोगी नींद से उठकर डॉक्टर से बोला- कमाल हो गया डॉक्टर साहब! मैंने खुदकुशी करने के लिए दसवीं मंजिल से छलांग लगा दी थी पर मैं अभी तक जिंदा हूं!
डॉक्टर साहब बोले- बेशक आप मरे नही जिंदा हैं? पर जिस आदमी पर आप गिरे थे, वह उसी वक्त मर गया था।

□ □ □

गरीब मरीज- डॉक्टर साहब मेरे पास पैसे नही हैं आप मेरा इलाज कर दें तो कभी आपके काम आऊंगा।
डॉक्टर- तुम काम क्या करते हो?
मरीज- जी कब्र खोदता हूं।

□ □ □

एक डॉक्टर ने अपनी लाइफ का पहला ऑपरेशन किया! ऑपरेशन के थोड़ी देर बाद ही मरीज मर गया!
मरीज के मरने के बाद डॉक्टर ने दीवार पर टंगी भगवान की तस्वीर की ओर हाथ जोड़कर सिर झुकाते हुए पूरी श्रद्धा के साथ कहा- हे प्रभु मेरी ओर से ये पहली भेंट स्वीकार कीजिए!

□ □ □

आज का इतिहास-25 मार्च

1507 फ्रांस नरेश लुई 12वें ने जेनोआ (इटली)पर हमला किया.

1815 नेपोलियन बोनापार्ट के खिलाफ आस्ट्रिया,ब्रिटेन,प्रसिया,रूस ने गठबंधन किया.

1983 सागर अनुसंधान के लिए अति आधुनिक जहाज सागरकन्या का जलावतरण किया गया था.

1941 द्वितीय विश्व युद्ध में रोम, बर्लिन, टोकियो गठबंधन में यूगोस्लाविया भी शामिल हो गया.

1957 इटली,बेल्जियम,पश्चिम जर्मनी, लक्जमबर्ग और नीदरलैंड ने साझा बाजार और यूराटोम के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किये.

1969 पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने ग्यारह वर्ष बाद सत्ता सेना को सौफ दी .

1975 सऊदी अरब के शाह फैजल की हत्या उनके भतीजे ने की.

1987 अफ़गानी विमानों की बमबारी में पाकिस्तानी सीमा पर 80अफगान छापामार और नागरिक मारे गए.

1820 ब्रिटिश उपन्यासकार ऐन ब्रोंट का जन्म.

1992 पाकिस्तान विश्वकप क्रिकेट चेम्पियन बना.

1988 बंगाल व उड़ीसा मे भयंकर तुफान से 200 मरे.

1911 न्यूयार्क सिटी,अमेरिका में ट्रेंगल शर्टवेस्ट फैक्ट्री मे आग लगने से145 लोगों की मृत्यु.

2000 सुरक्षा बलों ने पांच विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया.

2004 गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का नोहल मेडल चोरी हुआ.

महिलाओं को राशि के अनुसार दें उपहार

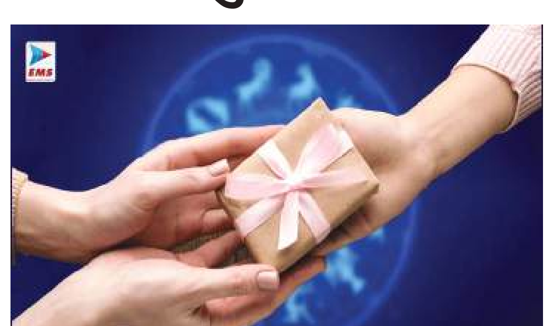

हर राशि की महिला का अपना अलग स्वभाव व पसंद होती है। इसलिए महिलाओं को उनकी पसंद के अनुसार उपहार दिये जाने चाहिये। ऐसे में अगर आप किसी लड़की को उसकी पसंद के कपड़े या फैशन की कोई वस्तु देना चाहते हैं, तो उसकी राशि के अनुसार ही दें। इसमें सिर्फ कपड़े ही नहीं अन्य सभी समान भी आते हैं। राशियों के अनुसार महिलाओं की पसंद ऐसी होती है। मेष राशि- मेष राशि वाली महिलाओं में एक खास खूबी होती है। यह किसी भी नए फैशन ट्रेंड को अपनाने में सबसे आगे रहती हैं। फिर बात चाहे नए तरह के बैग खरीदने की हो या फिर दोस्तों के बीच फैशनेबल दिखने की। मेष राशि की महिलाएं नए ट्रेंड को लेकर काफी साहसी भी होती हैं और नए स्टाइल को लेकर इनमें किसी तरह की झिझक नहीं होती है। इस राशि की महिलाएं लाल रंग को पसंद करती हैं और अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए चमकदार एसेसरीज को अधिक तवज्जो देती हैं। वृष राशि- इस राशि की महिलाएं ब्रांड और लेबल को लेकर बेहद सजग होती हैं। यह ब्रांडेड और गुणवत्तायुक्त कपड़े खरीदना ही पसंद करती हैं। मिथुन राशि- इस राशि की महिलाएं काफी मजाकिया और प्यार के प्रति संवेदनशील होने के साथ ही अपने अजीबो-गरीब फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। वह सीजन के साथ बदलते फैशन ट्रेंड को पसंद करती हैं। साथ ही नए तरह के लुक और अलग स्टाईल को भी प्रचलन में लाती हैं और बाद में उन्हें अपना खुद का फैशन बताने लगती हैं। कर्क- कर्क राशि की महिलाएं परंपरागत और आरामदायक वस्त्रों को पसंद करती हैं। रूढ़ीवादी पसंद के बावजूद इस राशि की महिलाएं अपनी त्वचा पर विशेष ध्यान देती हैं। इस राशि की महिलाएं किसी भी ट्रेंड को ज्यादा समय तक नहीं अपनाती हैं और इनकी पसंदीदा एसेसरीज नेकलेस और मोती है। सिंह राशि- इस राशि की महिलाएं लक्जरी को पसंद करती हैं। इनके लिए यह जरूरी नहीं कि कपड़े और एसेसरीज महंगे ही हो, पर वह विशिष्ट जरूर हों। इस राशि की महिलाओं की पसंद काफी अच्छी होती है। कन्या राशि - इस राशि की महिलाएं कभी भी हल्का सा भी मुड़ा हुआ वस्त्र नहीं पहनती हैं। ऐसी महिलाएं रूढ़ीवादी होने के साथ-साथ प्रगतिशील भी होती हैं और इनका फैशन इनके व्यक्तित्व को दर्शाता है। इस राशि की महिलाएं साधारण, अच्छी फिटिंग और एक से अधिक सीजन तक चलने वाले कपड़ों को तवज्जो देती हैं। तुला-राशि की महिलाएं कपड़ों का चयन करने में थोड़ा समय जरूर लेती हैं, लेकिन उनके सामने फैशन को लेकर कभी भी संकट की स्थिति नहीं होती है। मेकअप की बात करें तो यह हल्का और प्राकृतिक ही होता है। वृश्चिक राशि की महिलाओं में फैशन को लेकर खासा क्रेज होता है। इस राशि की महिलाएं ट्रेंड को पसंद करती हैं। उन्हें पता होता है कि उनके लिए क्या अच्छा है और इनके अंदर दिखावे का डर नहीं होता। यह रूप बदलने में माहिर होती हैं। धनु राशि- की महिलाएं फैशन के बढ़ते प्रचलन की परवाह नहीं करती है। यह फैशन को तभी अपनाती है जब अपने परिवेश में वह उस फैशन को लेकर सहज महसूस करे। धनु महिलाएं मेकअप काफी कम करती हैं और यदा-कदा ही गहनों का प्रयोग करती हैं। इस राशि की महिलाएं साधारण, रूढ़ीमुक्त और निरहंकारी होती हैं। मकर राशि-इस राशिकी महिलाओं के लिए स्टेटस और इमेज काफी महत्वपूर्ण होता है। जब ये काम पर नहीं होती है तो इनका स्टाईल काफी सामान्य होता है। पर बहुत ज्यादा केजुअल भी नहीं। इस राशि की महिलाएं पहनावे को सफलता से जोड़कर देखती हैं। ऐसेसरीज और आभूषणों पर इस राशि की महिलाएं काफी खर्च करती हैं। कुंभ राशि- इस राशि की महिलाएं शॉपिंग मॉल से काफी दूर रहती हैं। इसके बजाए यह सस्ते स्टोर से पारंपरिक चीजें खरीदना पसंद करती हैं। ये फैशन फॉलोअर नहीं होती हैं। वहीं करती हैं। उनका अपना व्यक्तिगत स्टाइल होता है। इन्हें वैसे रंग पसंद है जो हल्का हो और बर्बस ही ध्यान खींचते हों। जैसे फिरोजी नीला, गुलाबी और हरा। मीन राशि और फैशन पानी को कभी भी सीमाएं नहीं पसंद, इसी प्रकार मीन राशि वालों को भी बंदिशें नहीं पसंद। वो हमेशा ग्रेसफुल दिखना चाहती हैं। इस राशि की लड़कियों की एक खासियत यह भी होती है कि ये वही कपड़े पहनती हैं, जिसमें वो कंफर्टेबल महसूस करें।

ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

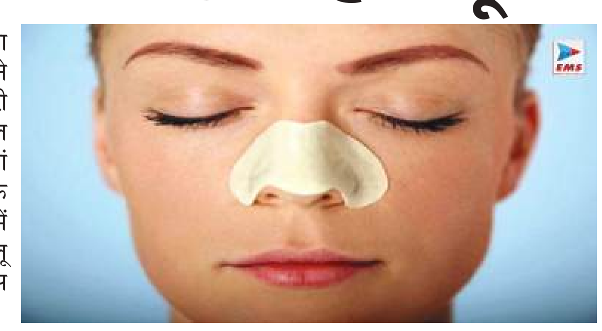

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर विपरीत प्रभाव डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिनसे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं। ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फैंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें। पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2-3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें।

दैनिक पंचांग

25 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.03 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.43 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.42 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.11 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.23 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.34 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.48 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.04 बजे से
राहुकाल		मकर	02.10 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	03.56 बजे से
		मीन	05.29 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 84 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 13.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 17.34 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 06.02 बजे तदनन्तर सौभाग्य 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 13.51 बजे तदनन्तर विष्टि 00.48 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 5.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872659
जूलियन दिन 2461124.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बाहरी नहीं प्राकृतिक सुंदरता निखारना है जरुरी

सभी युवतियां अपनी बाहरी सुंदरता को लेकर बेहद सजग रहती हैं जो ठीक भी है पर इसके साथ ही प्राकृतिक सुंदरता पर भी ध्यान दें। हैं। बाहरी त्वचा को सुंदर बनाने के फेर में हम प्राकृतिक सुंदरता का अहसास नहीं कर सकते। अगर आप सचमुच उस प्राकृतिक सुंदरता को पाना चाहती हैं तो अपने अंदर की असली सुंदरता को पहचानें। अपनी जिंदगी में सभी चीजों के बीच संतुलन कायम करने का सफल प्रयास करें। इससे न केवल आप खुश रहेंगे बल्कि आप स्वस्थ भी महसूस करेंगे। इससे आपके अंदर की असली सुंदरता स्वयं निखरकर बाहर आ जाएगी और आप पहले से कहीं ज्यादा सुंदर दिखाई देंगी। इसे ऐसे हासिल करें।

तुलना न करें

जहां बात आती है अपने सुंदर दिखने की तो हम अक्सर दूसरे लोगों से अपनी तुलना करने लग जाते हैं जबकि यह सही नहीं है। अपनी सुंदरता को लेकर दूसरों से अपेक्षा पर निर्भर रहने की बजाय स्वयं उस आंतरिक सुंदरता का दिदार करें। आपकी सुंदरता को निहारने का सबसे पहला अधिकार आपका ही है। इसलिए अपने अंदर की सुंदरता को पहचानें और उससे प्यार करें। आपका खुद के साथ संतुष्ट होना बहुत आवश्यक है क्योंकि इससे आप स्वयं का बहुत ज्यादा ध्यान रखना शुरू कर देंगी।

इसके अलावा खुद को पसंद करना एक महिला के लिए इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसके माध्यम से वह अपने अंदर छुपी एक ऐसी नारी की पहचान कर लेती है जो पुरूषों को आकर्षित करने का प्रयास नहीं करती, बल्कि असली वास्तविकता से जुडी है। यह बिल्कुल मायने नहीं रखता कि कोई पुरूष आपको पसंद करे या न करें। स्वयं के अंदर असली रूप में मौजूद सुंदरता से प्यार करें क्योंकि इससे होने वाली अंदरूनी खुशी के कारण बाहरी सुंदरता भी अपने आप खिल उठती है।

नारीत्व गुण कायम रखें

अक्सर पुरूष उन्हीं महिलाओं को ज्यादा देखना पसंद करते हैं जो नारीत्व गुण से जुड़ी हुई हैं। जिस नारी के अंदर नारीत्व गुण बना हुआ है, वह आज भी बहुत ज्यादा सुंदर दिखाई देती है। क्योंकि नारीत्व गुण खत्म नहीं हुआ है, यह आज भी मौजूद है। माना कि इसमें त्याग है, सहनशीलता है लेकिन यह बहुत ज्यादा मजबूत है। सबसे ज्यादा आकर्षित होता है एक औरत का उत्साह जिसके बल पर वह अपने को मजबूत महसूस करती है। आप जितना ज्यादा अपनी नारी शक्ति का समर्थन करती है यह उतनी ही ज्यादा आपको मजबूती प्रदान करती है।

आभूषण के संदेश को भी समझें

आभूषण नारी को हमेशा प्रिय रहे हैं। इससे नारी का सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है।

आभूषण सुंदरता बढ़ाने के साथ ही उसे स्वस्थ भी रखते हैं। हर आभूषण् के अंदर एक गुण सन्देश छिपा है। सभी महिलाओं को चाहिये की आभूषण धारण करने के साथ ही आभूषण के अन्तर्गत निहीत अर्थ संन्देश को भी हृदयगम करे, ताकी उस आभूषण नाम सार्थक हो सके|

काजल - शील का जल आंखों में रखें|
नथ - मन को नियन्त्रित रखें, जिससे नाक ऊंची रहे |
टीका - बुराई छोड़ दे |
बिंदी - ध्यान रखें यश का ही टीका लगे|
वंदनी - पति एवं गुरूजनों की वन्दना करें |
कर्ण फूल - कानों से दूसरों की प्रशंसा सुनें |
कण्ठहार - पति के गले का हार बनें |
कड़े -किसी से कड़ी बात न बोलें|
छल्ले - किसी से छल न करें
करधनी या कमरबंद - सत्कर्मो के लिए हमेशा कमर बाँधकर तैयार रहें|
पायल - सभी बड़ी बूढ़ी औरतों के पाँव (चरण) स्पर्श करें|
मेहेंदी - लाज की लाली बनायें रखें|

संक्षिप्त खबरें

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 26 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.79 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे टूटकर 93.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ बातचीत जारी होने के संकेत देने के बावजूद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती रहीं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि विदेशी पूंजी की भारी निकासी से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा जबकि घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत शुरुआत ने तेज गिरावट को कुछ हद तक कम कर दिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.66 पर खुला। हालांकि बाद में टूटकर 93.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 94 के स्तर को लांघ गया था। हालांकि अंत में संभलता हुआ 93.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने ने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 फीसदी की बढ़त के साथ 99.36 पर रहा।

एचडीएफसी बैंक में चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बाहरी जांच शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी में अचानक बदलाव ने कॉरपोरेट गवर्नेंस को लेकर बहस छेड़ दी है। बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च 2026 से अपना पद छोड़ दिया। उन्होंने इस्तीफे में बैंक के भीतर कुछ प्रथाओं और गतिविधियों का हवाला दिया, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। चक्रवर्ती ने स्पष्ट किया कि उनके इस्तीफे के पीछे कोई अन्य महत्वपूर्ण वजह नहीं है। बैंक ने उनके इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी लॉ फर्म्स नियुक्त की हैं। बैंक प्रवक्ता के अनुसार यह कदम पूरी तरह प्रोएक्टिव है और इसका उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और तथ्यपरक समीक्षा करना है। बैंक दशकों से अपनाए गए उच्चतम गवर्नेंस मानकों के अनुरूप खुद को परखता रहा है और यह पहल उसी दिशा में उठाया गया कदम है।

राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार को पेट्रोल 104.72 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर हैं। पिछले 10 दिनों में पेट्रोल का दायरा 104.72 से 105.21 रुपये और डीजल का 90.21 से 90.65 रुपये के बीच रहा। राजधानी में स्थिरता के बावजूद राज्य के अन्य जिलों में कीमतों में हल्की बढ़त और गिरावट देखी गई। अजमेर में पेट्रोल 0.17 रुपये बढ़कर 104.53 रुपये और अलवर में 0.36 रुपये घटकर 104.83 रुपये प्रति लीटर रही। बांसवाड़ा, बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में दाम लगभग स्थिर 106.20 से 106.21 रुपये के बीच हैं। नागौर में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई, पेट्रोल 1.01 रुपये बढ़कर 106.29 रुपये प्रति लीटर हुआ। दौसा और कोटा में क्रमशः 0.70 और 0.67 रुपये की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, डीग में 0.69 रुपये और जोधपुर में 0.34 रुपये की गिरावट हुई। झुंझुनूं, चूरू और सिरोही में भी कीमतें कम हुईं। डीजल की कीमत जयपुर में स्थिर बनी रही, लेकिन अन्य जिलों में बदलाव नजर आया। अजमेर में 0.16 रुपये की बढ़त हुई और अलवर में 0.32 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। नागौर में 0.93 रुपये की सबसे बड़ी बढ़ोतरी हुई। दौसा और कोटा में क्रमशः 0.63 और 0.61 रुपये बढ़े, जबकि डीग और जोधपुर में दाम घटकर क्रमशः 89.75 और 90.00 रुपये पर आ गए। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर-रुपये का विनिमय दर और टैक्स स्ट्रक्चर ईंधन की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। उपभोक्ताओं को रोजाना रेट्स चेक करने की सलाह दी जा रही है, क्योंकि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मामूली बदलाव हमेशा संभव हैं।

हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति चुनौतीपूर्ण, कर्ज और ब्याज बोझ बढ़ा

वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 41,173 करोड़ रुपये कर्ज लिया

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 41,173 करोड़ रुपये कर्ज लिया और 32,004 करोड़ रुपये चुकाए। इस तरह कुल ऋण देनदारी 2025-26 में 1,03,994 करोड़ रुपये रही, जो 2026-27 में बढ़कर 1,12,319 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। पिछले तीन वर्षों में कर्ज लगातार बढ़ता रहाः 2022-23 में 76,681 करोड़, 2023-24 में 85,295 करोड़ और 2024-25 में 93,625 करोड़। ब्याज भुगतान 2024-25 में 6,261 करोड़ था, जो 2025-26 में 6,693 करोड़ और 2026-27 में 7,271 करोड़ तक बढ़ने का अनुमान है। वेतन, पेंशन, कर्ज और ब्याज जैसी प्रतिबद्धताओं पर कुल बजट का लगभग 80 फीसदी खर्च होता है। सब्सिडी घटाकर 2026-27 में 859 करोड़ रुपये, 2027-28 में 911 करोड़ और 2028-29 में 965 करोड़ रुपये करने का अनुमान है। इससे पूंजीगत कार्यों और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए केवल 20 फीसदी बजट बचता है।

एसीएमई सोलर ने राजस्थान में 155 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली शुरू की

नई दिल्ली। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से राजस्थान में 155 मेगावाट /470.25 मेगावाट-घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) लॉन्च की है। अब कंपनी की कुल चालू बीईएसएस क्षमता 297.67 मेगावाट/951.74 मेगावाट-घंटा हो गई है। ये बैटरियां मौजूदा अंतर-राज्यीय प्रसारण प्रणाली से जुड़ी हैं और मुक्त बाजार के आधार पर संचालित होंगी। कम मांग के समय चार्ज और उच्च मांग में ऊर्जा निर्वहन से अतिरिक्त राजस्व होगा। विशेष इकाई के तहत कुल बीईएसएस क्षमता 835 मेगावाट/3,114.64 मेगावाट-घंटा है। एसीएमई सोलर का कुल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो 8,071 मेगावाट है, जिसमें सौर, पवन, भंडारण और मिश्रित समाधान शामिल हैं। यह कदम न केवल ऊर्जा संतुलन बढ़ाएगा बल्कि ग्रिड की स्थिरता में भी योगदान देगा।

केपीआईएल को टीएंडडी कारोबार में 4,439 करोड़ के ठेके मिले

नई दिल्ली (ईएमएस)। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) और उसकी अनुषंगी कंपनियों को पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) क्षेत्र में करीब 4,439 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। इनमें अफ्रीका में 400 किलोवाट पारेषण लाइन और सबस्टेशन, भारत में पारेषण लाइन परियोजनाएं और स्वीडन में एक सबस्टेशन परियोजना शामिल हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टीएंडडी कारोबार कंपनी को अपनी मजबूत बाजार स्थिति और एकीकृत क्षमताओं का लाभ उठाकर विश्वस्तरीय ईपीसी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने यह भी बताया कि नए ठेकों के साथ कंपनी ने 26,000 करोड़ रुपये के वार्षिक ऑर्डर लक्ष्य को पार कर लिया है। केपीआईएल मुख्यतः बिजली पारेषण और वितरण, भवन एवं कारखाने, जल आपूर्ति और सिंचाई, रेलवे, तेल एवं गैस पाइपलाइन, शहरी परिवहन, राजमार्ग और हवाई अड्डों में कार्य करती है। यह कंपनी ईपीसी क्षेत्र में प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में जानी जाती है और अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स के जरिए उद्योग में मजबूत स्थिति बनाए रखती है।

जीएसपी क्रॉप साइंस का शेयर चार प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 320 रुपए के मुकाबले 3.84 रुपए की बढ़त के साथ बीएसई पर 332.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। लिस्टिंग के बाद शेयर में और तेजी आई और यह 362.30 रुपए तक पहुंच गया, जो लगभग 13.21 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कंपनी का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 304-320 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में आया था। अंतिम बोली के दिन आईपीओ को 1.61 गुना अभिदान मिला, जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,372, निफ्टी 399 अंक उछला।

मुंबई (ईएमएस) । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन ये तेजी मध्यपर्व में संघर्ष सामाप्त होने की संभावओं के कारण आई है। इससे घरेलू बाजार में भी खरीददारी हावी रही। । ऑटो और बैंक शेयरों में भी उछाल आया।, जिससे दोनों प्रमुख बेंचमार्क अपने दिन के उच्चतम स्तर के करीब बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंकों की बढ़त के साथ 74,068.45 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 399.75 अंक उछलकर 22,912.40 पर था।

आज सेंसेक्स एक समय 74,489.39 पर दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी एक समय 23,057.30 तक पहुंच गया। व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप में 2.60 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 2.63 फीसदी की बढ़त रही।

ऑटो सेक्टर में 2.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज रही जबकि निफ्टी मीडिया में 3.45 प्रतिशत की तेजी आई। निफ्टी बैंक सेक्टर 2.27 फीसदी की तेजी रही। निफ्टी आईटी में 1.72 फीसदी जबकि निफ्टी एफएमसीजी में 1.25 फीसदी की तेजी आई।

आज इंडिगो और एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.49 फीसदी और 5.17 फीसदीकी बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद बजाज फाइनेंस, इटरनल, एशियन पेंट्स और अपोलो हॉस्पिटल के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। कोल इंडिया, पावरग्रिड, सन फार्मा और सिप्ला के शेयरों में गिरावट आई।बाजार में आई तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 7.74 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। इससे गत दिवस के 15.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 422.85 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करीब 8 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिका तथा ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया। सेंसेक्स 500 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 74,212.47 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 1067.47 अंकों की बढ़त के साथ लगभग 73,763.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूत शुरुआत के साथ 22,878 पर खुला। । बाजार में इस तेजी के पीछे प्रमुख कारण अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत की खबर है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा था कि दोनों देशों के बीच सकारात्मक और सार्थक चर्चा हुई है, जिससे लंबे समय से चले आ रहे तनाव का समाधान निकल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ती है, जिसका असर बाजार में तेजी के रूप में दिखता है।

भारतीय रेलवे ने किए बड़े बदलाव, टिकट रिफंड और अपग्रेड नियम हुए सख्त

- 8 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर यात्रियों को कोई रिफंड नहीं मिलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और टिकट नीतियों में सुधार के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब टिकट कैंसिलेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। ये नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच लागू होंगे। रेलवे ने कहा है कि यात्रियों को इन बदलावों को ध्यान में रखते हुए अपनी योजना बनानी चाहिए।नए नियमों के अनुसार, अगर कोई यात्री यात्रा से 8 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे कोई रिफंड नहीं मिलेगा। वहीं 24 से 8 घंटे पहले रद्द करने पर केवल 50 फीसदी रिफंड मिलेगा। तीन दिन (72 घंटे) पहले रद्द करने पर भी पूरे पैसे नहीं मिलेंगे, बल्कि 25 फीसदी कटौती के साथ सिर्फ 75 फीसदी राशि लौटाई जाएगी। यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि अब ऑफलाइन टिकट रद्द कराने के लिए उसी स्टेशन पर जाने की जरूरत नहीं है जहां टिकट खरीदी गई थी। देश के किसी भी रेलवे स्टेशन पर जाकर रिफंड लिया जा सकेगा। इससे यात्रियों की भागदौड़ कम होगी और सुविधा बढ़ेगी। रेलवे ने यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। अब यात्री ट्रेन खुलने के आधे घंटे पहले तक कोच या क्लास बदल सकते हैं, यानी स्लीपर से एसी में अपग्रेड संभव होगा। इसके अलावा, अगर कोई यात्री तय स्टेशन के बजाय आगे के किसी स्टेशन से ट्रेन पकड़ना चाहता है, तो मोबाइल ऐप के जरिए बोर्डिंग पॉइंट बदलना अब आसान होगा। इन बदलावों का मकसद यात्रियों को अधिक लचीलापन देना और सीट आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

जोमैटो के बाद अब स्विगी से खाना मंगाना हुआ मंहगा........प्लेटफॉर्म फीस बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने खाना ऑर्डर करने पर लगने वाली प्लेटफॉर्म फीस को 17 प्रतिशत बढ़कर 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर किया है, जो पहले 14.99 रुपए थी। स्विगी एप के बिल के अनुसार, प्लेटफॉर्म फीस में करीब 17 प्रतिशत या 2.59 रुपए का इजाफा हुआ है। कंपनी का कहना है कि यह वृद्धि प्लेटफॉर्म के संचालन और रखरखाव में मदद करने के उद्देश्य से की गई है। इसके पहले स्विगी ने अगस्त 2025 में प्लेटफॉर्म फीस में करीब 2 रुपए की वृद्धि की थी, जो कि पहले 12 रुपए थी। इससे पहले अन्य फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोत्तरी की थी। जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में 19.2 प्रतिशत या 2.40 रुपए प्रति ऑर्डर का इजाफा किया था। बढ़ोतरी के बाद नई प्लेटफॉर्म फीस 14.90 रुपए प्रति ऑर्डर (जीएसटी से पहले) हो गई है, जो कि पहले 12.5 रुपए थी। जीएसटी सहित अब फीस 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर हो गई है। प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी तब हुई है, जब हाल ही में एलपीजी की कीमतों में इजाफा हुआ है, जिससे रेस्तरां की लागत में बढ़ोतरी देखी गई है। इससे पहले जोमैटो ने आखिरी बार सितंबर 2025 में प्लेटफॉर्म शुल्क में बदलाव किया था। इससे पहले, फरवरी 2025 में, जोमैटो ने त्यौहारी सीजन के दौरान प्लेटफॉर्म शुल्क को 6 रुपए प्रति ऑर्डर से बढ़ाकर 10 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया था।

भारत का पावर सेक्टर दोगुनी रफ्तार पर 2036 तक 1,121 गीगावॉट पहुंचने का अनुमान

सोलर में तेज उछाल, लेकिन कोयले की अहम भूमिका बरकरार, एनर्जी स्टोरेज बनेगा नया ग्रोथ इंजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का पावर सेक्टर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है और आने वाले वर्षों में इसमें तेज विस्तार देखने को मिल सकता है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथारिटी (सीईए) के नेशनल प्लान के अनुसार देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता जनवरी 2026 के करीब 521 गीगावॉट से बढ़कर 2036 तक 1,121 गीगावॉट तक पहुंच सकती है। यह इशारा करता है कि अगले दशक में सेक्टर का आकार दोगुने से भी अधिक हो जाएगा। देश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच पीक डिमांड 190 गीगावॉट से बढ़कर करीब 250 गीगावॉट तक पहुंच गई। हालांकि वित्त वर्ष 2026 में लंबा मानसून और हल्की सर्दी के कारण मांग में थोड़ी नरमी देखी गई, लेकिन इसे अस्थायी माना जा रहा है। लंबे समय में शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता उपयोग, डेटा सेंटर और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्र बिजली की मांग को मजबूती देते रहेंगे। सीईए के अनुसार 2036 तक कुल क्षमता में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा गैर-कोयला स्रोतों का होगा, जिसमें सोलर ऊर्जा का सबसे बड़ा योगदान रहेगा। सोलर क्षमता 509 गीगावॉट तक पहुंच सकती है। इसके बावजूद कोयले की भूमिका खत्म नहीं होगी, क्योंकि यह स्थिर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के लिए जरूरी बना रहेगा और कुल उत्पादन में इसका बड़ा हिस्सा रहेगा। रिपोर्ट में एनर्जी स्टोरेज को सबसे बड़ा अवसर बताया गया है। 2036 तक करीब 174 गीगावॉट की स्टोरेज क्षमता विकसित होने का अनुमान है, जिसमें पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) और बैटरी स्टोरेज (बीईएसएस) शामिल होंगे। सरकार का ज्यादा जोर पीएसपी पर है, क्योंकि यह लंबे समय के लिए अधिक किफायती और प्रभावी विकल्प है। इस बदलाव का फायदा पावर सेक्टर की कंपनियों को मिलने की उम्मीद है। एनटीपीसी, अडाणी पावर और जेएसडब्ल्यू इनर्जी जैसी कंपनियों के लिए ग्रोथ के अवसर मजबूत बने हुए हैं, जबकि पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया को ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार से लाभ मिल सकता है।

बासमती चावल निर्यातक कंपनी एक्सपोर्ट्स का आईपीओ खुला

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा स्थित बासमती चावल निर्यातक कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार (एक्सपोर्ट्स) लिमिटेड का आईपीओ मंगलवार को खुल गया। यह पेशकश पूरी तरह से नए इक्विटी शेयरों की होगी और इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल नहीं है। कंपनी ने अपने शेयरों का प्राइस बैंड 201 से 212 रुपए प्रति शेयर तय किया है। अपर प्राइस बैंड पर कुल इश्यू साइज 400 करोड़ रुपए का है।

नॉन-लिस्टेड शेयर मंगलवार को ग्रे मार्केट में 219 रुपए पर कारोबार कर रहे थे, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 212 रुपए के मुकाबले 3 फीसदी प्रीमियम दर्शाता है। इसका संकेत है कि निवेशकों में आईपीओ को लेकर सकारात्मक भावना है। ब्रोकरेज हाउस एंजल वन ने इस आईपीओ को सब्सक्राइब फॉर लॉन्ग टर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज के अनुसार अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का इश्यू के बाद प्राइस अर्निंग रेश्यो 22.6 गुना है। यह वैल्यूएशन बासमती चावल सेक्टर की अन्य लिस्टेड कंपनियों की तुलना में संतुलित माना जा रहा है।

मजबूत निर्यात कारोबार और ब्रांडेड एवं घरेलू खंड में विस्तार के अवसर इसे आकर्षक बनाते हैं। रिटेल निवेशक अधिकतम 70 शेयर प्रति आवेदन खरीद सकते हैं, जिससे 1 लॉट की कीमत 14,840 रुपए होगी। कुल आईपीओ का 50 फीसदी योग्य संस्थागत निवेशकों के लिए, 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए और 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए रिजर्व है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच सोना-चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते कूटनीतिक तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जुबानी टकराव ने सोना और चांदी के निवेशकों को हैरान कर दिया है। मंगलवार सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली। वैश्विक स्तर पर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंकाओं और ईरान के अमेरिकी ठिकानों पर हमले तेज करने की खबरों ने बाजार को हिलाकर रख दिया। अप्रैल वायदा सोना 1,36,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 2,315 रुपये कम है। वहीं चांदी का मई अनुबंध 2,15,765 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गया, यानी 9,569 रुपये की गिरावट। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 14,050, 22 कैरेट 12,880 और 18 कैरेट 10,541 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतें लगभग 4,300 डॉलर प्रति औंस पर संघर्ष कर रही हैं। इसका मुख्य कारण ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती अनिश्चितता और तेल की बढ़ती कीमतें हैं। सोमवार को जब ट्रंप ने बातचीत का संकेत दिया था, तब कीमतें थोड़ी उछली थीं, लेकिन अब अनिश्चितता और भू-राजनीतिक दबाव ने फिर से कीमतों को नीचे धकेल दिया है। मार्च में सोना अपने शिखर से लगभग 25 प्रतिशत नीचे आ चुका है। ऊर्जा की बढ़ती कीमतें और संभावित ब्याज दरों में वृद्धि निवेशकों के लिए सतर्क रहने का संकेत देती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि इस समय बाजार में छोटे उतार-चढ़ाव पर जल्दबाजी में निवेश निर्णय न लें।

भारत का ऑयल और गैस सेक्टर पश्चिम एशिया तनाव से प्रभावित

देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच भारत का ऑयल और गैस सेक्टर भारी दबाव में है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की रिपोर्ट के अनुसार इस संकट के कारण देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की कमी हुई है। सबसे अधिक असर गैल पर पड़ा है, जबकि ओएनजीसी को इसका लाभ मिलने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओएनजीसी के नए प्रोजेक्ट्स जैसे दमन और केजी बेसिन में उत्पादन बढ़ने वाला है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं और विंडफॉल टैक्स की वापसी की संभावना नहीं है, जिससे कंपनी की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने मौजूदा स्तर पर ओएनजीसी के शेयर को आकर्षक बताया और 'बाय' की सलाह दी। गैल को गैस सप्लाई में कमी के कारण हर महीने 250-300 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। हालांकि, सरकार की गैस पूलिंग व्यवस्था से कंपनी को कुछ राहत मिल रही है, जिससे महंगी गैस खरीदने पर होने वाले नुकसान से बचाव हो रहा है। हाल ही में शेयर में गिरावट आई है, जिससे निवेश का मौका बन सकता है। ब्रोकरेज ने इस शेयर पर भी 'बाय' की सलाह दी है। पेट्रोनेट एलएनजी के दाहेज टर्मिनल की उपयोग क्षमता घटकर करीब 50 प्रतिशत हो गई है। इसके बावजूद कंपनी की कमाई पर ज्यादा असर नहीं पड़ा क्योंकि उसका बिजनेस मॉडल सुरक्षित है। ब्रोकरेज ने कहा कि अब इसमें जोखिम कम है और सुधार की संभावना है। आईजीएल की बिक्री फिलहाल ठीक चल रही है, लेकिन आने वाले समय में मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है। सस्ती गैस की सप्लाई धीरे-धीरे कम हो रही है, जिससे अगले 2-3 साल में मार्जिन प्रभावित हो सकता है।

टाटा पावर ने जीयूवीएनएल के साथ अनुपूरक बिजली खरीद समझौते किए

संयंत्र संचालन अस्थायी रूप से किया गया निलंबित

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा पावर की इकाई कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ मूंदड़ा अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट (यूएमपीपी) के लिए अनुपूरक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह कदम मूंदड़ा स्थित संयंत्र की इकाइयों के अस्थायी निलंबन के कारण हुआ नुकसान कम करने के लिए उठाया गया है। 2 जुलाई 2025 को संयंत्र की सभी पांच इकाइयों (प्रत्येक 800 मेगावाट) का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बंद रहने के कारण कंपनी को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा था। कंपनी ने पहले ही शेयर बाजार को सूचित किया था कि गुजरात मंत्रिमंडल ने इस अनुपूरक पीपीए को मंजूरी दे दी है और इसके लिए सरकारी आदेश भी जारी किया जा चुका है। नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद ही समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से सीजीपीएल को संयंत्र बंद रहने के दौरान भी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। टाटा पावर की योजना इसी तरह के अनुपूरक समझौते अन्य राज्यों, जैसे महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के साथ करने की भी है। मूंदड़ा यूएमपीपी कच्छ, गुजरात में स्थित एक 4,000 मेगावाट का कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र है। इसमें पांच इकाइयां हैं, प्रत्येक की क्षमता 800 मेगावाट। यह संयंत्र गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को बिजली आपूर्ति करता है। कंपनी का कहना है कि अनुपूरक पीपीए से संयंत्र के अस्थायी बंद होने से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी और यह बिजली आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

कश्मीर में शिया समुदाय ने ईरान के लिए दिया दान

मशहूर कार्यकर्ता मीर यार बलोच ने उठाए सवाल

लौहार। कश्मीर में शिया समुदाय ने ईरान के लिए दिल खोलकर दान किया है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक ईरान के लिए पैसे, बर्तन, ज्वेलरी और अन्य कीमती सामान भेज रहे हैं। कश्मीरियों की यह दरियादिली देखकर बलूचिस्तान के मशहूर कार्यकर्ता मीर यार बलोच ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि ईरान को अरबों डॉलर का तेल मुनाफा है और वह खुद मिडिल ईस्ट में शिया समर्थित समूहों को फंड करता है। ईरान पाकिस्तान को भी मदद करता है और उसके पास खाड़ी देशों पर हमला करने के लिए बैलेस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हैं। बलोच ने दुख जताकर कहा कि कश्मीर के शिया समुदाय ने कभी बलूचिस्तान या सिंध के लिए फंड नहीं जुटाया। बलूच और सिंधी लोग दशकों से पाकिस्तान के दबाव और अन्याय झेल रहे हैं, लेकिन उनके लिए कश्मीर के मुस्लिम कभी खड़े नहीं हुए। उन्होंने पूछा कि कश्मीर के लोग खामिनई के लिए क्यों दान कर रहे हैं, जबकि भारत और ईरान के रिश्ते मजबूत हैं, और खामिनई कभी भारत का समर्थन नहीं करता। विशेष रूप से यह भी देखा गया है कि किसी अन्य मुस्लिम देश में ईरान के लिए इस तरह दान नहीं किया जा रहा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश ईरान को "टेररिस्ट देश" मानते हैं। यह उठता सवाल कि क्या कश्मीर के मुस्लिमों को किसी खतरनाक नैरेटिव के तहत भड़काया या मोहरा बनाया जा रहा है।

टोंगा में आया 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, दहशत का माहौल

अधिक गहराई में केंद्र होने से सुनामी का खतरा टला

नुकुअलोफा,(ईएमएस)। दक्षिण प्रशांत महासागर स्थित टोंगा द्वीप समूह के पास मंगलवार तड़के 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार यह भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 4:37 बजे आया। भूकंप का केंद्र टोंगा के वावाउ द्वीप समूह में स्थित नेइआफू से लगभग 153 किलोमीटर पश्चिम में बताया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप की गहराई पृथ्वी की सतह से करीब 237 से 238 किलोमीटर के बीच थी, जिसे वैज्ञानिक दृष्टि से गहरा भूकंप माना जाता है। इतनी अधिक गहराई पर आने वाले भूकंप सामान्यतः सतह पर कम विनाशकारी प्रभाव डालते हैं। यही कारण है कि फिलहाल किसी बड़े नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई सूचना सामने नहीं आई है। भूकंप के झटकों के बाद संभावित खतरे को देखते हुए प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र (पीटीडब्ल्यूसी) ने स्थिति का आकलन किया। केंद्र ने स्पष्ट किया कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि इसका केंद्र धरती के भीतर काफी गहराई में था। आमतौर पर उथले भूकंप ही समुद्र में बड़े स्तर पर हलचल पैदा कर सुनामी का कारण बनते हैं। गौरतलब है कि इस घटना से एक दिन पहले भी टोंगा के हिहिफो क्षेत्र के पास 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हालांकि उस भूकंप से भी किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं आई थी। लगातार आ रहे भूकंपों के कारण स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल जरूर बना हुआ है। वहीं, भूकंपीय गतिविधियों का असर अन्य क्षेत्रों में भी देखा गया।

कूटनीति हो रही सफल, पांच दिन के सीजफायर से बातचीत का मंच हुआ तैयार

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच कूटनीतिक गलियारों से राहत भरी खबर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमलों को पांच दिनों के लिए रोकने की घोषणा के बाद अब बातचीत का मंच तैयार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को इस महत्वपूर्ण शांति वार्ता के केंद्र के रूप में चुना जा सकता है। पर्दे के पीछे इजराइल और पाकिस्तान के अधिकारी दोनों धुर विरोधियों को एक मेज पर लाने की कोशिशों में जुटे हैं। संकेत मिल रहे हैं कि इसी हफ्ते इस्लामाबाद में उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों की बैठक हो सकती है। इस संभावित बैठक की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वांस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेयर्ड कुशनर जैसे कद्दावर नेताओं के इस्लामाबाद पहुंचने की चर्चा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर लगातार ईरानी नेतृत्व के संपर्क में हैं ताकि क्षेत्र में स्थिरता बहाल की जा सके। हालांकि, व्हाइट हाउस ने अभी तक किसी आधिकारिक बैठक की पुष्टि नहीं की है और इसे एक संवेदनशील कूटनीतिक प्रक्रिया करार दिया है। एक तरफ जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने सकारात्मक और मजबूत बातचीत का दावा करते हुए सुलह के संकेत दिए हैं, वहीं ईरान का आधिकारिक रुख अब भी सख्त बना हुआ है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने सीधे संवाद की खबरों को फेक न्यूज बताते हुए इसे बाजार को प्रभावित करने की अमेरिकी चाल करार दिया है।

पूरी दुनिया जंग में उलझी हुई, दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस पर दादागिरी दिखा रहा ड्रैगन

बीजिंग,(ईएमएस)। पूरी दुनिया इनदिनों मध्य पूर्व में छिड़ी हुई जंग में उलझी हुई थी, तभी चीन दक्षिण सागर में अपनी मनमानी करने पर उतार आया है। चीन ने फिलीपींस की समुद्री क्षेत्र स्कारबोरो शोल पर चीन की कोस्ट गार्ड ने पहली बार लाइव रेडियो ब्रॉडकास्ट में क्लियरिंग ऑपरेशन की घोषणा कर दी है। फिलीपींस कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता एडमिरल जे तरीला ने बताया कि यह घटना पीसीजी के मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस पेट्रोल फ्लाइट के दौरान दर्ज की गई। एमडीए फ्लाइट से पता चल कि पीसीजी के पेट्रोल फ्लाइट ने शोल के करीब 6 चीनी कोस्ट गार्ड वेसल्स, 20 चाइनीज मैरिटाइम मिलिशिया वेसल्स और 1 चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की वॉरशिप भी देखी गई। फिलीपींस के मुताबिक ये सभी ऐसी गतिविधियों में व्यस्त थे, जिससे फिलीपींस की मछली पकड़ने वाली नावों के डराकर वहां से खदेड़ सके। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि चीनी वेसल्स ने किस तरह से फिलीपींस की नावों को परेशान किया। 22-23 मार्च के बीच 20 से ज्यादा फिलीपीनो फिशिंग बोट्स को चाइनीज कोस्ट गार्ड की स्पीडबोट ने परेशान किया। इससे पहले भी चाइनीज वेसेल्स ने मछुआरों को घेरकर उन्हें शोल से दूर भगाने की कोशिश की। तुरंत 2 पीसीजी समुद्री नावों और 5 पेट्रोल वेसल्स वहां भेज दिए गए। इन वेसल्स ने मछुआरों को सुरक्षा दी और उन्हें जरूरी सामानों की सप्लाई की ताकि वे लंबे समय तक मछली पकड़ सकें। पीसीजी का कहना है कि इससे मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

मुआवजे और प्रतिबंधों को हटाने की मांग पर अड़ा तेहरान कहा- भरपाई से ही शांति संभव

तेहरान,(ईएमएस)। मध्य पूर्व में जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच अब कूटनीतिक दांव-पेंच तेज हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान अब युद्ध लड़ना नहीं चाहता और शांति समझौते के लिए एक शीर्ष नेता के माध्यम से अमेरिका के साथ सकारात्मक बातचीत कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, वाशिंगटन इस युद्ध को समाप्त करने की दिशा में गंभीर है और इसी के चलते तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ईरानी तेल पर लगे कुछ प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाया गया है। हालांकि, ईरान ने इन दावों को शुरुआती तौर पर बाजार को प्रभावित करने वाली फेक न्यूज करार दिया था, लेकिन अब तेहरान ने भी अपनी मंशा साफ कर दी है कि वह युद्ध खत्म करने को तैयार है, बशर्ते उसकी कुछ कड़ी शर्तें मान ली जाएं।
ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि युद्ध की समाप्ति तभी संभव है जब अमेरिका इस संघर्ष से हुए भारी नुकसान की पूरी भरपाई करे। ईरान न केवल मुआवजे की मांग कर रहा है, बल्कि वह अपने ऊपर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को पूरी तरह हटाने और भविष्य में किसी भी अमेरिकी हस्तक्षेप या हमले के विरुद्ध ठोस लिखित गारंटी चाहता है। ईरानी नेतृत्व का तर्क है कि यह युद्ध अमेरिका द्वारा थोपा गया था, इसलिए इसके परिणामों और नुकसान की जिम्मेदारी भी वाशिंगटन को ही लेनी होगी। इसके अलावा, क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य अड्डों की वापसी की मांग भी कूटनीतिक मेज पर रखी गई है। दूसरी ओर, व्हाइट हाउस ने इस्लामाबाद में होने वाली संभावित गुप्त वार्ताओं पर सीधा जवाब देने से परहेज किया है।

तेहरान और अमेरिका के बीच शांति के लिए मध्यस्थता वाली खबरें फेकः ईरान

ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने सीधे संवाद की खबरों को किया खारिज

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग जल्द ही शांति में बदल जाएगी। इसके लिए कई देश मध्यस्थता कर रहे हैं और बातचीत कर शांति बहाल हो जाएगी। इस तरह की राहत भरीं खबरें हकीकत में बदलतीं इससे पहले ही ईरान ने साफ कर दिया कि ये सिर्फ अटकलें और भ्रामक खबरें है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने सीधे संवाद की खबरों को खारिज करते हुए इन्हें फेक न्यूज करार दिया। ईरान का रुख फिलहाल सख्त बना हुआ है, लेकिन अमेरिका के इस रुख के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गई हैं। भले ही ईरान ने प्रस्ताव मिलने की बात स्वीकार की है, लेकिन अंतिम समझौते तक पहुंचने की राह अब भी कूटनीतिक दांव-पेचों में फंसी नजर आती है। वहीं दूसरी तरफ बताया जा रहा है कि ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि उन्हें मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका की ओर से कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव मिले हैं। इधर खबरें चल रहीं है कि ईरान इन प्रस्तावों की गंभीरता से समीक्षा कर रहा है। अधिकारी के अनुसार, अमेरिका की ओर से भेजे गए कुछ बिंदुओं पर विचार किया जा रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि लंबे समय से जारी गतिरोध और प्रत्यक्ष टकराव के बावजूद दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे कूटनीतिक संवाद का रास्ता खुला है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौते की संभावना जताई थी। हालांकि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष जारी है और इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन अब ईरान ने भी स्वीकार किया है कि मध्यस्थों के जरिए अमेरिका का प्रस्ताव उन तक पहुंचा है। इससे पहले ईरान किसी भी तरह की बातचीत से इनकार करता रहा था। बताया जा रहा है कि अमेरिका की ओर से ईरान को 15 बिंदुओं का एक ड्राफ्ट भेजा गया है, जिसमें तनाव कम करने की रूपरेखा तैयार की गई है। क्षेत्रीय शांति के लिए तुर्की और मिस्र जैसे देश सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान से फोन पर चर्चा की है। फिदान ने कतर, सऊदी अरब, पाकिस्तान और यूरोपीय संघ के अधिकारियों के साथ भी संपर्क साधा है। दूसरी ओर, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी ने भी स्पष्ट किया है कि उन्होंने ईरान को तनाव कम करने के लिए कड़े संदेश भेजे हैं। मिस्र के अधिकारियों के अनुसार, इन संदेशों का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के बुनियादी ढांचे पर हमलों को रोकना है, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़े संकट से बचाया जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक चौंकाने वाले बयान में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत हुई है, जिसके बाद उन्होंने ऊर्जा ढांचों पर होने वाले संभावित हमलों को पांच दिनों के लिए टालने का निर्णय लिया। ट्रंप ने दावा किया कि बातचीत बेहद मजबूत रही है और लगभग सभी मुद्दों पर सहमति बन सकती है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था खामेनेई को मारकर ले सकते है साजिश का बदला

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई एक गोपनीय और निर्णायक फोन कॉल ने मध्य पूर्व के इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया है। इस बातचीत के बाद ही ईरान पर संयुक्त सैन्य हमलों को अंतिम मंजूरी दी गई, जिसके परिणामस्वरूप 28 फरवरी को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी शुरू हुआ। इस सैन्य अभियान का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला परिणाम ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के रूप में सामने आया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप को विश्वास दिलाया था कि खामेनेई को उनके तेहरान स्थित कंपाउंड में निशाना बनाने का यह सबसे सटीक समय है, जिससे न केवल एक तानाशाही व्यवस्था का अंत होगा, बल्कि ट्रंप की हत्या की साजिशों का बदला भी लिया जा सकेगा। इस सैन्य कार्रवाई की भूमिका कई महीनों से तैयार की जा रही थी। जून 2025 में इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के परमाणु और मिसाइल ठिकानों पर हमले किए थे, जिसे ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की समाप्ति बताया था। हालांकि, दिसंबर में मार-ए-लागो में हुई बैठक और फरवरी में वाशिंगटन यात्रा के दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को ईरान के बढ़ते बैलिस्टिक मिसाइल खतरे से आगाह किया। वेनेजुएला में अमेरिकी सफलता और ईरान के भीतर भड़के नागरिक विद्रोह ने ट्रंप को कड़ा कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। अंततः 27 फरवरी को ट्रंप ने अंतिम आदेश जारी किए और अगले ही दिन तेहरान पर बमबारी शुरू हो गई, जिसमें खामेनेई के मारे जाने की पुष्टि हुई। व्हाइट हाउस के अनुसार, इस व्यापक ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन क्षमता, उसकी नौसेना और परमाणु हथियारों के विकास की संभावनाओं को पूरी तरह नष्ट करना था। साथ ही, ईरान समर्थित प्रॉक्सी गुटों की कमर तोड़ना भी अमेरिका और इजराइल की प्राथमिकता थी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई आत्मरक्षा और प्रतिशोध का हिस्सा थी, क्योंकि ईरान ने पूर्व में अमेरिकी नेतृत्व को निशाना बनाने के प्रयास किए थे। हालांकि इजराइल ने इस बात से इनकार किया कि उसने अमेरिका को युद्ध में घसीटा, वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने इस फैसले की पूरी जिम्मेदारी स्वयं पर ली। हमले के चार सप्ताह बाद, पूरा क्षेत्र एक भीषण युद्ध की चपेट में है। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी ठिकानों और खाड़ी सहयोगियों पर हमले किए हैं, जिसमें अब तक 13 अमेरिकी सैनिकों और 2300 से अधिक ईरानी नागरिकों की जान जा चुकी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने के कारण वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ईरान में अब मोजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर नियुक्त किया गया है, जो अपने पिता से भी अधिक कट्टर अमेरिका-विरोधी माना जाता है। ट्रंप ने ईरानी जनता से विद्रोह की अपील की है, लेकिन सड़कों पर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की तैनाती और भारी तनाव ने इस अभियान को ट्रंप की विदेश नीति का सबसे जोखिम भरा कदम बना दिया है।

ईरान से पंगा लेकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार नहीं कर सकते

तेहरान ने दुनिया के सामने रखीं शर्तें

तेहरान,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट के बीच ईरान की सुरक्षा परिषद ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर एक बड़ी घोषणा की है। परिषद ने स्पष्ट कर दिया है कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से जहाजों के सुरक्षित गुजरने का अब एकमात्र रास्ता ईरानी अधिकारियों के साथ पहले से की गई बातचीत और आपसी तालमेल ही है। पंगा लेकर इस रास्ते से कोई नहीं निकल सकता। इसके लिए कुछ शर्तें भी रखी गई हैं।
ईरानी सुरक्षा परिषद के अनुसार, अब गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों की आवाजाही पूरी तरह से ईरान के साथ किए गए पूर्व समन्वय पर निर्भर करेगी। इसके साथ ही परिषद ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि ईरान के पावर प्लांट्स, तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोई भी कोशिश की गई, तो ईरानी बल तत्काल और निर्णायक जवाब देंगे। ईरान ने धमकी दी है कि यदि उसके हितों पर हमला हुआ, तो प्रमुख समुद्री व्यापारिक रास्तों पर विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदी सुरंगें (नेवल माइन्स) बिछा दी जाएंगी। ईरानी अधिकारियों का तर्क है कि अपनी सुरक्षा के लिए ऐसे कदम उठाना उनका कानूनी और सैन्य अधिकार है।
परिषद ने अपने बयान में यह भी साफ किया है कि यदि रक्षात्मक उपायों के कारण फारस की खाड़ी में समुद्री गतिविधियों में कोई रुकावट आती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी वाशिंगटन और इजरायली प्रशासन की होगी। ईरान का मानना है कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षित आवाजाही तभी संभव है जब अंतरराष्ट्रीय जहाज ईरान के साथ सीधे संपर्क और समन्वय स्थापित करें। इस बीच, क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली एजेंसियों ने बताया है कि तनाव के चलते समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वहीं दूसरी ओर, कूटनीतिक मोर्चे पर ईरान के विदेश मंत्रालय ने खुलासा किया है कि उसे कुछ मित्र देशों के माध्यम से अमेरिका की ओर से बातचीत के प्रस्ताव के संदेश मिले हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई के अनुसार, इन संदेशों में युद्ध खत्म करने के मकसद से चर्चा की पेशकश की गई है।

क्या इस्लामाबाद में निकलेगा ईरान-अमेरिका युद्ध का समाधान! व्हाइट हाउस का बयान

लेविट ने कहा- ये कूटनीतिक चर्चाएं हैं, अमेरिका प्रेस के जरिए बातचीत नहीं करेगा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग लगातार जारी है। इन सब के बीच हाल की कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि जंग रोकने को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हो सकती है। हालांकि इसकी पुष्टि करने से व्हाइट हाउस ने इनकार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट से संपर्क कर पूछा कि कुछ रिपोर्टों के मुताबिक क्या अमेरिका के शीर्ष अधिकारी इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इस पर लेविट ने कहा कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चाएं हैं और अमेरिका प्रेस के जरिए बातचीत नहीं करेगा। यह एक बदलती हुई स्थिति है और मुलाकातों के बारे में लगाए जा रहे अंदाजों को तब तक अंतिम नहीं माना जाना चाहिए, जब तक कि व्हाइट हाउस द्वारा उनकी औपचारिक घोषणा न की जाए। रिपोर्ट के मुताबिक लेविट की यह टिप्पणी कुछ प्रकाशनों में अधिकारियों के हवाले से उन खबरों के बाद आई, जिनमें कहा गया था कि पिछले महीने शुरू हुए ईरान-अमेरिका युद्ध को खत्म करने पर बातचीत इस्लामाबाद में हो सकती है। खबरों में एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक दूसरे सूत्र का हवाला दिया, वहीं इजराइल ने चैनल का हवाला देते हुए एक इजराइली अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि ईरान और अमेरिका इस हफ्ते के आखिर में इस्लामाबाद में बातचीत के लिए मिल सकते हैं। उन्होंने बताया कि वैंस के अलावा, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगे और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ तेहरान से आने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। खास बात यह है कि पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की और इस क्षेत्र में शांति लाने में इस्लामाबाद की मदद का वादा किया। इस जंग के बीच सोमवार को समाधान की कुछ उम्मीद जगी जब ट्रंप ने दावा किया कि ईरान किसी समझौते के लिए उत्सुक है और कुशनर-विटकॉफ ने रविवार को एक ईरानी नेता के साथ बातचीत की थी। हालांकि ट्रंप ने उस नेता का नाम नहीं बताया, लेकिन ईरान के मोहम्मद बाघर गालिबफ ने बाद में ट्रंप के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई बातचीत नहीं हुई थी। ईरानी नेता ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि फेक न्यूज का इस्तेमाल वित्तीय और तेल बाजारों में हेरफेर करने और उस दलदल से निकलने के लिए किया जाता है, जिसमें अमेरिका और इजराइल फंसे हुए हैं।

स्मार्टफोन भारत के सबसे बड़े एकल मर्चेंडाइज निर्यात के तौर पर उभरे : जकारिया

पाकिस्तान को ले डूबी सेना, चार सालों में भारत ने चीन की जगह ले ली

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अमेरिका के सीनियर पत्रकार, लेखक और जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट फरीद जकारिया ने एक कार्यक्रम में भारत और पाकिस्तान के बीच डेवलपमेंट की तुलना की। उन्होंने कहा है कि भारत के मुख्य निर्यात आमतौर पर रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद, जैसे डीजल और कृषि और उससे जुड़े सामान होते थे, लेकिन अब स्मार्टफोन भारत के सबसे बड़े एकल मर्चेंडाइज निर्यात के तौर पर उभरे हैं। उन्होंने कहा है अभी सिर्फ 10 साल पहले ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में पाकिस्तान शायद भारत से 50 पॉइंट आगे था, लेकिन पाकिस्तान पूरी तरह से अव्यवस्थित है और देश पर सेना का कब्जा है। यह समस्या कभी हल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भारत में जहां समाजवाद के मॉडल पर 1970 के दशक में काम हो रहा था वहीं पाकिस्तान में हमेशा से बिजनेस के लिए दोस्ताना माहौल था और हालिया वर्षों तक उसका असर दिखा है जब सिर्फ 10 साल पहले तक वर्ल्ड बैंक के मुताबिक ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में शायद भारत से उसके 50 प्वाइंट ज्यादा थे। जकारिया ने कहा कि पाकिस्तान का सिस्टम, वहां की सरकार और संस्थाएं सही तरीके से काम नहीं कर रही हैं। कानून सिर्फ कागजों पर रह गए हैं और जमीन पर भ्रष्टाचार या अव्यवस्था का बोलबाला है। उन्होंने संकेतों में कहा कि पाकिस्तान की सेना ने देश पर नियंत्रण कर रखा है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जकारिया ने कहा कि अगर आप में से किसी की जेब में लेटेस्ट आईफोन-17 है तो वह भारत में बना है। अब सभी स्मार्टफोन का करीब 25फीसदी और सभी आईफोन का लगभग 50फीसदी भारत में बनता है। उन्होंने इस बदलाव की रफ्तार पर जोर देते हुए कहा कि इसकी सबसे खास बात यह है कि खासकर आईफोन के मामले में। अगर आप चार साल पीछे जाएं तो भारत में एक भी आईफोन नहीं बनता था। असल में भारत ने सिर्फ चार सालों में ही अमेरिका के लिए स्मार्टफोन बनाने वाले मुख्य देश के तौर पर चीन की जगह ले ली है। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में पहले लोग मानते थे कि सिर्फ चीन ही ऐसा कर सकता है, यानी बड़े पैमाने पर बहुत ही बारीकी से चीजे बनाना, लेकिन भारत ने ऐसा सिर्फ चार सालों में ही कर दिखाया। बता दें 2025 में स्मार्टफोन आधिकारिक तौर पर देश की सबसे बड़ी एक्सपोर्ट कैटेगरी बन गए हैं और उन्होंने एक्सपोर्ट कैटेगरी के पारंपरिक दिग्गजों जैसे ऑटोमोटिव डीजल फ्यूल और तराशे हुए हीरों को पीछे छोड़ दिया है।

पाक को अमेरिकी-इजराइली कर रहे यूज, खार्ग द्वीप पर कब्जा करने बनाया प्लान

डॉ सनम बोली- ट्रंप का युद्ध ब्रेक प्लान वैश्विक बाजारों को शांत करने के लिए महज एक विराम

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पांच दिनों के लिए ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला नहीं करने की बात कही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी थिंक टैंक चैथम हाउस की विशेषज्ञ डॉ. सनम वकील ने युद्धविराम के पीछे की चौंकाने वाली सच्चाई उजागर की है। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक बाजारों को शांत करने के लिए महज एक विराम है। उनका अनुमान है कि शुक्रवार को बाजार बंद होते ही ठीक उसी पल अमेरिका और इजराइल ईरान पर बमबारी फिर से शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान, दोनों के काफी ज्यादा सख्त शर्तें हैं तो फिर युद्धविराम को लेकर सहमति कैसे बनेगी?
दूसरी तरफ तुर्की की एजेंसी ने बताया कि अमेरिका का एक डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंच रहा है और वह पाकिस्तान की सेना और सरकार से ईरान युद्ध पर कुछ अहम बात करेगा। हालांकि इस दौरे के दौरान ईरान के साथ किसी मध्यस्थता पर बातचीत हो सकती है लेकिन तुर्की की न्यूज एजेंसी ने ये भी बताया है कि ईरानी अधिकारियों को पाकिस्तान पर विश्वास नहीं है और वो बैठक में शामिल होने नहीं जा रहे हैं। पाकिस्तान का सैन्य शासन अब अमेरिकी इजराइली साजिश में खुले तौर पर

और सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहा है। वह अमेरिकी मरीन की थल सेना के इस क्षेत्र में पहुंचने तक के लिए समय खरीद रहा है ताकि वे नेतन्याहू और ट्रंप के लिए खर्ग द्वीप पर हमला करके उसे कब्जे में ले सकें। पाकिस्तानी डिफेंस एनालिस्ट अली मुस्तफा ने लिखा है कि मुझे पता है कि ईरानी इन चालों से वाकिफ हैं और वे इसे कभी नहीं भूलेंगे यानि पाकिस्तान सिर्फ समय खींचने का नाटक कर रहा है ताकि अमेरिकी सेना को इस क्षेत्र में पहुंचने का मौका मिल सके। ट्रंप के किसी प्लान को ना कहना पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर के लिए संभव नहीं है। दरअसल, खार्ग द्वीप ईरान का सबसे अहम तेल टर्मिनल है और वहां से करीब 90फीसदी कच्चा तेल वहीं से निर्यात होता है। अमेरिका और इजराइल की योजना इस द्वीप पर कब्जा करने की है ताकि होर्मुज को खुलवाया जा सके, लेकिन दिक्कत यह है कि इस द्वीप पर सैनिकों को कैसे उतारा जाए। इस क्षेत्र में अगर अमेरिका अपने युद्धपोत ले जाता है तो ईरानी मिसाइल उसे डुबो देंगे। तो फिर इस काम को अंजाम कौन देगा तो वह है पाकिस्तान।
रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के फेवरेट फील्ड मार्शल असीम मुनीर कब काम आएंगे। अमेरिका के दूत इसी काम के लिए रावलपिंडी पहुंच रहे हैं। पाकिस्तान इसमें बिचौलिए का काम कर रहा है ताकि ईरान को बातों में उलझाया जा सके और पीछे से अमेरिकी मरीन हमला कर सकें यानि पाकिस्तान, ईरान की पीठ में खंजर घोंप रहा है।

बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए जारी किये दिशा निर्देश,सभी खिलाड़ियों को करना होगा पालन

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के लिए नये दिशा निर्देश जारी किये है। बोर्ड ने ये कदम इसलिए उठाया है जिससे खिलाड़ियों की मनमानी पर रोक लगायी जा सके। बीसीसीआई ने अपने नए आदेश में कहा है नये नियमों का पालन सभी को करना होगा। इसके तहत अब हर टीम के खिलाड़ी केवल टीम बस में ही यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा मैच के दिन किसी भी अभ्यास सत्र की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भी अलग इंतजाम किया है, जहां टीमों को मेन चौक के दोनों तरफ अभ्यास के लिए दो-दो विकेट दिए जाएंगे। इस दौरान कोई भी टीम विरोधी टीम को दिए गए अभ्यास विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। टीम मैनेजर्स को नये दिशा निर्देशों की प्रति भेज दी हैं।इसमें कहा गया है कि टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मेन स्क्वायर पर 1 साइड विकेट मिलेगा, जहां वे रेंज हिटिंग कर सकें। मुंबई वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर अभ्यास कर रही हैं, तो हर टीम को 2 पिचें मिलेंगी। वहीं कोई भी ओपन नेट अलाउड नहीं होगा। अगर कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी खत्म भी कर लेती है तब भी दूसरी टीम को उस पिच का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। मैच के दिनों में किसी अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।मैच वाले दिन मेन चौक पर कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। अभ्यास के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ को ड्रेसिंग रूम और फील्ड ऑफ प्ले में आने की अनुमति रहेगी। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य और दोस्त अलग गाड़ी में सफर कर सकते हैं और हॉस्पिटैलिटी एरिया से टीम का अभ्यास देख सकते हैं। एक्सटेंडेड सपोर्ट स्टाफ (थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट/ नेट बॉलर) के लिए सूची बोर्ड को मंजूरी के लिए भेजनी होगी। मंजूरी मिलने के बाद, नॉन-मैच डे एक्रेडिटेशन जारी किए जाएंगे। खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते समय टीम बस का इस्तेमाल करेंगे। टीमें दो बैच में सफर कर सकती हैं।इसके अलावा मैच के दिन के लिए भी दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया से मान्यता प्राप्त स्टाफ के लिए मैच वाले दिन अपना एक्रेडिटेशन लाना जरूरी है।
पहली बार एक्रेडिटेशन न लाने पर चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, टीम पर पैसे का जुर्माना लगाया जाएगा। हिटिंग नेट देने के बाद भी, खिलाड़ी एईडी बोर्ड पर हिट करते रहते हैं जिसकी अनुमति नहीं रहेंगी। खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ एलईडी बोर्ड के सामने न बैठें। लाड़ी ऑरेंज और पर्पल कैप पहनेंगे। प्रेजेंटेशन में फ्लॉपी और स्लीवलेस जर्सी पहनने की इजाजत नहीं है। ऐसा न करने पर पहली बार में चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, पैसे का जुर्माना लगेगा। मैच के दिनों में केवल 12 एक्रेडिटेड सपोर्ट स्टाफ को ही इजाज़त होगी, जिसमें टीम डॉक्टर भी शामिल हैं। जर्सी नंबर में बदलाव की जानकारी एकदिन पहले देनी होगी।

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित

मुम्बई (ईएमएस)। अनुष्का शर्मा और काशवी गौतम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि हाल के दिनों में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए इन दोनो को टीम में अवसर दिया गया है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। अनुष्का जहां एक अच्छी बल्लेबाज हैं। वहीं काशवी मध्यक्रम की गेंदबाज हैं। काशवी ने पहले ही टेस्ट और वनडे खेला है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। वहीं अनुष्का पहली बार किसी प्रारुप में शामिल की गई हैं। अनुष्का को घरेलू क्रिकेट के साथह ही महिला प्रीमियर लीग का भी अनुभव है। उन्होंने गुजरात जायंट्स के लिए 7 मैच खेले हैं। दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भारतीय टीम को 17 अप्रैल से 27 अप्रैल तक पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। तीन शहरों में ये मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें से पहले दो मैच डरबन में खेल जाएंगे। इसके बाद दो मुकाबले जोहानिसबर्ग में खेले जाएंगे। वहीं, आखिरी मैच बेनोनी में होगा। पहला मैच 17 अप्रैल को, दूसरा मैच 19 अप्रैल को, तीसरा 22 को, चौथा 25 को और पांचवां मैच 27 अप्रैल को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका टूर के लिए भारतीय टीम :हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेट कीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काश्वी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेट कीपर) और अनुष्का शर्मा।
इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से 5 जुलाई तक आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 को देखते हुए ये सीरीज अहम मानी जार ही है। इससे टीम के फार्म का पता चलने के साथ ही युवा खिलाड़ियों की क्षमताओं का भी अंदाज होगा।

आईपीएल में टीमों के लिए लकी रहे हैं श्रेयस और करण

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे श्रेयस अय्यर का लक्ष्य इस बार पंजाब किंग्स को विजेता बनाना रहेगा। पिछली बार उनकी कप्तानी में टीम खिताबी मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार के कारण खिताब नहीं जीत पायी थी। श्रेयस आईपीएल इतिहास में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी कप्तानी में टीम तीन बार अलग-अलग टीमें फाइनल में पहुंची हैं। वहीं लेग स्पिनर करण शर्मा एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो लगातार तीन बार आईपीएल विजेता टीम में शामिल रहे हैं। वहीं अब तक कुल 11 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने लगातार दो बार आईपीएल खिताब जीता है। वहीं करण तीनप बार आईपीएल विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। साल 2016 में वह सनराइजर्स हैदराबाद की उस टीम में थे जिसने उस साल खिताब जीता था। वहीं साल 2017 में वह मुंबई इंडियंस में शामिल रहे और तब मुम्बई ने खिताब जीता। उसके बाद साल 2018 में करण शर्मा मुंबई इंडियंस के बजाय चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में थे। तब सीएसके विजेता बनी। करण आईपीएल में कुल 4 बार चैंपियन टीमों के दल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने सितंबर 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण किया था। अपने डेब्यू मैच में उन्होंने 4 ओवर में 28 रन देकर 1 विकेट लिया है। उसके बाद आईपीएल में लगातार तीन खिताब जीतने के बाद भी उन्हें कभी भी भारतीय टीम से खेलने का अवसर नहीं मिला।करण ने आईपीएल में सबसे पहले आरसीबी की ओर से साल 2009 में खेला था। उसके बाद अगले तीन सत्र तक वह नहीं बिके। साल 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें खरीदा। करण ने उस सीजन में 11 विकेट लिए। वहीं सनराजर्स हैदराबाद ने 2014 की नीलामी में करण को 3.75 करोड़ रुपये में खरीदा। करण साल 2013 से 2016 तक सनराइजर्स हैदराबाद के साथ रहे। 2016 में उन्होंने अपना पहला आईपीएल खिताब जीता। तब सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। अगले सीजन में करण शर्मा मुंबई इंडियंस के साथ चले गए। करण 2025 में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेले थे और 6 मैचों में 7 विकेट हासिल किए थे। करण ने आईपीएल में कुल 90 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 83 विकेट दर्ज हैं।

एकदिवसीय में सबसे सफल कप्तानों में नंबर एक पर हैं पोटिंग

मुम्बई (ईएमएस)। एकदिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग से लेकर न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग, भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और श्रीलंका के अर्जुन रणतुंगा सहित कई कप्तान क्रिकेट जगह में छाये रहे हैं पर अगर सबसे सफल कप्तान की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पोंटिंग नंबर एक पर हैं। साल 2002 से 2012 के बीच पोंटिंग ने 230 मैचों में कप्तानी की, जिसमें से उनकी कप्तानी ने टीम ने रिकॉर्ड 165 मैचों में जीत हासिल की। उनकी जीत का प्रतिशत 71.73 प्रतिशत रहा, जो अब तक सबसे अधिक है। पोंटिंग की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 51 मैच ही हारी है। उनके दौर में ऑस्ट्रेलियाई टीम काक हराना किसी के लिए भी असंभव सा काम था। 2.17 प्रतिशत का उनका 'टाई' रिकॉर्ड उनके मैच समाप्त करने के कौशल को दिखाता है।
स्टीफन फ्लेमिंग : वहीं न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। 1997 से 2007 के लंबे सफर में उन्होंने 218 मैचों में टीम की कमान संभाली थी पर उनका जीत का प्रतिशत 44.95 रहा टीम को उन्होंने 98 जीत दिलायी वहीं106 हार । इसके बाद भी उन्हें महान कप्तान इसलिए माना जाता है क्योंकि उन्होंने एक कमजोर टीम को बड़ी टीमों के स्तर तक पहुंचाया। है. फ्लेमिंग अपनी रणनीतिक समझ और स्लिप में अपनी फील्डिंग के लिए मशहूर थे। उन्हें कीवी टीम को विजेता बननो का श्रेया है।
धोनी 200 मैचों के साथ तीसर नंबर पर हैं।
भारत के सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी 200 मैचों के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं. साल 2007 से 2018 के बीच धोनी ने भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर पहुंचाया। धोनी ने 110 मैचों में जीत दर्ज की और उनका जीत का प्रतिशत 55 प्रतिशत रहा।धोनी के नेतृत्व में टीम हालांकि 74 मैच हारी पर उसे जीत हासिल करना आ गया। दबाव के क्षणों में उनका शांत रहना और 0.5 प्रतिशत का टाई रिकॉर्ड उनकी मैच फिशित करने की कला दिखाता है। धोनी इस सूची के एकमात्र कप्तान हैं जिन्होंने आईसीसी की तीनों सफेद गेंद ट्रॉफी जीती हैं.**अर्जुन रणतुंगा** : श्रीलंकाई क्रिकेट को विश्व विजेता बनाने वाले अर्जुन रणतुंगा ने 193 मैचों में टीम की कप्तानी की। साल 1988 से 1999 के बीच उन्होंने 89 जीत हासिल की। 46.11 फीसदी के जीत प्रतिशत के साथ रणतुंगा ने 1996 में श्रीलंका को विश्व चैंपियन बना दिया। उनकी कप्तानी का दौर श्रीलंका के लिए सबसे बेहतर दौर था, जहां उन्होंने शीर्ष टीमों को भी टक्कर देना सीखा।

लखनऊ सुपर जायंट्स अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी

मध्यक्रम के कमजोर होने से शीर्ष क्रम पर रहेगा दबाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल के इस सत्र में ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम जीत के इरादे से उतरेगी। टीम अपने पिछले सत्र की गलतियों से सीखते हुए अपना पहला खिताब हासिल करना चाहेगी। टीम के लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि उसका मध्यक्रम कमजोर है हालांकि शीर्ष क्रम के साथ ही तेज गेंदबाजी अच्छी है। पिछले सत्र में टीम 14 में से केवल 6 ही मैच पायी थी और प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच थी। इस बार प्रशंसकों को टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। निकोलसन पूरन और एडेन मार्करम के होने से लखनऊ का शीर्ष क्रम अच्छा है। मार्श और मार्करम ने पिछले सत्र में भी काफी बेहतर प्रदर्शन किया था पर टीम के मध्य क्रम में कमजोरी नजर आती है। ऐसे में कप्तान ऋषभ के ऊपर जिम्मेदार बढ़ जाती है। उन्हें देखना होगा कि किस प्रकार टीम अधिक से अधिक रन बनाये। उनका साथ आयुष बदोनी, अब्दुल समद और शाहबाज अहमद जैसे बल्लेबाज देंगे। होगा। वहीं दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्जके से भी लखनऊ टीम को आईपीएल 2026 में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।
लखनऊ का मजबूत पक्ष उनकी अच्छी तेज गेंदबाजी है। उसके पास आवेश खान, मोहम्मद शमी, मयंक यादव और एनरिक नॉर्टजे जैसे बल्लेबाज हैं। युवा मोहसन खान और प्रिंस यादव पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी के पास होगी। दिग्वेश ने पिछले सीजन अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था। लखनऊ को उम्मीद करनी होगी की श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा फिट हो जायें।। हसरंगा अगर पूरी तरह से फिट हो जाते हैं, तो टीम को काफी लाभ होगा।

वैभव सफल रहे तो रॉयल्स की जीत तय : अश्विन

मुम्बई (ईएमएस)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह बड़ी पारी खेलता है तो राजस्थान रायल्स को जीत मिलनी तय है। वैभव ने गत वर्ष अपने पहले ही सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। अब उम्मीद है कि इस नये सत्र में वह और भी बेहतर बल्लेबाजी करेगा। वैभव ने अंडर-19 विश्वप में भी कई अच्छी पारियां खेली थीं जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अगर वह क्रीज पर टिक गया तो रॉयल्स को बढ़े स्कारे स रोकना कठिन हो जाएगा। वैभव ने आईपीएल के अपने पहले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाते हुए 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इससे उनकी आक्रामक शैली का अंदाज होता है। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह IPL इतिहास में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ हैं। अश्विन के अनुसार वह इस सीज़न में रॉयल्स के लिए मैच में अंतर ला सकते हैं। साथ ही कहा कि वह अभी अपने करियर के शुरुआती दौर में है, इसलिए उस पर ज़रूरत से ज़्यादा दबाव डालना सही नहीं होगा। अश्विन ने यह भी कहा कि इस बार विपक्षी टीमें सूर्यवंशी के खिलाफ बेहतर तैयारी के साथ उतरेंगी।
पिछले सीज़न में उनकी निडर बल्लेबाज़ी ने गेंदबाज़ों को किया दिया था, पर अब उनके खेल का सभी को अंदाजा है। ऐसे में युवा बल्लेबाज़ के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी अपनी आक्रामकता को बरकरार रखते हुए निरंतरता बनाये रखना।रविचंद्रन अश्विन ने यह भी सुझाव दिया कि रॉयल्स की कप्तानी के लिए रवींद्र जडेजा एक बेहतर विकल्प हो सकते थे पर टीम ने रियान पराग को ये जिम्मेदारी दे दी।

यश दयाल इस सत्र में आरसीबी से नहीं खेलेंगे

बेगलुरु (ईएमएस)। आईपीएल 2026 से ठीक पहले आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने निजी कारणों को हवाला देते हुए लीग से अपना नाम वापस ले लिया है। आरसीबी के क्रिकेट डायरेक्टर मो बॉबट ने कहा है कि यश इस सत्र में टीम के साथ नहीं रहेंगे पर उनका अनुबंध बना रहेगा। बॉबट के अनुसार यश ने निजी समस्याओं के कारण नहीं खेलने का फैसला किया है। इससे पहले वह टीम के अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए थे।
गौरतलब है कि यश पर दो अलग अलग राज्यों में दो गंभीर मामले चल रहे हैं। इनमें एक नाबालिग से जुड़ा मामला भी शामिल है। दयाल पर लगे आरोपों के संबंध में कानूनी कार्यवाही भी जारी है। इस साल जनवरी में अदालत ने उन्हें एक मामले में अग्रिम जमानत दी । वहीं यश के बाहर होने से आरसीबी की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। पिछले सत्र में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले सत्र में यश दयाल ने आरसीबी के लिए अहम अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे टीम प्रबंधन का उन पर भरोसा भी बना हुआ था। अब आरसीबी उनकी जगह किस गेंदबाज को जिम्मेदारी देती है ये देखना होगा।

फ्लोरिडा में मियामी ओपन टेनिस में कनाडा की विक्टोरिया मबोको बैंकहैंड शॉट लगाती हुई।

फ्लोरिडा में मियामी ओपन टेनिस में अर्जेंटीना के फ्रांसिस्कों फोरहैंड शॉट लगाते हुए।

हम केवल शामिल होने नहीं खिताब जीतने उतरेंगे : शुभमन

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में कठिन हालातों में भी शांत बने रहते है। शुभमन से जब इसका राज पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पर भरोसा है इसलिए व धैर्य से अपने अनुसार खेलते रहते हैं। इसके अलावा उन्हें अपनी टीम के साथ सुरक्षित महसूस होता है। गुजरात ने एक बार खिताब जीता है जबकि एक बार वह उपविजेता रही है ऐसे में अब शुभमन का लक्ष्य टीम को इस बार जीत दिलाना रहेगा। उनका कहन है कि हम केवल भाग लेने नहीं जीतने के इरादे से उतरेंगे। गिल ने में कहा, 'मैं स्वयं जैसा हूं और मेरे खेल और अपने समूह में जो विश्वास और सुरक्षा है, उसी से मेरे खेल में संयम आता है।' गुजरात टाइटंस की टीम अपना पहला मुकाबला 31 मार्च को गत उपविजेता पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद उसे 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है। शुभमन ने कहा, 'किसी भी हालात में शांत रहने से ही खेल आगे बढ़ने पर जीत की संभावना बनी रहती है।।' उन्होंने कहा कि मुख्य कोच आशीष नेहरा से उन्हें ये सीखने को मिला है। पिछले सत्र में गुजरात को एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। नेहरा ने कहा कि इस बार उनका ध्यान केवल खिताब जीतने पर रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस सत्र में अलग तरह से सोचने की जरूरत नहीं है। वास्तव में, मुझे सोचने की जरूरत नहीं है, खिलाड़ी सोचते हैं। उन्हें खेलना है, मैं बाहर बैठा हूं।'नेहरा ने कहा, 'पहले दिन से हमारी नीति साफ है। हम केवल शामिल होने नहीं जीतने के लिए यहां हैं। एक नई टीम के लिए यह सोचना आसान होता है कि इसमें समय लगेगा पर हमारा कभी भी ऐसा रवैया नहीं रहा।' गुजरात के लिए सकारात्मक पक्ष आशीष नेहरा जैसा कोच होना है जो टीम को लगातार बेहतर करने प्रेरित करते रहते हैं।

आईपीएल नहीं खेल पाये ये दिग्गज

नई दिल्ली. आईपीएल में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है. इस लीग में दमदार प्रदर्शन के बूते कई खिलाड़ियों की किस्मत रातों-रात चमकी है. आईपीएल की चमक-धमक और करोड़ों की बोलियों ने दुनिया के लगभग हर बड़े क्रिकेटर को अपनी ओर खींचा है, लेकिन क्रिकेट के इतिहास में कुछ ऐसे 'दिग्गज' भी रहे हैं, जिन्होंने इस लीग में कभी नहीं खेला। इसमें ब्रायन लारा और जेम्स एंडरसन जैसे महान क्रिकेटर्स शामिल हैं, जिन्होंने वर्ल्ड क्रिकेट में अपनी अलग ही छाप छोड़ी. आइए ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में आपको बताते हैं।

ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज)
आईपीएल का पहला सीजन 2008 में खेला गया था, जबकि ब्रायन लारा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से 2007 के टी20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद संन्यास ले लिया था. 2008 में जब पहला आईपीएल ऑक्शन हुआ, तब तक लारा क्रिकेट से लगभग दूर हो चुके थे. बहुत कम लोग जानते हैं कि लारा ने 2011 के आईपीएल ऑक्शन में अपना नाम दिया था. उस वक्त उनकी उम्र 41 साल थी और उन्होंने अपना बेस प्राइस $400,000 (लगभग 1.8 करोड़ रुपये) रखा था. हैरानी की बात यह है कि इस महान बल्लेबाज पर किसी भी फ्रेंचाइजी ने बोली नहीं लगाई. हालांकि, भले ही लारा एक खिलाड़ी के तौर पर नहीं खेल सके, लेकिन उन्होंने आईपीएल से दूरी नहीं बनाई. वह सनराइजर्स हैदराबाद के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे।

जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड)
इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का नाम उन खिलाड़ियों में शुमार है, जिन्हें आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिल सका है. एंडरसन ने 42 साल की उम्र में ऑक्शन में अपना नाम भी भेजा था, लेकिन उन्हें खरीदने में किसी भी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी. एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज हैं.

स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड)
इंग्लिश तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को भी आईपीएल में खेलने का कभी मौका नहीं मिल सका. ब्रॉड को साल 2011 के ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने खरीदा था, लेकिन चोट के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे. इसके बाद ब्रॉड ने खुद ही आईपीएल से दूरी बना ली और टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा प्राथमिकता दी.

एलिस्टर कुक
टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाजों में शुमार एलिस्टर कुक टी20 क्रिकेट में उतने सफल नहीं हो सके. क्रिकेट का सबसे छोटा फॉर्मेट कुक को खास रास नहीं आया. यही वजह रही कि वह कभी आईपीएल का हिस्सा नहीं बने. कुक इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने करियर में 12,472 रन बनाए.

रियान को राजस्थान रॉयल्स का कप्तान बनाने पर भड़के श्रीकांत

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स ने अनुभवी खिलाड़ियों के होते हुए भी रियान पराग जैसे युवा खिलाड़ी को कप्तान बनाकर गलती की है। श्रीकांत के अनुसार रविन्द्र जडेज जैसे अनुभवी खिलाड़ी के होते हुए रियन को कप्तानी देने का फैसला समझ से परे है। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के इस सत्र में अपने अभियान की शुरुअत 30 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। श्रीकांत ने रियान को कप्तान बनाए जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, सबको पता है कि उन्हें किस प्रकार से कप्तानी मिली है। कप्तान कैसे बने। टीम में उन्हें राजा की तरह माना जाता है, इसलिए यशस्वी जायसवाल जैसा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी उनकी कप्तानी में खेलता दिखेगा। पराग का पिछला सत्र अच्छा नहीं था पर उससे पहले वाले सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे फ्रैंचाइजी प्रभावित है। आईपीएल 2025 में संजू सैमसन के फिट नहीं होने पर रियान ने 8 मैचों में कप्तानी की थी।पिछल सत्र में राजस्थान टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह पूरे सत्र में केवल मैच जीती थी जिससे वह 9वें स्थान पर रही।रियान ने पिछले सत्र में कुल 393 रन बनाए थे और वह राजस्थान के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

पंड्या की जगह पर सूर्यकुमार को कप्तान बनाये मुम्बई : श्रीकांत

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्मणाचारी श्रीकांत ने कहा है आईपीएल के इस सत्र में हार्दिक पंड्या की जगह पर सूर्यकुमार यादव को मुम्बई इंडियंस का कप्तान बनाया जाना चाहिये। पंड्या की कप्तानी में पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में कई दिग्गजों का मानना है कि इस बार किसी और को ये जिम्मेदारी दी जानी चाहिये। मुंबई इंडियंस की टीम को इस सत्र में अपना पहला मुकाबला 29 मार्च को कोलकाता नाइटराइडर्स से खेलना है। मुबई ने साल 2024 सत्र में रोहित शर्मा को हटाकर पंड्या को कप्तान बनाया था, तभी से इस फैसले का विराट होता आया है। इसके पीछे कारण ये रहा कि लीग में मुम्बई सबसे नीचे रही। इसके बाद हार्दिक की कप्तानी पर सवाल उठे। पिछले सत्र में टीम प्लेऑफ तक पहुंची पर खिताब नहीं जीत पायी, इसके बाद से ही पंड्या लोगों के निशाने पर हैं है।श्रीकांत ने कहा कि टीम में रोहित और सूर्यकुमार जैसे अनुभवी कप्तान हार्दिक के अंडर खेल रहे हैं, जो एक अजीब स्थिति है। श्रीकांत के अनुसार, एक सत्र के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाकर देखना चाहिए। इससे टीम की किस्मत बदल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि पंड्या स्वयं कप्तानी छोड़कर सूर्यकुमार को कप्तान बनने का समर्थन करें तो टीम और बेहतर हो सकती है।
मुंबई इंडियंस टीम : मुंबई इंडियंस की टीम में हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, रयान रिकेल्टन, रॉबिन मिंज, मिशेल सैंटनर, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, श्रेयस रदरफोर्ड, क्विंटन डी कॉक, शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडे समेत कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं।

पाकिस्तान के फरहान को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला

दुबई (ईएमएस)। हाल में हुए टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह का आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। इसी के साथ ही फरहान नवंबर 2024 में हारिस रऊफ के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं।
फरहान ने दो शतक के साथ ही आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह टूर्नामेंट के इतिहास में एक ही सत्र में दो शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। फरहान इस पूरे टूर्नामेंट में पाक की ओर से रन बनाने वाले अकेले खिलाड़ी रहे। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्तर के मुकाबले के अलावा श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाया था। फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक कुल 383 रन बनाये। उन्होंने कहा, "आईसीसी टी20 विश्व कप में अवॉर्ड जीतना एक सुखद अहसास है। दुनियाभर के प्रशंसकों ने इससे देखा था जिससे इसमें अवार्ड जीतना खास रहा है।" पाक का प्रदर्शन टी२० विश्वकप में अच्छा नहीं रहा और वह प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी।

मियामी ओपने टेनिस के चौथे दौर में पहुंचते ही सिनर ने बनाये रिकार्ड

मियामी (ईएमएस)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने मियामी ओपने टेनिस के चौथे दौर में पहुंचते ही दो रिकार्ड अपने नाम किये हैं। सिनर ने तीसरे दौर में फ्रांस के कोरेंटिन माउटे को 6-1, 6-4 से हराकर एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 26 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही सर्बिया के अनुभवी खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का लगातार 24 सेट जीतने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।सिनर ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में जीत के साथ ही जोकोविच के 24 सेट के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इसके बाद तीसरे दौर में जीत दर्ज करते ही वह जोकोविच से आगे निकल गए। इस मैच को सिनर ने एकतरफा अंदाज में जीता। सिनर ने पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से जीत का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने इंडियन वेल्स में भी बिना सेट खोये जीत हासिल की। मियामी में दो जीत के साथ अब वह लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच भी जीत गये हैं।अब सिनर का अगला मुकाबला एलेक्स मिशेलसन से होगा, जिन्होंने एलेजांद्रो ताबिलो को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। सिनर के पास अब इंडियन वेल्स के अलावा मियामी ओपन जीतने का अवसर है। अंतिम बार ये उपलब्धि साल 2017 में रोजर फेडरर ने हासिल की थी। सिनर इस टूर्नामेंट में अगर लगातार जीतते हैं तो उनके पास विश्व का नंबर-1खिलाड़ी बनाने का अवसर है। इस टूर्नामेंट में नंबर एक की दौड़ में उनके प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्कारेज तीसरे दौर में सेबेस्टियन कोर्डा से हारकर पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।वहीं एक अन्य मुकाबले में फ्रासिस टिफोई ने जाकुब मेंसिक को 7-6, 4-6, 7-6 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है। टियाफो अगले दौर में टेरेंस एटमाने का सामना करेंगे।

जनता दरबार में 60 से अधिक फरियादियों की सुनी गई समस्याएं, कई मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान

जामताड़ाःउपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी जामताड़ा श्री रवि आनंद (भा.प्र.से.) ने मंगलवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार आयोजित कर आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 60 से अधिक फरियादियों ने अपनी-अपनी शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं, जिनमें कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। जनता दरबार में मतदाता सूची से नाम हटाने, मारपीट एवं भूमि विवाद, भू-अर्जन मुआवजा भुगतान, अत्यधिक बिजली बिल, खराब चापाकल की मरम्मत, नगर परिषद मिहिजाम के सीआरपी का 15 माह का बकाया मानदेय, राशन नहीं मिलने सहित कई समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को अग्रसारित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर परिषद मिहिजाम में कार्यरत 8 सीआरपी ने 15 महीने से मानदेय नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी से तत्काल जानकारी लेते हुए भुगतान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। मतदाता सूची से नाम काटे जाने की शिकायत पर जांच के आदेश दिए गए, वहीं अत्यधिक बिजली बिल की समस्या को लेकर संबंधित विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को सुधार कर रिपोर्ट देने को कहा गया। भू-अर्जन मुआवजा से जुड़े मामलों में उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को बुलाकर समीक्षा की। बताया गया कि राशि के अभाव में भुगतान लंबित है, जिस पर उपायुक्त ने विभाग से राशि की मांग कर आवंटन मिलते ही भुगतान कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा चापाकल मरम्मत, राशन, मईया सम्मान योजना, आवास आदि से जुड़े मामलों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार आयोजित किया जाता है। उन्होंने लोगों से अपनी समस्याएं बेझिझक प्रस्तुत करने का आग्रह किया, ताकि प्रशासन द्वारा नियमानुसार उनका समाधान किया जा सके।

फतेहपुर में उन्नत किसानों के बीच मूंग व मकई बीज का वितरण, रबी फसल को बढ़ावा

फतेहपुर। मंगलवार को फतेहपुर प्रखंड सभागार में उन्नत किसानों के बीच रबी फसल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मूंग एवं मकई बीज का वितरण किया गया। यह वितरण प्रखंड कृषि पदाधिकारी हरिपद रुई दास की देखरेख में संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार, जिला से प्राप्त 17 क्विंटल मूंग तथा 3 क्विंटल 80 किलो मकई बीज किसानों के बीच वितरित किया जा रहा है। प्रत्येक किसान को एक पैकेट में 4 किलो मूंग तथा 4 किलो मकई बीज दिया गया। बीज के साथ किसानों को फसल सुरक्षा के लिए इफ्को कंपनी का नीम आधारित उर्वरक एवं नीम लिक्विड भी प्रदान किया गया, ताकि फसलों को रोगों से बचाया जा सके। गर्मी के मौसम में उपयुक्त इन फसलों के बीज मिलने से किसानों में खासा उत्साह देखा गया। मौके पर कृषक मित्र नरेश हेंब्रम, लाभुक पार्वती मरांडी, आर जी हेंब्रम,सोनमती टुडू, बीरेंद्र चौधरी सहित कई किसान उपस्थित थे।

सब्र और इंसाफ का संगम ही इस्लाम की असली पहचान : मौलाना अब्दुल रकीब रहमानी

जामताड़ा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उलेमा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मौलाना अब्दुल रकीब रहमानी ने कहा कि इतिहास गवाह है जब भी इंसान या समाज अन्याय के सामने खड़ा होता है, तब धर्म और नैतिक परंपराएं उसे सही राह दिखाती हैं। इस्लाम भी इसी संतुलित सोच का पैगाम देता है, जहां सब्र (धैर्य) और ज़ुल्म के खिलाफ वैध प्रतिरोध दोनों को बराबर अहमियत दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस्लाम न तो चुपचाप अत्याचार सहने की शिक्षा देता है और न ही गुस्से और बदले की अंधी आग को भड़काने की इजाज़त देता है। बल्कि यह एक ऐसा संतुलित नैतिक ढांचा पेश करता है, जिसमें इंसाफ, संयम, धैर्य और जिम्मेदार विरोध को केंद्र में रखा गया है। मौलाना रहमानी ने कहा कि इस्लामी शिक्षाओं में "सब्र" केवल सहनशीलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक गुण है जिसमें अपने कर्तव्यों पर अडिग रहना, बुराइयों से खुद को बचाना और कठिन हालात में भी हिम्मत बनाए रखना शामिल है। जब इंसान अन्याय का सामना करता है, तब यही सब्र उसे नफरत और बदले की भावना से बचाता है और उसे सही दिशा में कायम रखता है। उन्होंने आगे कहा कि इस्लाम हर प्रतिक्रिया के लिए स्पष्ट नैतिक सीमाएं तय करता है। कोई भी कदम न्यायसंगत, संतुलित और परिस्थिति के अनुरूप होना चाहिए। इस्लामी इतिहास इसका ज्वलंत उदाहरण है मक्का के दौर में मुसलमानों को सब्र और सहनशीलता की सीख दी गई, जबकि मदीना के बाद समाजिक व्यवस्था, सुरक्षा और न्याय के लिए संगठित प्रयास किए गए। मौलाना ने चेतावनी दी कि अनियंत्रित प्रतिक्रिया अक्सर हिंसा के ऐसे चक्र को जन्म देती है, जिससे निर्दोष लोग प्रभावित होते हैं और समाज में दरारें पैदा होती हैं। इसीलिए इस्लाम सोच-समझकर, अनुशासन के साथ और नैतिक मूल्यों के आधार पर प्रतिक्रिया देने की शिक्षा देता है।

मौलाना रहमानी ने कहा कि इस्लाम का संदेश पूरी तरह संतुलित और मानवीय है। यह एक ओर इंसान को कठिनाइयों में सब्र की ताकत देता है, तो दूसरी ओर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर इंसाफ और मानव गरिमा की रक्षा करने की प्रेरणा भी देता है। यही संतुलन समाज में शांति, भाईचारा और स्थिरता कायम रखने की असली कुंजी है

दीपिका बेसरा बनीं जामताड़ा जिला परिषद अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचन, उपायुक्त ने दिलाई शपथ

जामताड़ाः समाहरणालय स्थित सभागार में मंगलवार को जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुई। अध्यक्ष सह निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त जामताड़ा श्री रवि आनंद (भा.प्र.से.) की उपस्थिति में पूरी कार्रवाई विधिसम्मत तरीके से पूरी कराई गई। निर्वाचन प्रक्रिया में जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही अभ्यर्थी श्रीमती दीपिका बेसरा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन की संवीक्षा एवं राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। उपायुक्त श्री रवि आनंद ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपिका बेसरा को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया तथा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान उपायुक्त ने बताया कि पूरी निर्वाचन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई और इसे पूरी तरह पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराया गया। उपायुक्त ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री जुगनू मिंज, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री पंकज कुमार रवि सहित जिला परिषद सदस्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जामताड़ा में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला, 26 युवाओं को मिली नौकरी, 41 शॉर्टलिस्ट

जामताड़ा :उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी जामताड़ा श्री रवि आनंद (भा.प्र.से.) के निर्देश पर मंगलवार को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिला नियोजनालय जामताड़ा के सौजन्य से आयोजित इस मेले का शुभारंभ जिला नियोजन पदाधिकारी श्री प्रशांत टुडू ने किया। रोजगार मेला को संबोधित करते हुए जिला नियोजन पदाधिकारी ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को उनकी योग्यता और अहर्ता के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने युवाओं से झार नियोजन पोर्टल पर पंजीकरण कराने की अपील करते हुए कहा कि इससे उन्हें भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। मेले में निजी क्षेत्र की 9 कंपनियों—कृष्णा प्राइवेट आईटीआई (रांची), पेशेंट केयर सर्विसेज (रांची), बिरसा सुपर सिक्योरिटी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, एल एंड टी कंस्ट्रक्शन स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (हुगली), टेगेंट कंस्ट्रक्शन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, केके एंटरप्राइजेज/हाइली इलेक्ट्रिकल (अहमदाबाद), मैक्स अलर्ट सिस्टम लिमिटेड, पारस अस्पताल (जामताड़ा) एवं एचआर इंडस्ट्रीज (जालंधर) ने भाग लिया। रोजगार मेले में कुल 26 युवाओं का ऑन द स्पॉट चयन किया गया, जबकि 41 युवाओं को विभिन्न कंपनियों द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया। मौके पर प्रभारी प्राचार्य आईटीआई जामताड़ा श्री दिलीप कुमार, उच्च वर्गीय लिपिक श्री महेश आनंद, यूएनडीपी के श्री प्रवीण प्रकाश, नियोजन कार्यालय के श्री संजय कुमार सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

डीसी रवि आनंद सख्तः खराब सीडी रेशियो पर बैंकों को चेतावनी

जामताड़ाःउपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में मंगलवार को डीएलसी/डीएलआरसी की बैठक में बैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा की गई। इस दौरान जिले के खराब सीडी रेशियो पर डीसी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि जामताड़ा राज्य में सबसे निचले पायदान पर है। डीसी ने चेतावनी दी कि खराब प्रदर्शन करने वाले बैंकों से सरकारी खाते हटाकर अन्य बैंकों में स्थानांतरित किए जाएंगे। उन्होंने एक्सिस बैंक से सरकारी खाते हटाने का निर्देश भी दिया। साथ ही बैंकों को सरकारी योजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाने और लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना, केसीसी, जनधन, मुद्रा लोन, पीएमएफएमई सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

366 में से मात्र 37 पीएमएफएमई आवेदनों के स्वीकृत होने पर डीसी ने नाराजगी जताई और बैंकों को गंभीरता से काम करने को कहा। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार, एलडीएम बालादित्य कुमार, नाबार्ड एजीएम आनंद कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भाजपा ने किया स्वागत, एससी दर्जे पर स्पष्टता को बताया ऐतिहासिक कदम अविता हांसदा कार्य समिति सदस्य भाजपा अजजा मोर्चा

जामताड़ा । भारतीय जनता पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया महत्वपूर्ण निर्णय का स्वागत किया है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा समाप्त हो जाता है। भाजपा नेताओं ने इस फैसले को संविधान की मूल भावना और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को सुदृढ़ करने वाला बताया । उनका कहना है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि अनुसूचित जातियों को मिलने वाले अधिकार और लाभ केवल वास्तविक पात्र लोगों तक ही पहुंचें। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति सदस्य आविता हांसदा ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह फैसला सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे व्यवस्था में पारदर्शिता और संतुलन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा का मानना है कि यह निर्णय सामाजिक समरसता, पारदर्शिता और न्याय को मजबूती प्रदान करेगा।

बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना के रखरखाव एवं संचालन हेतु समिति का गठन

दुमकाःपेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-02, दुमका अंतर्गत प्रखंड सभागार रामगढ़ में प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी के अध्यक्षता में मंगलवार को बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना के रखरखाव एवं संचालन हेतु समिति का गठन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु 'बहु ग्रामीण जलापूर्ति समिति' का विधिवत गठन करना रहा। बैठक के मुख्य बिंदु में समिति का चयन, जिसमे बैठक में सर्वसम्मति से समिति के सदस्यों और पदाधिकारियों का चयन किया गया, जो जलापूर्ति योजनाओं की देखरेख और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रबंधन समिति में प्रखंड प्रमुख अध्यक्ष होंगे, उपप्रमुख को कमिटी का उपाध्यक्ष, प्रखंड विकास पदाधिकारी सदस्य सचिव जबकि सहायक अभियंता एवं संबंधित पंचायत के मुखिया और सभी जल सहिया सदस्य होंगे। इसके अलावा रखरखाव पर चर्चा हुई। जिसमे पाइपलाइन के विस्तार, जलमीनारों की सफाई और तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। प्रखंड प्रमुख ने कहा कि जल ही जीवन है और इसकी बर्बादी रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। समिति के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं यथा धोबा, लखनपुर बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना, कनहारा बहू ग्रामीण जलापूर्ति योजना एवं अमरपुर बहू ग्रामीण जलापूर्ति योजना के संचालन एवं संपोषण को लेकर समिति गठन से पूर्व संबंधित पंचायत के मुखिया सभी जलसहिया को योजनाओं की तकनीकी जानकारी सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-02, दुमका के द्वारा विस्तार पूर्वक दी गई। बैठक में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, जिला समन्वयक-आई ई सी, कनीय अभियंता एवं प्रखंड वास समन्वयक उपस्थित थे।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल, केन्दुआ प्रखण्ड, धनबाद महानगर द्वारा आयोजित किया गया श्रीरामोत्सव कार्यक्रम

धनबाद, महानगर करकेंद मथुराशिनी अतिथि भवन परिसर, शनि मंदिर के समीप प्रातः 12 बजे से श्री रामोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीरामदरबार के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वल ब्रह्मनाद, एकात्मता मंत्र तथा विजय महामंत्र का पाठ कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि चितरंजन , संगठन मंत्री ने कहा आज हमें प्रभु श्री राम के जीवन चरित्र को आदर्श बनाकर अपने कुटुंब और समाज की एकता बनाए रखनी है। प्रभु श्री राम का अपने परिवार के प्रति जिस प्रकार का भाव रहा, पिता के वचन की रक्षा के लिए वनवास गमन, अपने भाइयों के लिए स्नेह प्रेम, केवट और निषाद राज के साथ प्रगाढ़ मित्रता, माता शबरी के जूठे बेर ग्रहण करना, यह हमें परिवार और समाज के प्रति कैसा व्यवहार हो इसका मार्ग दिखाता है । उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में जाति, क्षेत्र के आधार पर हिंदू समाज को बांटने का षड्यंत्र चल रहा है । ऐसे समय में समाज में समरसता बनी रहे, इस दिशा में कार्यकर्ताओं को सक्रिय होकर कार्य करने की आवश्यकता है। मौके पर विक्की सिंह, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख, अशोक चौरसिया, जिला अध्यक्ष, विभाग सह मंत्री सोनू गिरी, विभाग संगठन मंत्री दीपक मंडल, विशेष सम्मान संपर्क प्रमुख द्वारिका तिवारी, सुमित माली सह संयोजक बजरंग दल महानगर ,धर्मेंद्र सरोज ,मनोज केसरी, चंदन चक्रवर्त, पूषकर गुप्ता प्रखण्ड मंत्री, संजय गुप्ता, प्रखण्ड संयोजक ,रींकी कुमारी दुर्गावाहिनी संयोजक , सरिता कुमारी दुर्गावाहिनी सह संयोजक,देव कुमार ,शिव संकर कुमार ,अजय पसवान सह संयोजक, आशीष विश्वाकर्मा आदि मौजूद थे । कार्यक्रम का समापन श्री राम की आरती एवं जयघोष के साथ हुआ। साथ ही नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए प्रसाद का वितरण भी किया गया ।

टैंकर-मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत, मां-बेटा गंभीर रूप से घायल; चालक नशे में गिरफ्तार

फतेहपुर मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे साहिबगंज-गोविंदपुर हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें टैंकर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत में मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बस्ती पालीजोडी स्थित ग्राहक सेवा केंद्र से आगे जुबिन हेंब्रम के घर के पास की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुमका की ओर से जामताड़ा की तरफ आ रही तेज रफ्तार टैंकर ने जामताड़ा के उदलबनी से बगदाहा जा रही मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार विवेक कुमार (निवासी उजालबनी, जामताड़ा) एवं उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में वृद्ध महिला का पैर बुरी तरह चकनाचूर हो गया। घटना के बाद टैंकर चालक भागने के प्रयास में सड़क किनारे जोगिन हेंब्रम के घर के सामने बिजली का खंभा एवं घर का कपड़ा (ढांचा) भी तोड़ता हुआ आगे निकल गया। इससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बिंदापाथर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लोगों के सहयोग से टैंकर को जब्त कर लिया। घायलों को एंबुलेंस आने में देरी होने के कारण स्थानीय लोगों की मदद से निजी वाहन से जामताड़ा इलाज के लिए भेजा गया। थाना प्रभारी विकास कुमार यादव ने बताया कि टैंकर को जब्त कर थाना लाया गया है और मामले की जांच जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चालक नशे की हालत में था, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर जामताड़ा थाना भेज दिया है।

पैदल चल रहे युवक को अज्ञात बाइक चालक ने मारी जोरदार टक्कर

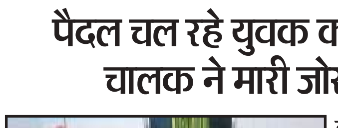

दुमकाःरामगढ़ प्रखंड में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखा गया। प्रशासन के द्वारा लगातार सड़क जागरूकता अभियान चलाया जाता है, बावजूद उसके कई चालकों द्वारा बाइक की द्रुत गति में कोई कमी नहीं नहीं दिख रही है। स्टंट करते हुए बाइक चलाना कई बाइक चालकों की पहली पसंद बनती जा रही है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है।मंगलवार को रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत धंनौर और बड़ीरणबहियार के बीच पैदल चल रहे एक युवक को अज्ञात बाइक चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद युवक बुरी तरह घायल हो गया। वहीं अज्ञात बाइक चालक टक्कर के बाद भागने मे सफल रहा। घायल युवक की पहचान सहदेव कुंवर, पिता स्वर्गीय विलास कुंवर धंनौर निवासी के रुप मे हुई है। परिजनों ने बताया कि घटना 4 बजे संध्या के करीब हुई है। बताया कि बाइक चालक काफ़ी तेज रफ्तार मे बड़ीरनबहियार की दिशा से आ रहा था। उसी क्रम में पैदल चल रहे सहदेव कुंवर को टक्कर मार कर भाग गया। परिजनों ने घायल को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ मे भर्ती किया, जहाँ प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक ने दुमका रेफर कर दिया। परिजनों ने जानकारी दी कि घायल युवक को सर पर गहरी चोट आयी है, साथ ही चेहरे पर चार टांके भी लगे हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। खबर लिखे जाने तक परिजनों द्वारा रामगढ़ थाने में लिखित आवेदन नहीं दिया गया है।

चैती छठ पूजा के अवसर पर राजद द्वारा छठ घाट की सफाई कर सामाजिक दायित्व का किया निर्वहन

दुमका।मंगलवार को लोक आस्था के महापर्व चैती छठ पूजा के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से मंगलवार सुबह खुटा बाँध छठ घाट पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए संपन्न हुआ।सफाई अभियान में नगर अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह 'चंचल', माणिक पंडित, बैकुण्ठ शर्मा, सुबोध यादव, उपेंद्र मंडल, शेष कुमार, पंकज यादव एवं बालमुकुंद रॉय ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया।इस अवसर पर वार्ड पार्षद पति शैलेश गुप्ता भी अपने सफाई कर्मियों के साथ मौके पर मौजूद रहे और सफाई कार्य में भाग लिया।राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि छठ पूजा हमारी आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है।

फतेहपुर में जनवितरण व्यवस्था की समीक्षा अपात्र राशन कार्ड रद्द करने के निर्देश

जामताड़ा सोमवार को प्रखंड सभागार में नव पदस्थापित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी कमर तोहिद ने जनवितरण विक्रेताओं के साथ पहली समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में प्रखंड की सभी 15 पंचायतों के जनवितरण विक्रेता एवं स्वयं सहायता समूह (SHG) के विक्रेताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता स्वयं आपूर्ति पदाधिकारी ने की। बैठक में उपस्थित विक्रेताओं को विभागीय निर्देशों के आलोक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले लाभुकों को समय पर एवं सही मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही सुषुप्त (निष्क्रिय) राशन कार्डों को चिन्हित कर उन्हें निरस्त करने के लिए सूची तैयार कर विभाग को सहयोग करने को कहा गया। आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि जिन कार्डधारियों के पास चार पहिया वाहन हैं या जो आयकर/ जीएसटी के दायरे में आते हैं, उनकी सूची जिला स्तर से प्राप्त हो चुकी है। यह सूची सभी जनवितरण विक्रेताओं को उपलब्ध कराई जाएगी। ऐसे अपात्र लाभुकों को राशन कार्ड रद्द कराने के लिए सूचित करना आवश्यक है। यदि वे स्वयं कार्ड रद्द नहीं करते हैं, तो विभाग उनके द्वारा उठाए गए राशन की राशि ब्याज सहित वसूल करेगा। बैठक में फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के प्रखंड सचिव सह जिला उपाध्यक्ष शिरोमणि यादव ने विक्रेताओं की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि समय पर चीनी, नमक एवं चना दाल की आपूर्ति नहीं होने के कारण वितरण प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि चावल, गेहूं, चीनी, नमक, चना दाल एवं धोती-साड़ी की आपूर्ति एक साथ की जाए, ताकि वितरण सुचारू रूप से हो सके। वहीं प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण चंद्र महतो ने साड़ी-धोती की आपूर्ति में हो रही देरी पर चिंता जताई। प्रखंड कृषि पदाधिकारी हरिपद रुई दास ने भी उपस्थित विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एफसीआई गोदाम प्रबंधक कालिदास टुडू ने बताया कि विभागीय गाइडलाइन के अनुरूप ही सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। गोदाम में चना दाल, चीनी एवं नमक उपलब्ध होते ही विक्रेताओं को दिया जाता है, जबकि चावल एवं गेहूं की आपूर्ति निर्धारित समय पर नियमित रूप से की जा रही है। इस अवसर पर मनोज कुमार महतो, अमित मंडल, लखन लाल महतो, जयधन महतो, अमित महथा, राकेश मंडल, सुनीति हांसदा, गौतम पान, अंकुर पंडित, बलदेव सिंह, किशोर उर्फ रिंटू, रियाजुद्दीन अंसारी, विवेक मोदी, त्रिपुरा महतो सहित बड़ी संख्या में जनवितरण विक्रेता एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्य उपस्थित थे।

अभाविप की ओर से श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क दूध का वितरण

दुमकाःअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका की ओर से चैती छठ महापर्व पर एस एफ एस के माध्यम से पोखरा चौक पर श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क दूध वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में परिषद के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आम लोगों के बीच दूध का वितरण किया।इस अवसर पर जिला संयोजक अभिषेक गुप्ता ने कहा कि चैती छठ चैत्र माह में सूर्य देव और छठी मैया की पूजा के लिए मनाया जाने वाला चार दिवसीय महापर्व है। यह पर्व संतान की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत काल में द्रौपदी ने पांडवों के कष्टों को दूर करने के लिए इस व्रत का पालन किया था।प्रमुख दीप तिवारी ने कहा कि पौराणिक कथाओं के अनुसार छठी मैया (षष्ठी देवी) भगवान ब्रह्मा की मानस पुत्री मानी जाती हैं। उन्हें प्रकृति देवी का छठा अंश माना जाता है, जो सृष्टि की रक्षा करने वाली एवं मातृत्व की प्रतीक हैं। मान्यता है कि वे सूर्यदेव की बहन हैं, इसलिए छठ पूजा में सूर्यदेव के साथ उनकी भी आराधना की जाती है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, जिला संयोजक अभिषेक गुप्ता, दीप तिवारी, शिवम जायसवाल, अभिनंदन कुमार, नवनीत कुमार एवं अनुज कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्व क्षय रोग दिवस पर सीएचडी सहित बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद । टीबी मुक्त भारत अभियान (राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम) के तहत विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर आज बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में सेंट्रल हॉस्पिटल, बीसीसीएल (सीएचडी) में जागरूकता रैली का आयोजन सीएमओ/सीएचडी डॉ. बंदना के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अस्पताल के अन्य चिकित्सकगण, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे तथा सभी ने टीबी उन्मूलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज को क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूक करना, इसके लक्षणों, उपचार एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी देना तथा टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को सुदृढ़ करना रहा। ब्लॉक-2 क्षेत्र में इस अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री कुमार रंजीव ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें क्षेत्रीय अधिकारीगण, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी क्रम में मुनिडीह क्षेत्रीय अस्पताल (पश्चिमी झरिया क्षेत्र) में क्षेत्रीय नोडल अधिकारी (टीबी) डॉ. ए.के. यादव के मार्गदर्शन में जागरूकता शिविर एवं रैली का आयोजन किया गया। वहीं, बस्ताकोला क्षेत्र-9 में टीबी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। दुगदा कोल वाशरी में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित हुआ, जिसमें कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों को टीबी के लक्षण, जांच एवं निःशुल्क उपचार सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। कतरास क्षेत्र में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें वार्ड पार्षद श्रीमती मधुमाला, क्षेत्रीय चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आशा कुमारी एवं डॉ. प्रितम कुमार की सक्रिय भागीदारी रही। इसके अतिरिक्त सीवी क्षेत्र-12 के बेनुगिया डिस्पेंसरी एवं दहीबाड़ी लायकडीह में डॉ. आशुतोष के नेतृत्व में में टीबी विषय पर जागरूकता वार्ता एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ तथा मुनिडीह में भी स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कोल डंप कॉलोनी, बीसीसीएल कतरास सहित अन्य स्थानों पर भी जनसामान्य को टीबी के दुष्प्रभावों एवं इससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। कुस्तौर क्षेत्रीय अस्पताल (पीबी क्षेत्र) में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत टीबी विषयक कविता पाठ से हुई, जिसके पश्चात विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें रोग के लक्षण, उपचार पद्धति एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इन सभी कार्यक्रमों में यह संदेश दिया गया कि समय पर जांच एवं नियमित उपचार के साथ टीबी एक पूर्णतः उपचार योग्य रोग है। साथ ही, खांसी दो सप्ताह से अधिक रहने पर जांच कराने, पौष्टिक आहार लेने एवं दवाइयों का पूरा कोर्स करने की अपील की गई। बीसीसीएल द्वारा आयोजित इन बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है कि अधिक से अधिक लोगों को टीबी मुक्त भारत अभियान से जोड़ा जाए तथा समाज को इस गंभीर रोग से मुक्त कर एक स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण का निर्माण किया जा सके।

बीसीसीएल ने एनआरएस लिंकेज ऑक्शन अन्य उप-क्षेत्र ट्रांच-IX में हासिल की उल्लेखनीय सफलता, 7.45 लाख टन कोयले की बुकिंग

धनबाद । भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने एनआरएस लिंकेज ऑक्शन (अन्य उप-क्षेत्र) ट्रांच-IX के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। इस चरण में कुल 7.45 लाख टन प्रति वर्ष कोयले की सफल बुकिंग की गई, जो कोयला क्षेत्र में बढ़ती मांग एवं कंपनी के प्रति उद्योग जगत के सुदृढ़ विश्वास को दर्शाता है। इस ऑक्शन प्रक्रिया में कुल 124 बोलीदाता सफल रहे, जो बाजार में सकारात्मक रुझान एवं प्रतिस्पर्धात्मक भागीदारी का संकेत है। यह सफलता बीसीसीएल की पारदर्शी नीतियों, कुशल संचालन और उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उल्लेखनीय है कि सभी सफल बोलीदाताओं के साथ 10 वर्षों की अवधि के लिए दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति समझौते का ऑनलाइन निष्पादन किया जा रहा है, जो जून 2026 तक प्रभावी हो जाएगा। इस व्यवस्था के माध्यम से उद्योगों को स्थिर एवं निर्बाध कोयला आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे उत्पादन गतिविधियों को निरंतरता मिलेगी। यह उपलब्धि न केवल कोयला क्षेत्र में सशक्त मांग को परिलक्षित करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि बीसीसीएल देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस प्रकार के सफल आयोजन से औद्योगिक विकास को गति मिलने के साथ-साथ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त होती है। इस अवसर पर सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि एनआरएस लिंकेज ऑक्शन ट्रांच-IX की यह सफलता बीसीसीएल के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। यह उपलब्धि उद्योग जगत के बढ़ते विश्वास और कोयले की मजबूत मांग को दर्शाता है। हम निरंतर पारदर्शी एवं दक्ष प्रक्रियाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीसीसीएल भविष्य में भी देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति तथा आर्थिक विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ बीसीसीएल ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि वह देश के ऊर्जा क्षेत्र को सुदृढ़ करने तथा औद्योगिक प्रगति को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

केन्दुआ बाजार में पूज्य सुरेन्द्र हरिदास महाराज के सानिध्य में श्रीमद्भागवत कथा का षष्ठम दिवस

कथा में पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल शामिल होकर व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का श्रवण किया

धनबाद , श्रीमद् भागवत कथा के षष्ठम दिवस के अवसर पर सुरेंद्र हरिदास महाराज ने बताया कि मनुष्य का जीवन उसके संग के अनुसार ढलता है। जिस प्रकार सुगंधित फूलों के पास बैठने से हमारे वस्त्रों में भी खुशबू आ जाती है, ठीक उसी प्रकार सच्चे और सद्गुणी लोगों के संग से हमारे विचार, व्यवहार और संस्कार पवित्र हो जाते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि ईमानदारी, करुणा और धैर्य ही सच्ची सफलता की कुंजी हैं।इसलिए जीवन में मित्र और मार्गदर्शक चुनते समय सावधानी आवश्यक है। सच्चे लोगों का संग हमें कठिन समय में सही मार्ग दिखाता है। हमारी गलतियों को सुधारता है और हमें लक्ष्य की ओर प्रेरित करता है।

आगे उन्होंने कथा के दौरान बतलाया कि पूतना भगवान श्रीकृष्ण को मारने के उद्देश्य से अपने स्तनों पर कालकूट विष लगाकर उन्हें दूध पिलाने के लिए आती है, किंतु भगवान ने उसका भी उद्धार कर दिया। यह दर्शाता है कि भगवान केवल अपराध नहीं देखते, बल्कि भाव को भी देखते हैं। जो उन्हें विष पिलाने के लिए आया, यदि उसका भी उद्धार कर सकते है तो तुम्हारा क्यों नहीं कर सकते है। जब मानव अहंकार और स्वार्थ छोड़कर भगवान की शरण में जाते हैं, तो वे अवश्य हमारा उद्धार करते हैं ।हमारे पापों का नाश करते हैं और हमें जीवन के दुखों से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाते हैं। आगे उन्होंने कहा कि ब्रजभूमि कोई साधारण धरती नहीं, बल्कि यह दिव्यता, प्रेम और भक्ति की जीवंत धरोहर है। यह वही पावन भूमि है ,जहाँ स्वयं कृष्ण ने बाल लीलाएँ कीं। गोचारण किया, माखन चुराया और गोप-गोपियों के साथ रास रचाया। ब्रज की रज-रज में श्रीकृष्ण की लीलाओं की स्मृतियाँ बसी हुई हैं, इसलिए यहाँ की धूल भी भक्तों के लिए वंदनीय मानी जाती है। ब्रज भूमि पर कदम रखना केवल यात्रा नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभूति है । जहाँ मन निर्मल होता है, हृदय प्रेम से भर जाता है और आत्मा भगवान के और निकट पहुँच जाती है।

इस संसार में यदि कोई प्रेम निःस्वार्थ, निष्कलंक और अनंत है, तो वह माँ का प्रेम है। माँ अपने बच्चे को जन्म देने से लेकर उसके पालन-पोषण, शिक्षा, संस्कार और हर सुख-दुख में अपना सर्वस्व अर्पित कर देती है। वह स्वयं कष्ट सहकर भी अपने बच्चों को मुस्कान देती है। माँ का ऋण जीवनभर चुकाया नहीं जा सकता। चाहे संतान कितनी भी बड़ी उपलब्धि क्यों न प्राप्त कर ले, माँ के त्याग और तपस्या के सामने वह सब छोटा ही होता है। माँ रातों की नींद त्यागकर, अपनी इच्छाएँ छोड़कर, अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने में लगी रहती है।

मनुष्य के जीवन में जो भी सुख और दुख आते हैं, उनका मूल कारण उसके अपने कर्म ही होते हैं। प्रकृति का यह अटल नियम है कि जैसा बीज बोया जाता है, वैसा ही फल प्राप्त होता है। यदि हम अच्छे, पवित्र और परोपकारी कर्म करते हैं तो उसका परिणाम भी सुख, शांति और सम्मान के रूप में मिलता है। वहीं यदि हम बुरे, स्वार्थपूर्ण या अधार्मिक कर्म करते हैं तो उनका फल दुख, अशांति और पछतावे के रूप में सामने आता है।

आगे उन्होंने बतलाया कि जब मानव अपने अहंकार, भय और संशय को त्यागकर पूर्ण विश्वास के साथ प्रभु के चरणों में समर्पित हो जाता है, तब उसकी रक्षा का भार स्वयं भगवान उठा लेते हैं। जब भगवान ने विभीषण, द्रौपदी और प्रह्लाद की रक्षा की, तो वे आपकी और हमारी रक्षा क्यों नहीं करेंगे? आवश्यकता केवल इतनी है कि हम दिखावे की नहीं, बल्कि सच्चे मन, पूर्ण समर्पण और दृढ़ विश्वास के साथ उनकी शरण में जाए। कथा को सफल करने में सुधीर ठाकुर,मनोज रवानी दुलारी, संजय ताम्रकार रेणु देवी, सुजीत ठाकुर पुनम देवी,अमित ठाकुर सोनाली देवी,दीपक ताम्रकार गुड़िया देवी,सोनू कुमार रेखा देवी ,गंगा प्रसाद गुप्ता, राजेश ताम्रकार,सुनिल कुमारशर्मा, सुजलकुमार,विनोद ताम्रकार,निखिल चौरसिया,अमित ताम्रकार, आदित्य गुप्ता,विक्रात रवानी,आलौक ताम्रकार चन्दन पौदार धीरज साव,आदि समस्त केन्दुआ बाजार नगर वासियों के सहयोग से किया जा रहा है। ज्ञात हो कि बुधवार को महारास रूक्मणी कृष्ण बहुत धुमधाम से मनाया जाएगा।

चैती छठ पुजा का तीसरा दिन, संध्या समय श्रद्धालु भक्तों ने भगवान सूर्य को किया अर्घ्य अर्पित

चिरकुंडा । चैती छठ महापर्व का तीसरा दिन है, जिसे संध्या अर्घ्य के रूप में मनाया जाता है। चिरकुंडा तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी का मोर्डन तालाब जिसमें प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी चैती छठ पूजा मनाया जा रहा है। स्थानीय पार्षद वरूणा दे ने कहा चैती छठ पुजा का सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। चैती छठ पूजा हमारे हाउसिंग कॉलोनी के तालाब पर काफी संख्या में श्रद्धालु आकर छठ पुजा करते हैं। छठ व्रती पूरे विधि-विधान के साथ डूबते हुए सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करते हैं । और छठी मइया से सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं।आज संध्या अर्घ्य का समय सूर्यास्त के समय, लगभग शाम 5:50 बजे से 6:15 बजे के बीच स्थान के अनुसार अर्घ्य दिया गया। इस अवसर पर व्रती दिनभर निर्जला व्रत रखते हैं ।नदी, तालाब या घाट पर जाकर पूजा की जाती है ।बांस के सूप में ठेकुआ, फल, नारियल और अन्य प्रसाद सजाया जाता है ।जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है ।छठी मइया के गीत गाए जाते हैं और पूरी श्रद्धा से पूजा की जाती है । यह दिन आस्था, तपस्या और सूर्य उपासना का विशेष महत्व रखता है।छठी मइया से लोगो ने प्रार्थना कि की सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। छठी मइया सब पर अपनी कृपा बनाए रखें ।

जनता दरबार में बेकारबांध में सार्वजनिक पुस्तकालय निर्माण करने का किया अनुरोध

धनबाद , उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के बेकारबांध, गोविंदपुर, बाघमारा, टुंडी, तोपचांची सहित जिले के अन्य क्षेत्र से आए आम जनों की समस्या सुनी। जनता दरबार में बेकारबांध से आए लोगों ने बेकारबांध के पास खाली जमीन पर सार्वजनिक पुस्तकालय एवं पार्क निर्माण करने का अनुरोध किया। वहीं बाघमारा से आए व्यक्ति ने बाघमारा में नवनिर्मित हाई स्कूल निर्माण में अनियमितता की जांच करने का अनुरोध किया। जबकि टुंडी से आए व्यक्ति ने टुंडी के सरकारी तालाब का जीर्णोद्धार कराने का आग्रह किया।जनता दरबार में दुकान पर अवैध कब्जा करने, मंदिर के रास्ते को अवरूद्ध करने, फर्जी दस्तावेज के आधार पर रैयती जमीन पर अवैध कब्जा करने, वार्ड नंबर 23 में सड़क, नाला व नाली का निर्माण करने, अवैध कोयला खनन करने के संबंध में, राशि की लेनदेन में धोखाधड़ी करने, ऑनलाइन रसीद निर्गत करने, मुआवजा का भुगतान करने, बेलगड़िया में आवास आवंटन करने सहित अन्य विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने आमजनों से प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया।जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा , नियाज अहमद भी मौजूद थे।

टोटल हिप रिप्लेसमेंट की सफल सर्जरी के बाद मरीज अस्पताल से हुआ डिस्चार्ज

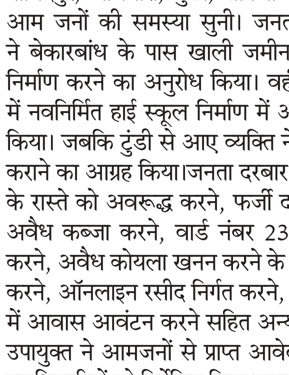

धनबाद , विगत 11 मार्च को सदर अस्पताल में पहली बार एक मरीज की टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई थी। उक्त मरीज को आज सदर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।अस्पताल के उपाधीक्षक डॉo संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के रे टाकीज के पीछे रहने वाले मरीज, बुद्धि शंकर 32, अहमदाबाद में एक दूध फैक्ट्री में कार्यरत थे। मरीज पोलियो से पीड़ित थे। कार्य के दौरान फैक्ट्री में गिरने से उनकी हिप बोन में गंभीर फ्रैक्चर हो गया था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे निजी अस्पताल में महंगा इलाज कराने में असमर्थ थे। मरीज के पास आयुष्मान कार्ड होने के कारण उन्होंने इलाज के लिए सदर अस्पताल, धनबाद का रुख किया। यहां ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. मुकेश प्रसाद से परामर्श लिया गया। जांच के बाद उन्होंने मरीज को टोटल हिप रिप्लेसमेंट (टीएचआर) सर्जरी की सलाह दी।तत्पश्चात 11 मार्च 2026 को सदर अस्पताल में डॉ, मुकेश प्रसाद ऑर्थोपेडिक सर्जन के नेतृत्व में, उनके सहयोगी डॉ, रवि खैतान तथा निश्चेतक विशेषज्ञ डॉ, आनंद के सहयोग से इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। सर्जरी के बाद लगभग 12 दिनों तक मरीज को अस्पताल में रखा गया। इस दौरान फिजियोथैरेपी, नियमित व्यायाम, पौष्टिक भोजन तथा दवाई इत्यादि देकर आज उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया। डिस्चार्ज होने से पहले मरीज को घुटने मोड़ने, पलाठी मारने, पैरों पर वजन रखकर चलने फिरने में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। जबकि इससे पहले पोलियो से पीड़ित होने के कारण यह सब करना मरीज के लिए संभव नहीं था।

धनबाद में चला मेगा वाहन जांच अभियान, 423 वाहनों की जांच , 200 पर सख्त कार्रवाई

फैंसी नंबर प्लेट, बिना हेलमेट और काले शीशे वालों पर पुलिस का शिकंजा

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पड़ा भारी, सख्त चेतावनी के साथ पुलिस ने की अपील

दो पहिया वाहन पर पीछे बैठे यात्री को हेलमेट लगाना होगा अनिवार्य

धनबाद, जिले में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को एक व्यापक विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान एसएसपी , प्रभात कुमार के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी , अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों और व्यस्त मार्गों पर एक साथ संचालित किया गया। इस अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने पूरी सख्ती के साथ कुल 623 वाहनों की जांच की, जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वाले 200 वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। जांच अभियान के दौरान पुलिस टीम पूरी तरह मुस्तैद दिखी और हर आने-जाने वाले वाहन की बारीकी से जांच की गई। इस विशेष अभियान में सबसे अधिक ध्यान फैंसी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर दिया गया। जांच के दौरान 125 ऐसे वाहनों को चिन्हित किया गया, जिन पर नियमों के विरुद्ध डिजाइनर या अवैध नंबर प्लेट लगी हुई थी। इन सभी के खिलाफ मौके पर ही चालान काटा गया और उन्हें तुरंत सही नंबर प्लेट लगाने की सख्त हिदायत दी गई। इसके साथ ही दोपहिया वाहनों पर हेलमेट जांच को लेकर भी सख्ती दिखाई गई। सिर्फ चालक ही नहीं बल्कि पीछे बैठे यात्रियों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य किया गया है। कई स्थानों पर ऐसे लोग पकड़े गए जो बिना हेलमेट यात्रा कर रहे थे, जिनके खिलाफ जुर्माना लगाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यह नियम सख्ती से लागू किया जा रहा है। चारपहिया वाहनों में काला शीशा ब्लैक फिल्म, लगाने वालों के खिलाफ भी अभियान के दौरान कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऐसे वाहनों को रोककर मौके पर ही कार्रवाई की और वाहन मालिकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी। इसके अलावा सभी वाहनों के आवश्यक दस्तावेज, जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस और प्रदूषण प्रमाण पत्र की भी जांच की गई। जिन चालकों के पास कागजात अधूरे या अनुपस्थित पाए गए, उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई। ट्रैफिक डीएसपी , अरविन्द कुमार सिंह ने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सभी वाहन चालक अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों का पालन करें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है, वहीं दोपहिया वाहन पर सवार दोनों व्यक्तियों के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। साथ ही फैंसी नंबर प्लेट और काले शीशे का प्रयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है। सभी वाहन चालक अपने साथ वाहन से संबंधित सभी आवश्यक कागजात अवश्य रखें।

पुलिस ने साफ संकेत दिया है कि सड़क सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का पालन नहीं करने वालों पर इसी तरह सख्ती जारी रहेगी। इस अभियान से शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और लोगों में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है।

धनबाद में किन्नरों ने रखा छठ व्रत,अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

धनबाद , जिले में लोक आस्था का महापर्व चैती छठ धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष किन्नर समुदाय ने भी इस पर्व में विशेष रूप से भाग लिया है। विभा किन्नर , काजल किन्नर सहित कई किन्नरों ने पूर्ण श्रद्धा के साथ निर्जला व्रत रखा और घाटों पर पूजा-अर्चना की।

चैती छठ महापर्व के तीसरे दिन धनबाद के न्यू मटकुरिया रेलवे कॉलोनी में बने कृत्रिम छठ घाट पर किन्नर समाज ने अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। निर्जला व्रत रखकर नाच-गाकर उन्होंने समाज में सुख-समृद्धि, समानता और शांति के लिए भगवान भास्कर से कामना की। किन्नर समाज से विभा और काजल किन्नर पुरे श्रद्धा भाव के साथ छठ कर रही हैं। उन्होंने कहा कि छठी मईया से धनबाद की खुशहाली की कामना करती हैं ।कल सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार, समाज और लोककल्याण की कामना की जाएगी। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत सम्पन्न हो जायेगा। न्यू मटकुरिया रेल कॉलोनी छठ घाट में मौजूद रेखा किन्नर एवं निर्मल किन्नर ने सभी जजमानों एवं समस्त धनबाद वासियो को छठ पर्व की बधाई देते हुए खुशहाली की कामना की।

राम नवमी पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति, सुरक्षा चक्र में रहेगा पूरा जिला

डीजे, हथियार और भड़काऊ नारे पूरी तरह से प्रतिबंधित, उल्लंघन पर लाइसेंस रद्द, होगी जेल

ड्रोन निगरानी, फ्लैग मार्च और साइबर वॉच, हर गतिविधि पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर

जुलूस में 100 लोगों की सीमा तय, कमिटी कराएगी वीडियोग्राफी

राम नवमी को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश जारी

धनबाद , राम नवमी के पावन पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए धनबाद पुलिस पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आ रहा है। एसएसपी , प्रभात कुमार द्वारा जारी विस्तृत दिशा निर्देशों ने साफ कर दिया है कि इस बार किसी भी तरह की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि सभी अखाड़ा और जुलूस केवल लाइसेंस में निर्धारित मार्ग से ही गुजरेंगे। मार्ग में किसी भी प्रकार का बदलाव सख्ती से प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही प्रत्येक अखाड़ा दल में अधिकतम 100 लोगों की ही अनुमति दी गई है । ताकि भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा सके। सुरक्षा के लिहाज से इस बार पहचान और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। सभी अखाड़ा समितियों को 20-20 वॉलेंटियर्स की सूची तैयार कर उनके नाम, मोबाइल नंबर और फोटोयुक्त पहचान पत्र संबंधित थानों में जमा करना अनिवार्य किया गया है। वहीं, जुलूस में शामिल प्रत्येक सदस्य को भी पहचान पत्र जारी करना होगा, जिससे पहचान सुनिश्चित कर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सके।

इसके अलावा, अखाडा कमिटी द्वारा पूरे जुलूस की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी अनिवार्य कर दी गई है, ताकि हर गतिविधि रिकॉर्ड में रहे और आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके।

एसएसपी , प्रभात कुमार ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि जुलूस के दौरान किसी भी धर्म या समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाले गीत, संगीत या नारे नहीं लगाए जाएंगे। अश्लील या आपत्तिजनक गानों पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है। उलंघन करने वालों पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा।

इस बार डीजे के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। यदि कोई समिति डीजे का इस्तेमाल करती पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। इसके साथ ही, जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार के हथियारों के प्रदर्शन या खतरनाक करतबों पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस द्वारा जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। संवेदनशील इलाकों में ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में लगातार फ्लैग मार्च किया जा रहा है। पुलिस असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर बनाए हुए है और उन्हें चिन्हित कर पहले से ही आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए पुलिस की साइबर सेल और मीडिया सेल सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी निगरानी रख रही है। किसी भी प्रकार के भड़काऊ, अफवाह फैलाने वाले या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। राम नवमी के दौरान अवैध शराब और मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी थाना प्रभारियों को ऐसे कारोबारियों को चिन्हित कर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जुलूस के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस ने सभी नागरिकों और अखाड़ा समितियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और इस पावन पर्व को शांति, भाईचारे और अनुशासन के साथ मनाएं। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि सहयोग करने वालों का सम्मान होगा, लेकिन नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ◗ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।